हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला

5

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला 5

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पर आधारित

आल्या एवं पूर्णिमा शर्मा

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

कोचीन • कोलकाता • गुवाहाटी • चेन्नई • जालंधर
बेंगलुरु • मुंबई • राँची • लखनऊ • हैदराबाद • नई दिल्ली
बोस्टन (यू.एस.ए.) • आकरा (घाना) • नैरोबी (केन्या)

© द्वारा लक्ष्मी पब्लिकेशंज (प्रा०) लिमिटेड
अन्य भाषाओं में अनुवाद सहित सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रतिलिप्याधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 के अनुसार, इस प्रकाशन का कोई भी अंश किसी भी रूप या माध्यम; जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिकी, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग या अन्य के द्वारा पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक की अनुमति के बिना उपरोक्त कोई भी कार्य अथवा स्केनिंग, कंप्यूटर में संग्रहण या इस पुस्तक के किसी अंश की इलेक्ट्रॉनिक साझेदारी आदि सांविधानिक अथवा कानूनी तौर पर प्रतिलिप्याधिकार धारक की बौद्धिक संपत्ति की चोरी मानी जाएगी। इस पुस्तक की सामग्री (पुनरावलोकन के उद्देश्यों के अतिरिक्त) उपयोग करने हेतु प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति आवश्यक है।

भारत में मुद्रित और जिल्दबंद
टाइपसैट : एम.टू.डब्ल्यू. मीडिया, दिल्ली
नवीनतम संस्करण
ISBN 978-93-80644-98-1

दायित्व की सीमाएँ/आश्वासन का अस्वीकरण : इस कार्य की सामग्री की परिशुद्धता या पूर्णता के संदर्भ में प्रकाशक और लेखक निरूपण या आश्वासन नहीं देते हैं और विशेषतया सभी आश्वासनों को अस्वीकार करते हैं। इसमें अंतर्विष्ट परामर्श, कौशल और क्रियाकलाप प्रत्येक स्थिति में अनुकूल नहीं हो सकते। निष्पादित क्रियाकलापों के दौरान बड़ों का निरीक्षण आवश्यक है। इसी प्रकार, इस पुस्तक या अन्य प्रकार से वर्णित, किसी और सभी क्रियाकलापों को संपादित करने हेतु सामान्य बुद्धिमत्ता और सावधानी आवश्यक है। इससे होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति या नुकसान के लिए प्रकाशक या लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे और न ही कोई जिम्मेदारी लेंगे। तथ्य यह है कि इस पुस्तक में उद्धरण या अतिरिक्त सूचना के संभावित स्रोत के रूप में उल्लेखित संस्था या वेबसाइट का अर्थ यह नहीं है कि लेखक या प्रकाशक सूचना, संस्था या वेबसाइट का समर्थन या अनुशंसा करते हैं। साथ ही पाठकों को यह अवश्य ज्ञात रहे कि पुस्तक में उद्धरित इंटरनेट वेबसाइट्स, पुस्तक को लिखने और पढ़ने के समयांतराल में बदली अथवा लुप्त की जा सकती हैं।
इस पुस्तक में दर्शाए गए सभी मार्का, प्रतीक या अन्य कोई चिह्न; जैसे कि विबग्योर, यूएसपी, अमान्डा, गोल्डन बेल्स, फायरवॉल मीडिया, मरक्यूरी, ट्रिनिटी और लक्ष्मी सभी व्यापारिक चिह्न हैं और लक्ष्मी पब्लिकेशंज तथा इसके सहायक अथवा संबद्ध संस्थाओं की अपनी या अनुज्ञप्त बौद्धिक संपत्ति हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस पुस्तक में वर्णित सभी नाम और चिह्न उनके निजी मालिकों के व्यापारिक नाम, मार्का या सेवा-चिह्न हैं।

भारत में प्रकाशित, द्वारा–

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

113, गोल्डन हाउस, दरियागंज,
नई दिल्ली–110002, इंडिया
फोन : 91-11-4353 2500, 4353 2501
फैक्स : 91-11-2325 2572, 4353 2528
www.laxmipublications.com info@laxmipublications.com

शाखाएँ

कोचीन	0484-237 70 04,	405 13 03
कोलकाता	033-22 27 43 84	
गुवाहाटी	0361-254 36 69,	251 38 81
चेन्नई	044-24 34 47 26,	24 35 95 07
जालंधर	0181-222 12 72	
बेंगलुरु	080-26 75 69 30	
मुंबई	022-24 91 54 15,	24 92 78 69
राँची	0651-220 44 64	
लखनऊ	0522-220 99 16	
हैदराबाद	040-27 55 53 83,	27 55 53 93

C—
मुद्रक :

प्रस्तावना

साक्षी हिंदी पाठमाला की शृंखला का निर्माण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एनसीईआरटी, सीबीएसई तथा राज्यों के बोर्डों द्वारा निर्धारित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन **सीसीई** *(Continuous and Comprehensive Evaluation)* पद्धति के अनुसार किया गया है।

बच्चों में देखकर सीखने की प्रवृत्ति जन्म से ही होती है। किसी भी वस्तु को देखकर उसके बारे में जानने की इच्छा उनके मन में स्वतः ही उठ जाती है। बच्चों की इसी प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर उनसे जुड़े खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार, रुचि आदि पर **साक्षी** हिंदी पाठमाला के पाठ तैयार किए गए हैं। रोचक पाठ बच्चों की जिज्ञासा एवं भाषा में रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस पाठमाला को तैयार करते समय भाषा की सभी योग्यताओं– सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सोचना, समझना, समझकर करना आदि को सिखाने का प्रयास किया गया है।

यह पुस्तक शृंखला अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। पाठ के अंत में शब्दार्थ, मौखिक व लिखित प्रश्न, पाठ से संबंधित काल्पनिक प्रश्न, भाषा ज्ञान संबंधी प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs), गतिविधियाँ तथा परियोजना निर्माण कार्य सम्मिलित किए गए हैं।

साक्षी हिंदी पाठमाला में साहित्य की सभी विधाओं– कविता, कहानी, चित्रकथा, लोककथा, डायरी लेखन, संस्मरण, जीवनी, लेख, निबंध, एकांकी, यात्रा-वृत्तांत आदि का समावेश है। हिंदी निदेशालय भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के पारंपरिक व मानक दोनों रूपों से बच्चों को अवगत कराया गया है। इस पुस्तक शृंखला का उद्देश्य बच्चों की सृजनशीलता, मौलिकता, कल्पनाशीलता, जिज्ञासा एवं चारित्रिक विकास पर बल देना है। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक को और अधिक रोचक, स्तरीय एवं प्रामाणिक बनाने हेतु विद्वानों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

–लेखिकाएँ

विषय-सूची

1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) 1
2. साहासी बालिका (सत्यकथा) 6
3. काठ की तलवार (कहानी) 12
4. सिंदबाद की यात्रा (यात्रा-वृत्तांत) 19
   - क्या आप जानते हैं? 25
5. छोटी-सी हमारी नदी (कविता) 27
6. सुनीता विलियम्स (जीवनी) 32
7. पिता का पत्र (पत्र) 37
8. एकाग्रता (पौराणिक चित्रकथा) 43
   - क्या आप जानते हैं? 45
9. अँधेर नगरी (एकांकी) 47
10. ओणम (निबंध) 55
11. दोहे (दोहे) 62
12. हमारा भारत (लेख) 67
13. बचपन के दिन (संस्मरण) 74
   - क्या आप जानते हैं? 80
14. छातों की हड़ताल (लोककथा) 82
15. पानी (लेख) 89
16. कदंब का पेड़ (कविता) 96
17. विकास की डायरी (डायरी-लेखन) 101
18. ईदगाह (कहानी) 108
19. बलिदान (ऐतिहासिक कथा) 116
   - क्या आप जानते हैं? 124
20. हिंदी हमारी ज्ञान (कविता) 126
   - प्रश्न-पत्र 1 127
   - प्रश्न-पत्र 2 130

पाठ संबंधी गतिविधियाँ

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर देना, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, पर्यायवाची, विलोम, शब्द-युग्म एवं विशेषण।	प्रतिबंधों के प्रति विचार व्यक्त करना, पक्षियों के चित्रों का कोलॉज तैयार करना एवं नैतिक व काल्पनिक प्रश्न।	स्वतंत्रता का महत्व समझाना।
2. साहसी बालिका (सत्यकथा)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण व मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, घटनाक्रमानुसार व्यवस्थित करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही-गलत, वाक्य शुद्ध करना, विलोम शब्द एवं प्रत्यय।	सच्ची घटना का वर्णन करना, बहादुर बच्चों के बारे में जानकारी एकत्र करना तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	विपरीत परिस्थितियों में धैर्य खोए बिना सही कदम उठाना सिखाना, साहसिकता से परिचित करवाना।
3. काठ की तलवार (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, किसने, किससे कहा, वाक्य पूरे करना, मुहावरे, अनेकार्थी शब्द, क्रियाविशेषण एवं विशेष्य-विशेषण।	चित्र वर्णन, बीरबल व तेनालीराम से जुड़ी कहानियाँ पढ़ना व सुनना तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	बिना किसी भय के सत्यता से अपनी बात कहना सिखाना, बौद्धिक-क्षमता का विकास करना।
4. सिंदबाद की यात्रा (यात्रा-वृत्तांत)	यात्रा-वृत्तांत को रोचक ढंग से पढ़ना, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, अनेकार्थी शब्द, मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाना, विशेषण एवं शब्द-युग्म।	संवाद लेखन, यात्रा-वृत्तांत लिखना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्न।	हिम्मत एवं साहस से परिचय करवाना।
● क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
5. छोटी-सी हमारी नदी (कविता)	कविता का प्रभावशाली से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, पंक्तियाँ पूरी करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, वचन बदलना, शब्द-युग्म एवं पर्यायवाची।	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीयों के बारे में कुछ वाक्य लिखना, अनुच्छेद लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	जीवन में नदियों का महत्त्व बताना एवं परोपकार का महत्त्व सिखाना।
6. सुनीता विलियम्स (जीवनी)	जीवनी को प्रभावशाली ढंग से पढ़ना, शुद्ध उच्चारण एवं, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, मिलान करना उद्देश्य एवं विधेय छाँटना, संज्ञा एवं सर्वनाम, विलोम।	चित्र लेखन, कोलॉज बनाना तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	कर्म के प्रति समर्पण की भावना जागृत करना। सफल व्यक्तियों के जीवन से प्रेरणा लेना सीखना।
7. पिता का पत्र (पत्र)	पत्र का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही-गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, विलोम, उपसर्ग-प्रत्यय एवं सरल वाक्य।	पत्र लेखन, जीवन वृत्त तैयार करना, पुराने पत्रों का संग्रह करना तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सद्भाव जागृत करना एवं देशभक्ति की भावना का विकास करना।
8. एकाग्रता (चित्रकथा)	चित्रकथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन।	---		एकाग्रता से कार्य करने की सीख देना।
● क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
9. अँधेर नगरी (एकांकी)	एकांकी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, क्रम में लगाना, शुद्ध-अशुद्ध, विराम चिह्न एवं प्रश्नवाचक वाक्य बनाना।	घटना वर्णन तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न, मुद्रा ज्ञान।	गुरु का महत्त्व समझाना। बड़ों की आज्ञा मानने की सीख देना।

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
10. ओणम (निबंध)	निबंध का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही-गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, भाववाचक संज्ञा से विशेषण, विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना एवं अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।	चित्र देखकर अनुच्छेद लिखना, विभिन्न त्योहारों के बारे में जानकारी एकत्र करना तथा काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	जीवन में त्योहारों का महत्त्व समझाना।
11. दोहे (दोहे)	दोहों का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, दोहे लिखना, समानार्थक शब्द, विलोम शब्द, मानक रूप एवं निरर्थक शब्दों, का वाक्य प्रयोग।	चित्र देखकर दोहा लिखना, कक्षा में दोहा वाचन करना।	दोहों में छिपे जीवन मूल्यों से परिचित करवाना।
12. हमारा भारत (लेख)	लेख का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, वाक्य पूरे करना, मिलान करना, प्रत्यय सर्वनाम, विस्मयादि बोधक शब्द एवं विशेष्य-विशेषण।	भारत के प्रमुख चिह्न, निबंध लेखन, विकास संबंधी आँकड़ों को एकत्र करना, भूतकाल की जानकारी प्राप्त करना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	देश की विविध विशेषतओं से बच्चों को परिचित करवाना, तथा देशभक्ति की भावना जगाना।
13. बचपन के दिन (संस्मरण)	संस्मरण का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, मिलान करना, वाक्य पूरे करना, समुच्चयबोधक, पर्यायवाची एवं बहुविकल्पीय प्रश्न।	गाँव पर प्रोजेक्ट बनाना तथा चित्र को देखकर अनुच्छेद लिखना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	ग्रामीण जीवन से परिचित करवाना।
● क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
14. छात्रों की हड़ताल (लोककथा)	लोककथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, खाली स्थान, सही-गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रश्न बनाना, विशेषण एवं वाक्य पूरे करना।	ऋतुओं की जानकारी एकत्र करना तथा चित्र देखकर कविता एवं अनुच्छेद लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न।	जीवन में लापरवाही से बचना, एवं दूसरों की गलतियों से सीख लेना सिखाना।
15. पानी (लेख)	लेख का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही-गलत, काल, कारक एवं संज्ञा।	पोस्टर आदि तैयार करना, लेख, अनुच्छेद लेखन, नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्न।	पानी का महत्त्व समझाना, प्राकृतिक आपदाओं के कारण बताना व उनसे बचने के उपाय सिखाना।
16. कदंब का पेड़ (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से पाठन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, पंक्तियों को पूरा करना, लय-ताल, समानार्थक शब्द एवं अनुस्वार-अनुनासिक।	कृष्ण-लीला का वर्णन, चित्र बनाना तथा नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्न।	मातृत्व के भाव को समझाना।
17. विकास की डायरी (डायरी लेखन)	डायरी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, मिलान करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, मुहावरे, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द एवं उपसर्ग।	अनुच्छेद लेखन, डायरी लेखन, आविष्कार एवं आविष्कारकों की जानकारी एकत्र करना तथा नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्न।	आविष्कारकों के प्रति श्रद्धा का भाव जगाना।
18. ईदगाह (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही-गलत, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, मुहावरे एवं भाववाचक संज्ञा।	निबंध, चित्र-सज्जा तथा नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्न।	दूसरों के प्रति संवेदनशीलता, त्याग एवं समर्पण की भावना जगाना।
19. बलिदान (ऐतिहासिक कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही-गलत, मिलान करना, शुद्ध-अशुद्ध, अकर्मक-सकर्मक क्रिया एवं बेमेल शब्द।	चित्र देखकर वाक्य रचना करना, नाट्य मंचन करना तथा नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्न।	देशभक्ति की भावना जागृत करना।
● क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
20. हिंदी हमारी शान (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन।			हिंदी का महत्त्व समझाना और पढ़ने के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के लिए हिंदी पाठ्यक्रम–

पाँचवीं कक्षा के अंत तक विद्यार्थी परिचित शब्द और उनके योग से बनने वाले वाक्य आसानी से पढ़ सकेंगे और पढ़ने की कुशलताओं पर अधिकार प्राप्त कर सकेंगे। इन कक्षाओं में पिछली योग्यताओं का विकास करते हुए मातृभाषा की नई योग्यताओं का विकास करना है।

विश्व के सभी देशों की मातृभाषा के पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार तैयार किए जाते हैं कि विद्यार्थी अपने स्तर की कहानियाँ पढ़कर उनका आनंद ले सकें। वे प्रकृति के सौंदर्य, देश–प्रेम आदि की सरल और सहज कविताएँ पढ़कर अपने शब्दों में उनकी सराहना कर सकें। अपने स्तर के विषयों पर अनुच्छेद या छोटा–सा निबंध लिख सकें। विद्यार्थियों के भावी जीवन में भाषा से संबंधित जो भी आवश्यकताएँ होंगी उनकी तैयारी पाँचवीं कक्षा तक पूरी हो जानी चाहिए। पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, उसका विस्तार पाँचवीं कक्षा में अपेक्षित होगा।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षाओं में मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य–

- दूसरों के विचारों को सुनकर समझने की योग्यता का विकास करना।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- शिष्टाचार, धैर्य और ध्यानपूर्वक सुनने की योग्यता का विकास करना।
- अपने विचारों को लिखकर अभिव्यक्त करने की योग्यता का विकास करना।
- व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने में समर्थ बनाना।
- अध्ययन की कुशलताओं का विकास करना।
- सौंदर्यानुभूति एवं सृजनशीलता का विकास करना।
- भाषा के सौंदर्य की सराहना करने की योग्यता का विकास करना।
- चिंतन की योग्यता का विकास करना।
- लेखन संबंधी योग्यताओं का विकास करना।
- भाषा के प्रमुख तत्वों से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को भाषायी क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सर्वधर्म समभाव का विकास करना। सभी धर्मों के प्रति आदर और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का विकास करना।
- अपने क्षेत्र विशेष तथा देश के प्रति प्रेम और गौरव की भावना का विकास करना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों से मातृभाषा संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

सुनने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की ध्वनियों को सुनकर विभेदीकरण करना; जैसे– श– ष, स, ब–भ, क्ष–छ, च्छ, ड–द, र–ढ़, द्य–ध्य आदि।
- सुनने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।
- सुनी हुई बात के संबंध में प्रश्न करना।
- वार्तालाप, संवाद और विचार–विमर्श को सुनकर समझना।
- कहानियाँ, कविताएँ, पहेलियाँ, नाटक, चित्र वर्णन, संक्षिप्त भाषण, विवरण आदि को सुनकर समझना और उनका आनंद लेना।
- वक्ता के मनोभावों–हर्ष, क्रोध, आश्चर्य, घृणा, झिड़की, करुणा, व्यंग्य आदि को समझना।
- विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र कर उसे याद रखना।

बोलने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की सभी ध्वनियों (स्वर, व्यंजन, मात्रा सहित व्यंजन, संयुक्ताक्षर, संयुक्त व्यंजन तथा परिचित एवं अपरिचित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करने में समर्थ होना।
- भाषा–संबंधी सभी सामूहिक क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कविता का उचित हाव–भाव से पाठन करना।
- कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन करना।
- अपनी बात आत्मविश्वास के साथ कहना।
- व्याकरण–सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- अपने विचारों को स्वतंत्र व क्रमबद्ध रूप से व्यक्त करना।
- वार्तालाप, नाटक, लघु भाषण आदि में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कहानियाँ सुनाने, पहेलियाँ बूझने, अंत्याक्षरी, लघु भाषण आदि का अभ्यस्त होना।
- बोलने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।

पढ़ने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करना।
- गद्य और पद्य का उचित आरोह–अवरोह के साथ धारा प्रवाह में पढ़ना।

- शब्दों और मुहावरों का अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करना।
- पठित वस्तु के महत्त्वपूर्ण तथ्य, मुख्य विचार और केंद्रीय भाव को पहचानना।
- बाल-साहित्य आदि की उपलब्ध सामग्री को पढ़ना।
- पत्र, चार्ट, पोस्टर आदि की लिखित सामग्री को सहजता से पढ़ना।
- मौन पाठन द्वारा पाठ्यवस्तु का अर्थग्रहण करने की योग्यता प्राप्त करना।

लिखने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों व वाक्यों को शुद्ध रूप से लिखना। लिखते हुए व्याकरण-सम्मत शुद्ध एवं प्रांजल भाषा का प्रयोग करना।
- लेखन संबंधी नियमों एवं कुशलताओं का ज्ञान होना।
- पूर्ण-विराम, अर्द्ध-विराम, प्रश्नवाचक एवं विस्मय बोधक चिह्नों का सही प्रयोग करना।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों को लिखने में समर्थ होना।
- अपने विचारों को लिखकर प्रकट करने में समर्थ होना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख और श्रुतलेख लिखना।
- चित्र वर्णन, यात्रा वर्णन, संवाद लेखन तथा सरल विषयों पर अनुच्छेद एवं निबंध लिखना।

चिंतन संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- अपने स्तर के अनुरूप किसी बात को सुनकर या पढ़कर समझना, उस विषय पर प्रश्न करना तथा किए गए प्रश्नों के निःसंकोच उत्तर देना।
- सुनी हुई या पढ़ी हुई बातों में उचित-अनुचित का भेद करना।
- दो वस्तुओं या स्थानों की तुलना में समर्थ होना।
- पठित वस्तु के शीर्षक के आधार पर विषय-वस्तु को समझना, केंद्रीय भाव तथा सारांश बताना।
- यथार्थ और कल्पना में अंतर कर पाना।
- वर्णित घटना या दृश्यावलोकन के बारे में प्रतिक्रिया करना।
- मूर्त विषयों के बारे में अनुभूति और भाव व्यक्त करने के लिए सही शब्द चुनना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के लिए शैक्षिक क्रियाकलाप–

- विभिन्न विषयों पर आधारित– क्यों, कैसे, क्या वाले प्रश्नों को पूछना तथा उसमें कक्षा के सभी विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करना।
- हिंदी वर्णमाला की सूक्ष्म अंतर वाली ध्वनियों में विभेदीकरण तथा शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण देना।
- सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से कविता, कहानी, घटना आदि को सुनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- वाद-विवाद तथा लघु भाषणों द्वारा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करना।
- विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने तथा उनका संचालन करने संबंधी कार्य करवाना।
- परिचित एवं अपरिचित विषयों पर संवादों का आयोजन करवाना।
- अधूरी कहानी को पूरा करवाना तथा अनुमान के आधार पर घटना या कहानी का वर्णन करवाना।
- पाठ्यपुस्तक तथा अतिरिक्त सामग्री को पढ़ते समय उच्चारण, विराम चिह्न, उचित स्थान पर बलाघात आदि पर ध्यान देते हुए पढ़वाना। उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ने पर बल देना।
- मौन वाचन करवाना, चित्र, चार्ट, मानचित्र, विज्ञापन, पत्र एवं सूचना पट से संबंधित लिखित सामग्री पर अनेक प्रश्न पूछना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख एवं श्रुतलेख करवाना।
- विभिन्न विषयों पर चित्र, मॉडल, चार्ट आदि तैयार करवाना तथा उनका विवरण लिखवाना।
- सरल विषयों पर अनुच्छेद या निबंध लिखवाना।
- चित्र को देखकर वाक्य, कहानी, कविता, अनुच्छेद आदि लिखवाना।

पाठ्य-सामग्री एवं विषय-वस्तु–

कक्षा 3, 4 और 5 के लिए पाठ्यपुस्तक अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। इन पुस्तकों के क्रमशः 112, 140 और 140 पृष्ठ तैयार किए गए हैं। पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु उद्देश्यों, योग्यताओं और शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित है। बच्चों के परिवेश से संबंधित तथा भाषायी कुशलताओं और योग्यताओं को ध्यान में रखकर विषय सामग्री तैयार की गई है। निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया गया है–

दर्शनीय स्थल, यात्रा वर्णन, खोज, महापुरुषों की जीवनियाँ, पत्र, डायरी, कविताएँ, एकांकी, निबंध, लेख, त्योहार, पर्यावरण, सर्वधर्म समभाव, नैतिक मूल्यपरक पाठ आदि।

1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

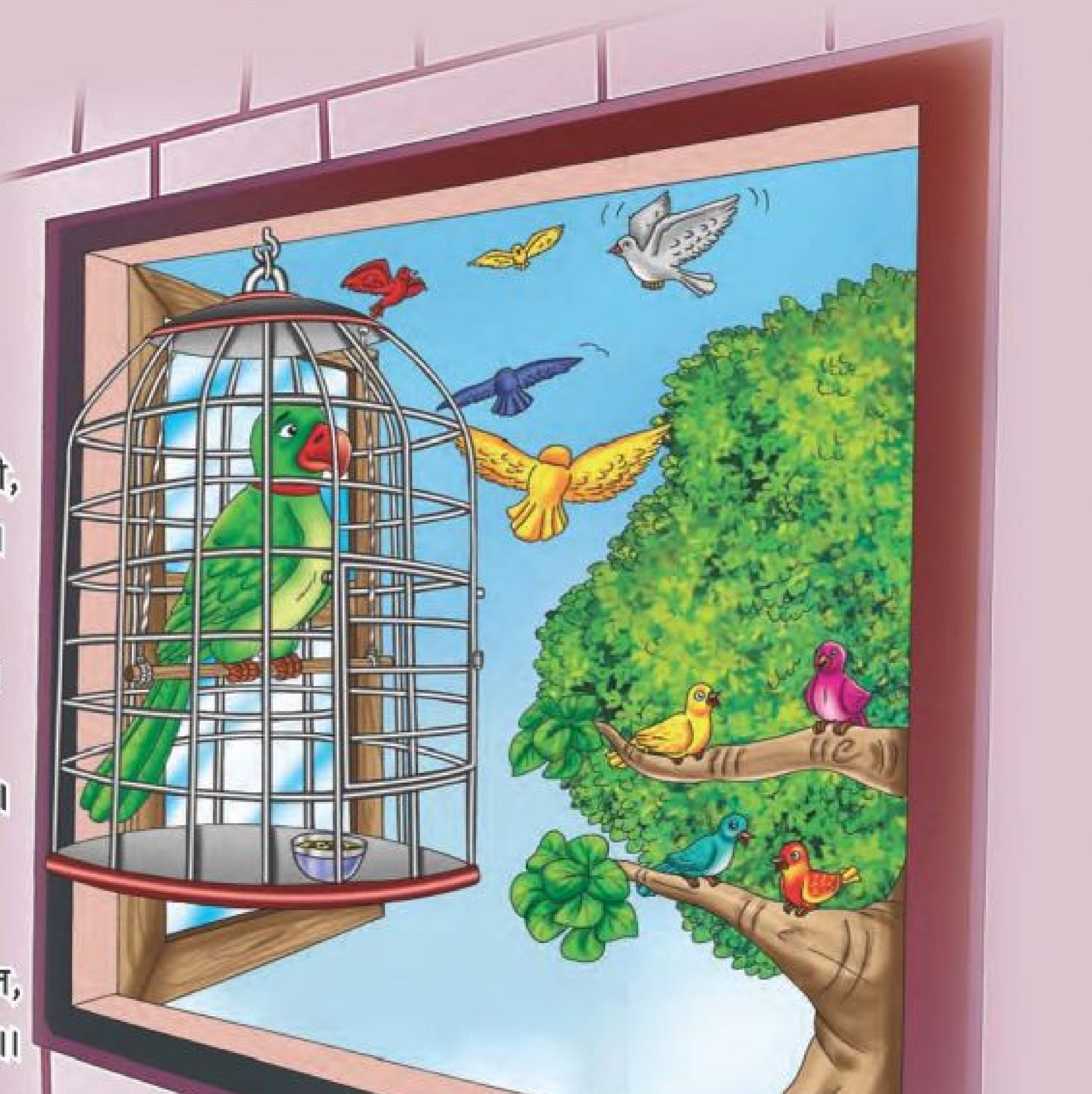

हम पंछी उन्मुक्त गगन के,
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे।
कनक-तीलियों से टकराकर,
पुलकित पंख टूट जाएँगे।।

हम बहता जल पीने वाले,
मर जाएँगे भूखे-प्यासे।
कहीं भली है कटुक निबौरी,
कनक-कटोरी की मैदा से।।

स्वर्ण-श्रृंखला के बंधन में,
अपनी गति, उड़ान सब भूले।
बस सपनों में देख रहे हैं,
तरु की फुनगी, पर के झूले।।

ऐसे थे अरमान कि उड़ते,
नीलगगन की सीमा पाने।
लाल किरण-सी चोंच खोल,
चुगते तारक-अनार के दाने।।

होती सीमाहीन क्षितिज से,
इन पंखों की होड़ा-होड़ी।
या तो क्षितिज मिलन बन जाता,
या तनती साँसों की डोरी।।

शिक्षण संकेत

- स्वतंत्रता का अपना अलग ही महत्त्व होता है। बच्चों को विभिन्न उदाहरण देकर स्वतंत्रता का महत्त्व बताएँ।
- पशु-पक्षियों को कभी भी पिंजरे में कैद करके नहीं रखना चाहिए, यह समझाते हुए कविता का वाचन करवाएँ।

नीड़ न दो, चाहे टहनी का,
आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो।
लेकिन पंख दिए हैं तो,
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।।

शिवमंगल सिंह 'सुमन'

शब्दार्थ

पंछी	–	पक्षी	उन्मुक्त	–	स्वच्छंद, आज़ाद
गगन	–	आकाश	शृंखला	–	कड़ी, जंजीर
तरु	–	पेड़	अरमान	–	इच्छा, चाह
क्षितिज	–	दिगंत (जहाँ धरती और आकाश मिले हुए दिखाई देते हैं।)			
नीड़	–	घोंसला	आश्रय	–	सहारा
विघ्न	–	रुकावट			
इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–			पिंजरबद्ध	–	पिंजरबद्ध

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

   उन्मुक्त पुलकित निबौरी फुनगी आश्रय

2. **सोचकर बताइए–**

   (क) क्या पक्षी पिंजरे में रहकर उड़ना भूल सकते हैं?

   (ख) मनुष्य पक्षियों की उड़ान में कैसे विघ्न डालते हैं?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (क) पक्षी पिंजरे में क्यों नहीं रहना चाहते हैं?

   ....

   ....

(ख) पक्षियों को सोने की कटोरी में रखी मैदा के स्थान पर कड़वी निबौरी क्यों अच्छी लगती है?

....

....

(ग) पक्षियों के क्या-क्या अरमान होते हैं?

....

(घ) 'या तो क्षितिज मिलन बन जाता, या तनती साँसों की डोरी', से कवि का क्या अभिप्राय है?

....

....

(ङ) पक्षी मनुष्यों से क्या अपेक्षा रखते हैं?

....

....

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए-

(क) हम बहता जल पीने वाले,

....

कहीं भली है कटुक निबौरी,

....

(ख) स्वर्ण-शृंखला के बंधन में,

....

बस सपनों में देख रहे हैं,

....

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) पक्षियों को कैसा जल पीना अच्छा लगता है?

(*i*) ठंडा ☐ (*ii*) गरम ☐ (*iii*) बहता ☐

(ख) पिंजरे में बंद पक्षी कैसे सपने देखते हैं?

(*i*) पेड़ों की टहनियों पर झूलने के ☐

(*ii*) सोने की कटोरी में जल पीने के ☐

(*iii*) विभिन्न प्रकार के पकवान खाने के ☐

(ग) पक्षी किसमें विघ्न नहीं डलवाना चाहते?

(*i*) उड़ान में ☐ (*ii*) नींद में ☐ (*iii*) पिंजरे में ☐

(घ) क्षितिज का पर्यायवाची शब्द क्या है?

(*i*) पृथ्वी ☐ (*ii*) गगन ☐ (*iii*) दिगंत ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

पंछी – .... जल – ....

गगन – .... कनक – ....

तरु – .... टहनी – ....

2. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

मरना – .... मिलना – .... अपना – ....

उन्मुक्त – .... ज़मीन – .... कड़वा – ....

3. नीचे दिए उदाहरण को देखकर शब्द-युग्म हेतु शब्द लिखिए–

जैसे–आगे-पीछे

छिन्न – .... ऊपर – ....

भूखे – .... होड़ा – ....

4. कविता में आए विशेषण शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए–

....

....

कविता से आगे

- सोचिए, यदि पक्षियों को पढ़ने के लिए विद्यालय जाना पड़ता तो उनकी दिनचर्या कैसी होती?
- यदि आपको किसी कमरे में बंद कर दिया जाए और समय-समय पर खाने-पीने को दे दिया जाए तो आपको कैसा लगेगा?

नन्हे हाथों से

- कभी-कभी आपको अध्यापक/अध्यापिकाओं या माता-पिता की रोक-टोक बुरी लगती होगी, उस समय आपके मन में क्या विचार आते हैं? उन्हें कुछ शब्दों में लिखिए–

कुछ करने को

- पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए तथा विभिन्न पक्षियों के चित्र एकत्रित करके कोलॉज तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- यदि आपके सामने कोई छोटा बच्चा किसी जानवर को पत्थर मार रहा हो तो–
  (क) उसे ऐसा करने से रोकेंगे। ☐
  (ख) देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐
  (ग) आप भी उसका साथ देंगे। ☐

- यदि आपके सामने कोई पक्षी किसी तार आदि में फँस जाए तो–
  (क) उसे दूर से ही देखते रहेंगे। ☐
  (ख) उसकी ओर ध्यान ही नहीं देंगे। ☐
  (ग) उसे छुड़ाने की यथासंभव कोशिश करेंगे। ☐

2 साहसी बालिका

मणिपुर की राजधानी इंफाल में रहने वाली बेबीरोज को बहादुरी की कहानियाँ पढ़ने का बहुत शौक था। वह अक्सर बहादुरी के कार्य करके सबको चकित कर देती थी। हिम्मत, साहस और बहादुरी तो उसकी नस-नस में भरी थी। एक बार सड़क पर साइकिल चलाते समय उसकी टक्कर जीप से हो गई। टक्कर काफ़ी जबरदस्त थी। बेबीरोज के बाएँ पैर की हड्डी टूट गई। उसका इलाज करते समय नर्सें व डॉक्टर भी उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। असहनीय पीड़ा के बावजूद भी बेबीरोज के मुख पर कभी उदासी नहीं छाई। वह हमेशा प्रसन्न रहती थी और अस्पताल में अपने आस-पास के मरीजों को भी खुश रखती थी।

अस्पताल से छुट्टी मिली और वह घर आ गई। पैर में प्लास्टर लगा होने के कारण कई दिनों तक वह विद्यालय नहीं जा सकी। घर में रहकर ही वह अपनी पढ़ाई करती रही। एक दिन सुबह माँ ने उसे नाश्ता दिया और "मैं अभी आती हूँ" कहकर पड़ोस में चली गई। उस समय घर में बेबीरोज के अतिरिक्त और कोई नहीं था। सब अपने-अपने काम से बाहर चले गए थे। बेबीरोज आराम से बैठकर नाश्ता करने लगी।

तभी पड़ोस में रहने वाला उसका ढाई साल का चचेरा भाई वहाँ आ गया। वह खेलते-खेलते रसोईघर में चला गया। वहाँ माँ ने पानी को गरम करने के लिए बालटी में बिजली की रॉड लगा रखी थी। बेबीरोज इस बात से अनभिज्ञ थी। बालटी में पानी देख, वह उसमें हाथ मारकर खेलने लगा। कुछ ही क्षणों में बिजली ने बेबीरोज के चचेरे भाई को अपनी चपेट में ले लिया। करंट लगने पर वह चिल्लाने लगा। उसकी चीख सुनकर बेबीरोज हड़बड़ाहट में उठ खड़ी हुई। पैर में प्लास्टर लगा होने के कारण वह सँभल नहीं पाई और

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि यह घटना 27 जून, 2006 की है जब 14 वर्षीय बेबीरोज ने अपने ढाई साल के चचेरे भाई की जान बचाई थी।
- बच्चों को समझाएँ कि बहादुरी किसी सामर्थ्य की मोहताज़ नहीं होती। यह वह भाव है जो बहादुर मनुष्य के हृदय में कूट-कूटकर भरा होता है।
- बच्चों में साहस, परोपकार, वीरता आदि भावनाओं को जागृत करें।

धड़ाम से ज़मीन पर गिर गई। वह तुरंत फुर्ती से उठी और पैर को घसीटती हुई रसोईघर में पहुँची। चचेरे भाई को देखते ही वह सन्न रह गई। उसका भाई बिजली का करंट लगने से तड़प रहा था। बेबीरोज ने बिना क्षण गँवाए बिजली के बटन की ओर हाथ बढ़ा दिया। उसने फुर्ती से 'बटन' तो 'बंद' कर दिया परंतु एक बार फिर वह ज़मीन पर गिर पड़ी।

वह किसी प्रकार उठी और अपने चचेरे भाई को गोद में उठा लिया, फिर अपने प्लास्टर वाले पैर को घसीटती हुई बाहर आ गई। दर्द के मारे उसका पैर ज़मीन पर नहीं टिक पा रहा था। परंतु उस समय उसे अपने दर्द की चिंता नहीं थी। उसका चचेरा भाई जो बेहोश हो चुका था, उसे गोद में उठाए वह सहायता के लिए चिल्लाने लगी।

उसकी आवाज़ सुनकर आस-पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। शोर सुनकर माँ और चाची भी आ गईं। बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया। कुछ ही घंटों में बच्चे को होश आ गया। डॉक्टर ने बताया कि यदि बच्चे को समय पर नहीं लाया जाता तो उसकी जान बचना असंभव था। यह सुनकर माँ ने अनहोनी को रोकने के लिए बेटी को गले लगा लिया। फिर सभी खुशी-खुशी घर आ गए। बेबीरोज की बहादुरी के लिए सबने उसे शाबाशी दी।

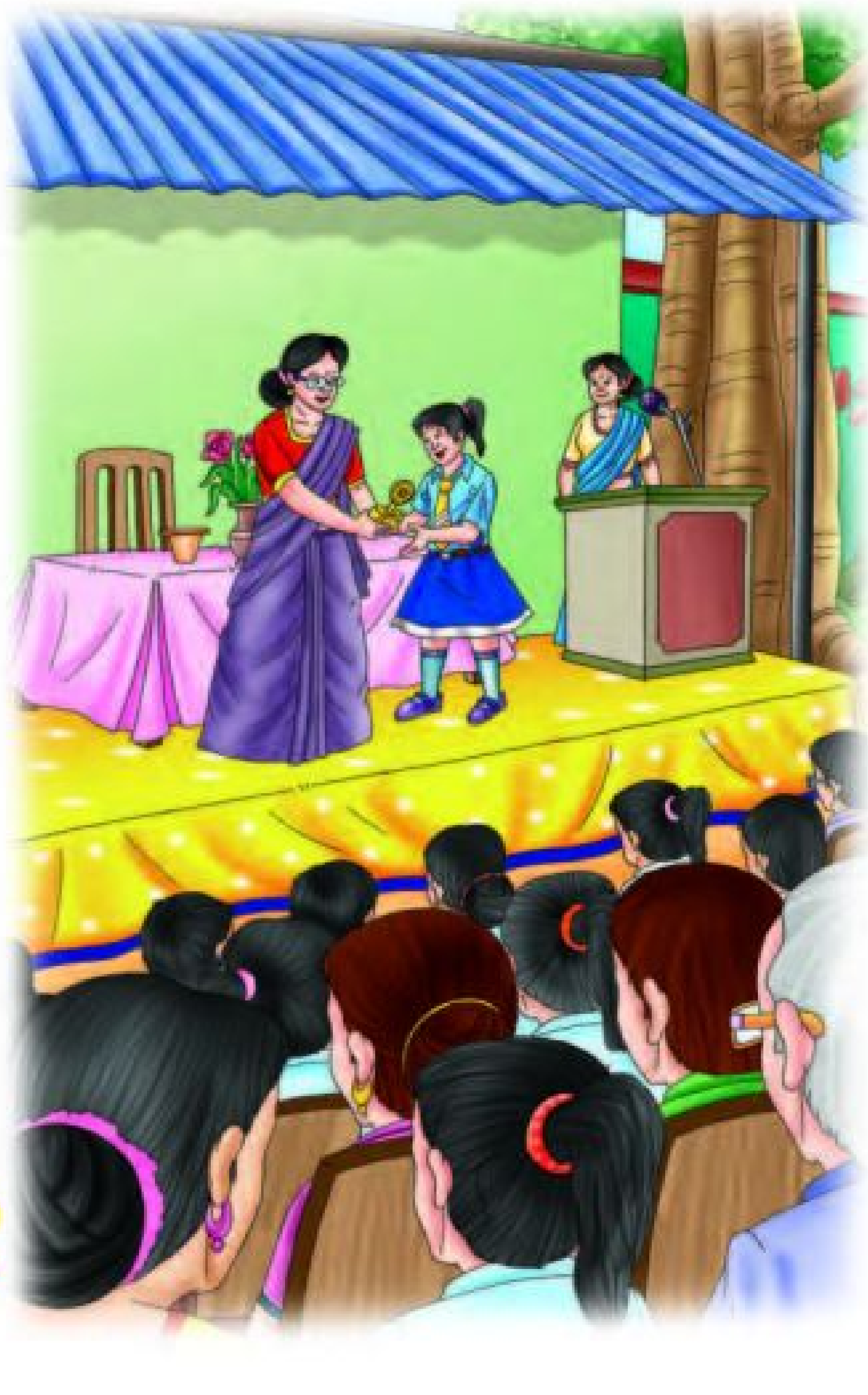

कुछ दिनों बाद जब वह विद्यालय गई तो वहाँ भी उसके सम्मान के लिए प्रार्थना सभा में तालियाँ बजाई गईं। प्रधानाचार्या द्वारा उसे 'साहसी बालिका' का इनाम दिया गया। उन्होंने बेबीरोज के इस साहसी कार्य को लिखकर सरकार के पास भेजा। 26 जनवरी, 2007 को बहादुर बच्चों में बेबीरोज को भी सम्मिलित किया गया। हाथी की सवारी करने वाले बहादुर बच्चों में बैठी बेबीरोज मुसकरा रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह के हाथों उसे वीरता पुरस्कार दिया गया। उसके माता-पिता अपनी बहादुर बच्ची को देखकर गर्व से फूले नहीं समा रहे थे। वहीं भीड़ में बैठे उसके चाचा-चाची सजल नेत्रों से उसे ढेरों आशीष दे रहे थे तो उसका अबोध चचेरा भाई ताली बजाकर अपनी खुशी प्रकट कर रहा था।

शब्दार्थ

शौक	–	चाव	चकित	–	हैरान
ज़बरदस्त	–	ज़ोरदार	असहनीय	–	जो सहन न किया जा सके।
अनभिज्ञ	–	अनजान	सजल नेत्रों से	–	अश्रुपूर्ण आँखों से
आशीष	–	आशीर्वाद	अबोध	–	नासमझ

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

दवारा	–	द्वारा	हड्डी	–	हड्डी
छुट्टी	–	छुट्टी	इकट्ठा	–	इकट्ठा

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

इंफाल बेबीरोज प्लास्टर फुर्ती बटन

2. **सोचकर बताइए–**

(क) डॉक्टर व नर्सें बेबीरोज से क्यों प्रभावित हुए?

(ख) बेबीरोज घर में अकेली क्यों थी?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) बेबीरोज के पैर पर प्लास्टर क्यों चढ़ा हुआ था?

....

....

(ख) बेबीरोज का चचेरा भाई क्यों चिल्ला रहा था?

(ग) चचेरे भाई के चिल्लाने की आवाज़ सुनकर बेबीरोज ने क्या किया?

(घ) बेबीरोज को पुरस्कार किसने और क्यों दिया?

2. पाठ के अनुसार घटनाक्रम में लगाइए–

- [ ] बहादुर बच्चों में बेबीरोज को भी सम्मिलित किया गया।
- [ ] कुछ ही घंटों में बच्चे को होश आ गया।
- [ ] साइकिल चलाते समय उसकी टक्कर जीप से हो गई।
- [ ] उसका चचेरा भाई बिजली का करंट लगने से तड़प रहा था।
- [ ] वह खेलते-खेलते रसोई में चला गया।
- [ ] अपने पैर को घसीटती हुई वह बाहर आ गई।

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) बेबीरोज के कौन-से पैर पर प्लास्टर चढ़ा हुआ था।

(*i*) दाएँ ☐ (*ii*) बाएँ ☐ (*iii*) दोनों में ☐

(ख) बेबीरोज की माँ कहाँ चली गई थी?

(*i*) बाज़ार में ☐ (*ii*) शादी में ☐ (*iii*) पड़ोस में ☐

(ग) बेबीरोज का चचेरा भाई बेहोश क्यों हो गया था?

(*i*) करंट लगने से ☐ (*ii*) साँप के काटने से ☐

(*iii*) गिरने से ☐

(घ) बेबीरोज को किसलिए सम्मानित किया गया?

(*i*) सत्यवादिता के लिए ☐ (*ii*) शिक्षा के लिए ☐

(*iii*) बहादुरी के लिए ☐

4. **वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–**

(क) साइकिल चलाते समय बेबीरोज की टक्कर कार से हो गई थी। ☐

(ख) बेबीरोज का चचेरा भाई छत से गिरकर बेहोश हो गया था। ☐

(ग) बेबीरोज अपने चचेरे भाई को उठाकर अस्पताल ले गई। ☐

(घ) बेबीरोज को 'साहसी बालिका' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ☐

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–**

> संज्ञा के अनुसार ही क्रिया के लिंग का निर्धारण होता है।

जैसे– बेबीरोज के बाएँ पैर की हड्डी टूट गया था।
बेबीरोज के बाँए पैर की हड्डी टूट गई थी।

(क) बेबीरोज के मुख पर कभी उदासी नहीं छाया।

....

(ख) उसका चचेरा भाई करंट लगने से तड़प रही थी।

....

(ग) बेबीरोज को उसकी बहादुरी के लिए सम्मानित की गई।

....

2. **वर्ग पहेली से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए–**

	अ	उ	ठ	ना
अ	प्र	भा	वि	त
प	स		सु	प
मा	न्न	बं	स्ती	रा
न		द		या

प्रसन्न .... फुर्ती ....

सम्मान .... अपना ....

खुला .... गिरना ....

प्रभावित ....

> जो वाक्यांश शब्द के अंत में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें **प्रत्यय** कहते हैं; जैसे– अर्थ (धन) + इक = आर्थिक (धन से जुड़ा)

3. **नीचे दिए गए प्रत्ययों से बने कुछ और शब्द लिखिए–**

वर्ष + इक = वार्षिक	वर्ष + ईय = वर्षीय	सम्मान + इत = सम्मानित
....	....	....
....	....	....

सत्यकथा से आगे

- यदि आप बेबीरोज के स्थान पर होते तो क्या करते?
- यदि बेबीरोज बिजली का बटन बंद नहीं कर पाती तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- बहादुरी की किसी सच्ची घटना को अपने शब्दों में लिखिए–

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- गणतंत्र दिवस पर बहादुर बच्चों को सम्मानित किया जाता है। इन बच्चों की बहादुरी की सच्ची घटनाओं के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए। प्रोजेक्ट फाइल में कुछ बहादुर बच्चों के चित्र लगाकर उनके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके विद्यालय के बाहर कोई मोटरसाइकिल सवार किसी बच्चे को टक्कर मारकर भाग जाए तो–**
  - (क) मोटरसाइकिल सवार के पीछे भागेंगे। ☐
  - (ख) तुरंत अध्यापक/अध्यापिका को सूचित करेंगे। ☐
  - (ग) बच्चे के माता–पिता को सूचित करेंगे। ☐

- **यदि आपके घर में किसी को बिजली का करंट लग जाए तो–**
  - (क) उसकी सहायता करने के लिए दौड़ पड़ेंगे। ☐
  - (ख) फुर्ती से मुख्य बटन बंद करके उसकी मदद करेंगे। ☐
  - (ग) वहीं खड़े रहकर सहायता के लिए चिल्लाएँगे। ☐

3 काठ की तलवार

बहुत समय पहले की बात है, राजा कृष्णदेव राय का दरबार लगा हुआ था। सभी दरबारी उनकी चाटुकारिता में लीन थे। तेनालीराम अभी तक नहीं आया था इसलिए दरबारी मौके का भरपूर लाभ उठाना चाहते थे। वहाँ उपस्थित सभी दरबारी राजा को प्रसन्न करके पुरस्कार पाने की होड़ में लगे हुए थे।

राजा कृष्णदेव राय ने एक साधारण-सा प्रश्न पूछा– "विजय नगर को आदर्श राज्य बनाने के लिए अभी और क्या करना बाकी है?" पूछे गए प्रश्न पर सुझाव देने के स्थान पर सभी राजा की बढ़-चढ़कर प्रशंसा करने लगे। राजपुरोहित ने कहा–"हमारे महाराज जैसा कोई नहीं। अहंकार तो उन्हें छू तक नहीं गया है। वह चाहें, तो मिट्टी को सोना बना सकते हैं। संसार का कोई राजा उनकी बराबरी नहीं कर सकता।"

सेनापति अपनी मूँछें सहलाते हुए कहने लगा–"हमारे महाराज लोभ से कोसों दूर हैं। वे वैभवशाली होते हुए भी सरल हैं।"

मंत्री क्यों पीछे रहता? उसने कहा–"जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ तक विजय नगर की कीर्ति और हमारे महाराज का यश फैला है।" यह सब सुनकर राजा कृष्णदेव राय का चेहरा खिल उठा। दरबारियों से अपनी प्रशंसा सुन, वह बहुत प्रसन्न थे। वह स्वयं को सर्वगुण संपन्न और योग्य शासक समझ रहे थे।

सहसा एक साधु ने दरबार में प्रवेश किया। सबका ध्यान साधु की ओर चला गया। लंबी जटाओं और दाढ़ी वाला साधु कठोर वाणी में बोला–"राजन! सुना है, तेरी तलवार काठ की है और म्यान लोहे की। फिर भला तलवार में धार क्या होगी?"

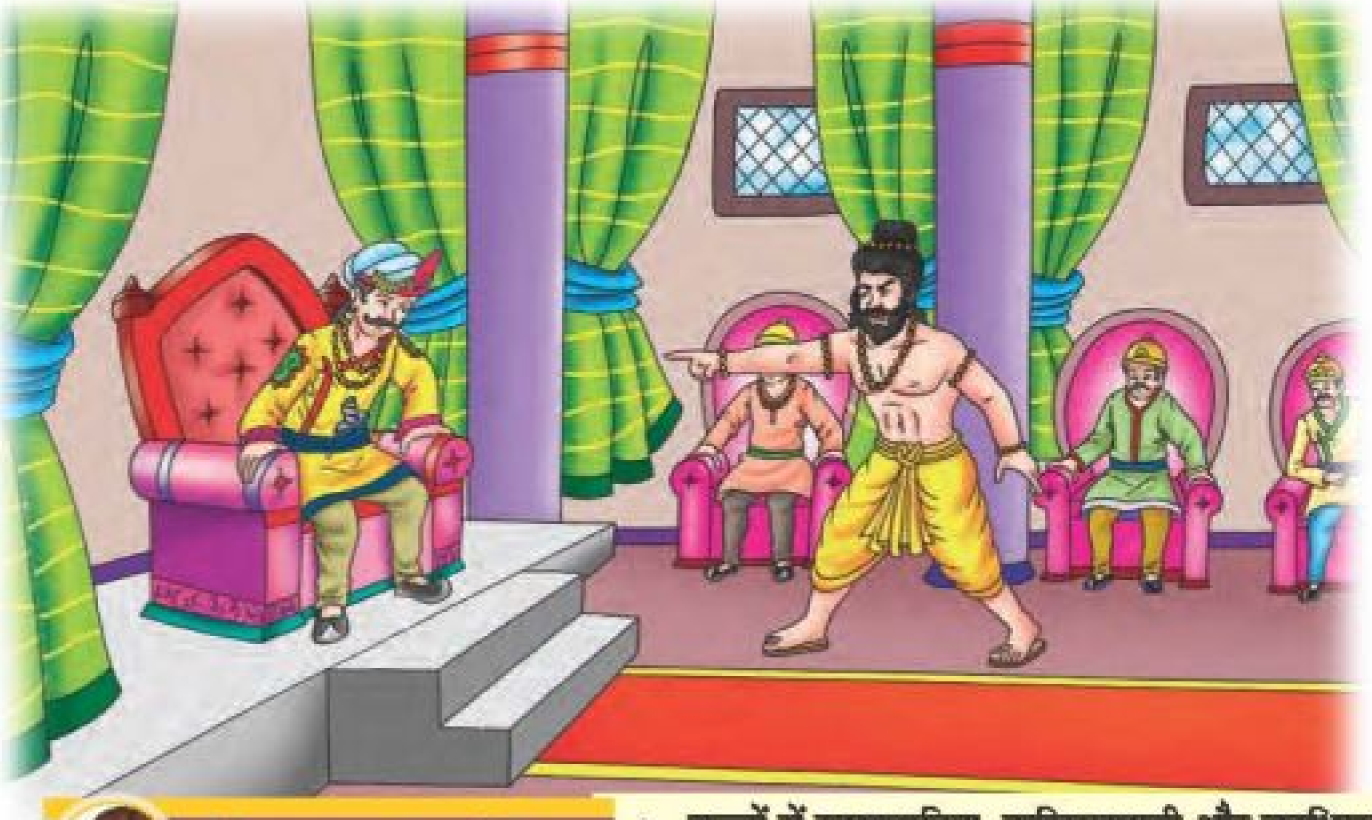

सब कुछ इतना अचानक हुआ कि कोई कुछ समझ ही नहीं पाया। राजा ने आव देखा न ताव, पलक झपकते ही सिंहासन से नीचे उतर आए और क्रोध से तमतमाते हुए साधु की ओर झपटे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों में स्पष्टवादिता, हाज़िरजवाबी और बुद्धिमत्ता जैसे गुणों का विकास करने के लिए उन्हें तेनालीराम और बीरबल आदि के किस्से पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

शब्दार्थ

चाटुकारिता – चापलूसी
दृष्टि – नज़र
काठ – लकड़ी
सिर कलम करना – सिर काटना/मार देना
विलंब – देर
विवेक – भले-बुरे की पहचान करने की योग्यता
निरपराध – जिसने अपराध न किया हो
अपना-सा मुँह लेकर रह जाना – लज्जित होना
अहंकार – घमंड
कीर्ति – प्रसिद्धि
म्यान – तलवार रखने का कोष
हड़कंप – तहलका
कुपित – क्रोधित
निरुत्तर – बिना उत्तर के

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

मिट्टी – मिट्टी
निरुत्तर – निरुत्तर

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कृष्णदेव राय प्रशंसा वैभवशाली राजसिंहासन क्षमाशील

2. सोचकर बताइए–

(क) कृष्णदेव राय की प्रसन्नता का क्या कारण था?

(ख) साधु की बात सुनकर राजा ने क्या किया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) दरबारी राजा की प्रशंसा क्यों कर रहे थे?

....

....

(ख) साधु ने ऐसा क्या कहा, जिससे राजा को क्रोध आ गया?

....

....

(ग) साधु कौन था? उसने राजा को कौन-सा सच बताया?

....

....

(घ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) राजा का क्या नाम था?

(*i*) कृष्णकांत राय ☐ (*ii*) कृष्णदेव राय ☐ (*iii*) कृष्णा राय ☐

(ख) कृष्णदेव राय कहाँ के राजा थे?

(*i*) विजय नगर ☐ (*ii*) कवि नगर ☐ (*iii*) प्रशांत नगर ☐

(ग) साधु की वाणी कैसी थी?

(*i*) कठोर ☐ (*ii*) मीठी ☐ (*iii*) कड़वी ☐

(घ) तेनालीराम राजा के सामने क्या बोलना चाहते थे?

(*i*) झूठ ☐ (*ii*) सच ☐ (*iii*) मीठा ☐

(ङ) मनुष्य क्रोध में क्या खो देता है?

(*i*) विवेक ☐ (*ii*) शक्ति ☐ (*iii*) तलवार ☐

3. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "हमारे महाराज जैसा कोई नहीं।"	....	....
(ख) "सुना है, तेरी तलवार काठ की है।"	....	....
(ग) "मूर्ख, सामने आ।"	....	....

4. **नीचे दिए शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरिए–**

क्षमाशील,	धैर्यवान,	कृष्णदेव राय,	छिप,	कुपित,	सिंहासन

(क) अपनी प्रशंसा सुनकर .... का चेहरा खिल उठा।

(ख) राजा ने आव देखा न ताव, पलक झपकते ही .... से नीचे उतर आए।

(ग) साधु भागा और राजसिंहासन के पीछे .... गया।

(घ) महाराज, साधु की बातों से .... हो उठे।

(ङ) तुमने मुझे .... और .... होने की सीख दी है।

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए वाक्यों की पूर्ति उचित मुहावरों से कीजिए–**

अपना–सा मुँह,	चेहरा खिल उठा,	सिर कलम करके,	आव देखा न ताव

(क) राजा कृष्णदेव राय का ....।

(ख) राजा ने .... पलक झपकते ही सिंहासन से नीचे उतर आए।

(ग) मेरी तलवार तेरा .... ही म्यान में जाएगी।

(घ) दरबारी .... लेकर रह गए।

2. **नीचे दिए अनेकार्थी शब्दों का उचित मिलान कीजिए–**

सोना	कपड़ा, आकाश
कर	समूह, सेना
अंबर	शयन करना, स्वर्ण धातु
दल	पत्ता, चिट्ठी
पत्र	हाथ, किरण

3. **नीचे दिए वाक्यों में उचित क्रियाविशेषण शब्द भरिए–**

(क) सेनापति अपनी मूँछें .... हुए कहने लगा।

(ख) राजा सिंहासन से .... उतर आए।

(ग) तेनालीराम राजसिंहासन के .... छिप गए।

(घ) तेनालीराम राजा के .... बैठे।

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे–राजा की सेनाएँ धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगीं। यहाँ आगे बढ़ने की क्रिया धीरे-धीरे हो रही है। अतः धीरे-धीरे शब्द क्रियाविशेषण है।

4. **नीचे दिए वाक्य से विशेषण और विशेष्य शब्द चुनकर लिखिए–**

लंबी जटाओं और दाढ़ी वाला साधु कठोर वाणी में बोला।

विशेषण – ....

विशेष्य – ....

कहानी से आगे

- यदि कृष्णदेव राय के स्थान पर आप राजा होते तो क्या करते?
- यदि तेनालीराम सच नहीं बोलता तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर तेनालीराम के प्रसिद्ध किस्से के बारे में लिखिए–**

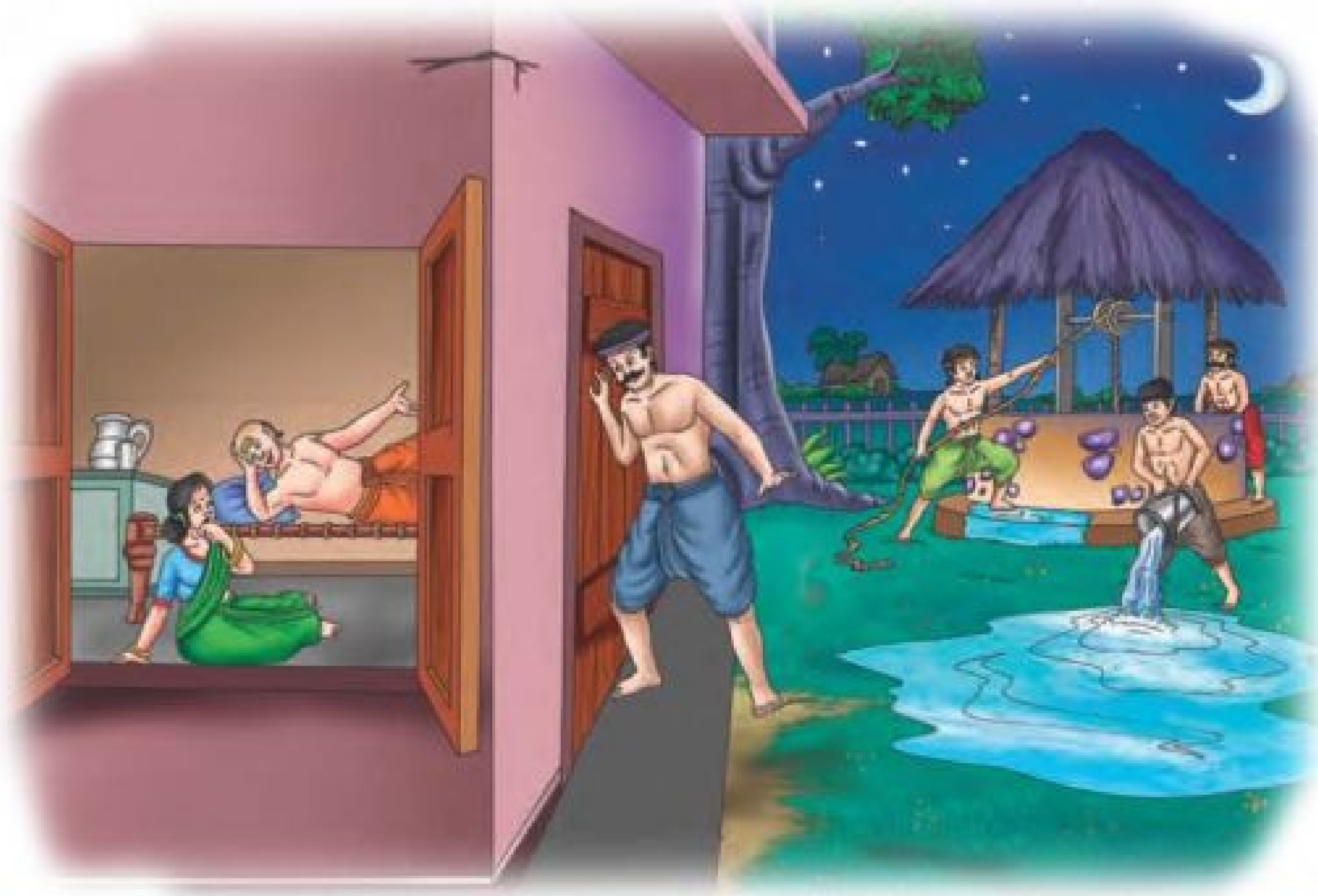

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- बीरबल व तेनालीराम की बुद्धिमत्ता के किस्से पढ़कर कक्षा में सुनाइए।
- अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से कक्षा में 'हास्य प्रतियोगिता' का आयोजन कीजिए तथा उसमें चुटकले, कविता, कहानी या नाटक के माध्यम से हास्यात्मक परिदृश्य तैयार कीजिए। (सबसे अधिक हास्यात्मक कार्यक्रम को पुरस्कार आदि दिया जा सकता है।)

आप क्या करेंगे

- **यदि आपका कोई सहपाठी चालाकी से आपको किसी ऐसे कार्य के लिए दोषी ठहरा दे, जो आपने किया ही न हो तो–**
  - (क) उससे झगड़ा करेंगे। ☐
  - (ख) बुद्धिमत्ता से स्वयं को निर्दोष साबित कर देंगे। ☐
  - (ग) आप भी उस पर झूठा आरोप लगाएँगे। ☐
- **यदि आपके सामने कोई मोटरसाइकिल सवार आपकी माँ का पर्स बलपूर्वक छीनकर भाग रहा हो तो–**
  - (क) उसका पीछा करेंगे। ☐
  - (ख) उसकी मोटरसाइकिल का नंबर नोट कर लेंगे और पास ही खड़े किसी पुलिस अधिकारी को बताएँगे। ☐
  - (ग) डरकर रोने लगेंगे। ☐

4 सिंदबाद की यात्रा

बग़दाद शहर में सिंदबाद नाम का एक व्यक्ति रहता था। उसके पास अपार धन संपदा थी। उसे समुद्री यात्राओं का बड़ा शौक था। अपने इस शौक के कारण उसे कई बार कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ा। कैसी भी कठिन परिस्थिति हो पर उसने कभी हिम्मत नहीं हारी।

एक बार सिंदबाद जहाज़ में माल भरकर बंदरगाहों पर बेचने के लिए निकला। उसके साथ कुछ अन्य व्यापारी भी थे। वे भी जहाज़ों में माल भरकर बेचने के लिए निकले थे। बंदरगाहों पर माल बेचते-बेचते वे एक टापू पर जा पहुँचे। सभी ने जहाज़ों के लंगर टापू पर डाल दिए। सभी काफ़ी देर तक टापू पर घूमते रहे।

टापू का मौसम बड़ा सुहावना था। चारों ओर हरियाली-ही-हरियाली थी। छायादार व फलदार वृक्ष लगे थे। उन्होंने स्वादिष्ट फलों का स्वाद चखा। विश्राम करने के लिए सभी एक वृक्ष के नीचे बैठ गए। सिंदबाद लेट गया। लेटते ही उसकी आँख लग गई। थका होने के कारण वह शीघ्र ही गहरी निद्रा में चला गया।

जब उसकी आँख खुली तो उसने स्वयं को टापू पर बिलकुल अकेले पाया। उसके सभी साथी जा चुके थे। जाते-जाते वे उसका जहाज़ भी ले गए थे। अब वह क्या करे? कैसे यहाँ से निकले? इस समस्या का समाधान खोजते-खोजते वह टापू पर घूमने लगा। उसे टापू पर कोई भी दिखाई नहीं दिया।

वह एक पेड़ पर चढ़ गया और चारों ओर देखने लगा। कुछ दूरी पर उसे एक बड़ी अज़ीब-सी गोल व सफ़ेद वस्तु दिखाई दी। वह पेड़ से उतरकर उसके पास गया और उसे छूकर देखने लगा पर उसे कुछ समझ नहीं आया कि वह क्या है? उस वस्तु का कुछ भाग

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि प्रस्तुत पाठ एक काल्पनिक यात्रा-वृत्तांत है जो विपरीत परिस्थितियों में धैर्य न खोने की सीख देता है और सूझ-बूझ से काम लेने की सलाह देता है।
- बच्चों को किसी यात्रा के बारे में अपने अनुभव सुनाने व लिखने को कहें।
- अपने किसी अनूठे अनुभव को कक्षा में रोचक ढंग से सुनाएँ।

मिट्टी में दबा हुआ था। वह उसे हाथ लगाकर देख ही रहा था कि उसके ऊपर अँधेरा छा गया। एक बाज़ जैसा दिखने वाला विशालकाय पक्षी उस सफ़ेद वस्तु पर आकर बैठ गया। तब सिंदबाद की समझ में आया कि वह वस्तु उस बड़े पक्षी का अंडा था। सिंदबाद कुछ देर तक उस अंडे और पक्षी को देखता रहा। फिर उसे एक उपाय सूझा। उसने पगड़ी के द्वारा स्वयं को पक्षी के पंजे से बाँध लिया। वह रातभर उस पक्षी के पंजे से बँधा रहा। सिंदबाद सोच रहा था कि सुबह जब यह पक्षी भोजन की तलाश में निकलेगा तो वह भी यहाँ से बाहर निकल सकेगा। हुआ भी कुछ ऐसा ही। सुबह होते ही पक्षी उड़ा और सिंदबाद को भी उड़ा ले चला। कुछ देर उड़ने के बाद पक्षी एक घाटी में उतर गया। घाटी की तलहटी में असंख्य हीरे-जवाहरात बिखरे पड़े थे। उन्हें देखकर सिंदबाद के आश्चर्य की सीमा न रही।

सिंदबाद ने हीरे उठाने के लिए स्वयं को खोल लिया। तभी उसे साँपों की फुँफकार सुनाई पड़ी। घाटी में चारों ओर साँप और अजगर लटक रहे थे। इससे पहले कि सिंदबाद कुछ सोच पाता, पक्षी एक बड़े साँप को चोंच में दबोचकर उड़ गया और सिंदबाद देखता ही रह गया। कुछ ही देर में पक्षी उसकी आँखों से ओझल हो गया।

सिंदबाद सोचने लगा कि अब क्या करूँ? यह तो 'आसमान से गिरे खजूर में अटके' वाली बात हो गई। घाटी बहुत गहरी थी और बाहर निकलने का कोई साधन भी नहीं था। साँपों की फुँफकार भी मन को भयभीत कर रही थी। शाम होते-होते उसकी बेचैनी और बढ़ गई। उसने घाटी में ही पत्थरों से बनी एक गुफा में बैठकर सारी रात बिताई। सुबह होते ही घाटी में मांस के बड़े-बड़े टुकड़े गिरने लगे। सिंदबाद को यह समझते देर न लगी कि मांस के टुकड़े व्यापारियों द्वारा फेंके जा रहे हैं ताकि पक्षी मांस के साथ-साथ हीरे-जवाहरात भी घाटी से बाहर ले आएँ और वे पक्षियों के घोंसलों से उन हीरे-जवाहरातों को एकत्र कर सकें। यह सोचकर सिंदबाद की जान-में-जान आई। उसने कुछ हीरे अपनी जेबों में भरे और एक बड़े मांस के टुकड़े को अपनी पीठ पर बाँध लिया। एक पक्षी आया और उस मांस के टुकड़े के साथ सिंदबाद को भी ले उड़ा।

उधर व्यापारी ताक में बैठे थे। जैसे ही पक्षी घोंसले में आया, उन्होंने ज़ोर-ज़ोर से शोर करना शुरू कर दिया। शोर सुनकर पक्षी उड़ गया। व्यापारी घोंसले के पास पहुँचे परंतु सिंदबाद को वहाँ देखकर हैरान रह गए। सिंदबाद ने व्यापारियों को आपबीती सुनाई। व्यापारियों ने उसकी मदद की, जिससे वह अपने शहर लौट सका। इसके बदले में सिंदबाद ने कुछ हीरे उन व्यापारियों को दे दिए।

शब्दार्थ

शौक	–	चाव	हिम्मत	–	साहस
विश्राम	–	आराम	आँख लगना	–	नींद आ जाना
निद्रा	–	नींद	समाधान	–	हल
विशालकाय	–	बहुत बड़े शरीर वाला	असंख्य	–	अनगिनत

आश्चर्य की सीमा न रहना	–	बहुत अधिक आश्चर्य होना
आँखों से ओझल होना	–	दिखाई न देना
जान-में-जान आना	–	जीवित रहने की आस बँधना
आपबीती	–	स्वयं के साथ घटित घटना का वर्णन

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

बंदरगाह विश्राम विशालकाय असंख्य एकत्र

2. सोचकर बताइए–

(क) सिंदबाद टापू पर अकेला क्यों रह गया था?

(ख) घाटी से निकलने के लिए सिंदबाद ने क्या किया?

(ग) सिंदबाद अपने शहर कैसे पहुँचा?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सिंदबाद को क्या शौक था?

....

....

(ख) सिंदबाद हीरों की घाटी में कैसे पहुँचा?

(ग) घाटी में मांस के टुकड़े क्यों फेंके जा रहे थे?

(घ) सिंदबाद को अपने शहर लौटने में किसने और कैसे मदद की?

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) सिंदबाद किसके साथ टापू पर गया था?

(*i*) सहपाठियों के साथ ☐ (*ii*) व्यापारियों के साथ ☐ (*iii*) भाइयों के साथ ☐

(ख) टापू पर गोल व सफ़ेद वस्तु क्या थी?

(*i*) मगरमच्छ का अंडा ☐ (*ii*) साँप का अंडा ☐ (*iii*) पक्षी का अंडा ☐

(ग) घाटी में क्या बिखरे पड़े थे?

(*i*) मांस के टुकड़े ☐ (*ii*) हीरे-जवाहरात ☐ (*iii*) रुपये-पैसे ☐

(घ) घाटी में मांस के टुकड़े किसके द्वारा फेंके जा रहे थे?

(*i*) व्यापारियों के द्वारा ☐ (*ii*) सिंदबाद के द्वारा ☐ (*iii*) पक्षियों के द्वारा ☐

भाषा ज्ञान

कुछ ऐसे शब्द भी होते हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। इन्हें **अनेकार्थी** शब्द कहा जाता है; जैसे–जल के दो अर्थ-पानी और जल जाना।

1. **नीचे दिए शब्दों के अलग-अलग अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–**

मत (नहीं)

(वोट)

सोना

पत्र

तीर ....
....

हार ....
....

भाग ....
....

2. नीचे दिए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) आँखों से ओझल होना– ....
....

(ख) जान-में-जान आना– ....
....

(ग) आश्चर्य की सीमा न रहना– ....
....

3. नीचे दिए शब्दों के लिए पाठ से विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....	यात्राएँ	....	परिस्थितियाँ
....	मौसम	....	फल
....	हीरे	....	पक्षी

4. पाठ से कुछ शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए–

....	....
....	....
....	....

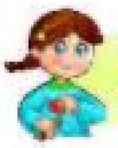

यात्रा-वृत्तांत से आगे

- यदि टापू पर विशालकाय पक्षी न होता तो क्या कहानी बनती?
- यदि व्यापारी घाटी में मांस के टुकड़े न फेंकते तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

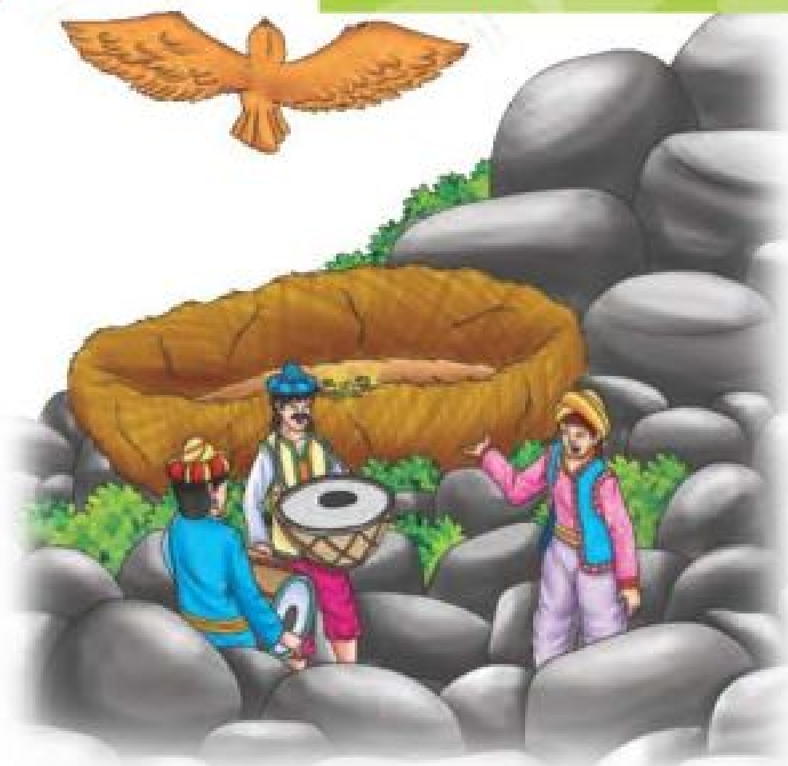

सिंदबाद को घर पहुँचाने में व्यापारियों ने मदद की। सोचिए, समुद्र के बीच किसी टापू पर अकेले आदमी को देखकर व्यापारियों ने क्या कहा होगा और सिंदबाद ने उनसे कैसे मदद माँगी होगी? उनकी बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

पहला व्यापारी – अरे! कौन हो तुम? यहाँ कैसे आए हो?

दूसरा व्यापारी – लगता है, हमारे हीरे चुराने आया है।

सिंदबाद – नहीं-नहीं, भाइयो! मैं तो इस टापू पर फँस गया हूँ।

व्यापारी – ....

सिंदबाद – ....

व्यापारी – ....

सिंदबाद – ....

व्यापारी – ....

कुछ करने को

- आप कहीं घूमकर आए हैं, उस यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में लिखकर कक्षा में सुनाएँ।
- कुछ प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत पढ़ें; जैसे–लिलिपुट की यात्राएँ आदि।

आप क्या करेंगे

- **यदि कोई छोटा बच्चा गैस के चूल्हे की नॉब खोल दे और गैस पूरे घर में फैल जाए तो–**
  - (क) नॉब बंद करके सभी खिड़की-दरवाज़े खोल देंगे। ☐
  - (ख) सबसे पहले बिजली के सारे बटन बंद करेंगे। ☐
  - (ग) माचिस की तीली जलाकर देखेंगे कि गैस फैली है या नहीं। ☐
- **यदि घर में शॉर्ट-सर्किट से आग लग जाए तो–**
  - (क) उस पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास करेंगे। ☐
  - (ख) फायर स्टेशन में फोन करके इसकी सूचना देंगे। ☐
  - (ग) घर में रखे अग्निशमन उपकरण द्वारा आग बुझाने का प्रयास करेंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) रवींद्रनाथ टैगोर ने किस घटना से दुखी होकर 'सर' की उपाधि लौटा दी थी?

(*i*) बंगाल विभाजन ☐ (*ii*) जलियाँवाला बाग हत्याकांड ☐
(*iii*) रोलेक्ट एक्ट, 1919 ☐ (*iv*) न्यूज़ पेपर एक्ट ☐

(ख) सुभाषचंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फ़ौज की स्थापना कहाँ की थी?

(*i*) जापान में ☐ (*ii*) बर्मा में ☐
(*iii*) सिंगापुर में ☐ (*iv*) मलेशिया में ☐

(ग) भारतरत्न से सम्मानित पहला विदेशी मूल का व्यक्ति कौन था?

(*i*) अमर्त्य सेन ☐ (*ii*) नेल्सन मंडेला ☐
(*iii*) बराक ओबामा ☐ (*iv*) खान अब्दुल गफ्फार खान ☐

(घ) विश्व का सबसे छोटा देश कौन-सा है?

(*i*) वेटिकन सिटी ☐ (*ii*) मलेशिया ☐
(*iii*) बंगलादेश ☐ (*iv*) भूटान ☐

(ङ) भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में लंबाई और चौड़ाई का अनुपात क्या है?

(*i*) 4 : 2 ☐ (*ii*) 3 : 2 ☐
(*iii*) 6 : 4 ☐ (*iv*) 1 : 4 ☐

(च) भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य क्या है?

(*i*) वीर तुम बढ़े चलो ☐ (*ii*) जय जवान जय किसान ☐
(*iii*) सत्यमेव जयते ☐ (*iv*) हिंदी-चीनी भाई-भाई ☐

(छ) भारत के राष्ट्रीय खेल का नाम क्या है?

(*i*) कबड्डी ☐ (*ii*) क्रिकेट ☐
(*iii*) हॉकी ☐ (*iv*) फुटबॉल ☐

(ज) राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना किसके द्वारा की गई थी?

(*i*) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ☐ (*ii*) रवींद्रनाथ टैगोर ☐
(*iii*) बिस्मिल ☐ (*iv*) भगत सिंह ☐

(झ) भारतीय राष्ट्रगान के रचयिता का नाम क्या है?

(*i*) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ☐ (*ii*) सरदार वल्लभ भाई पटेल ☐
(*iii*) सरोजिनी नायडू ☐ (*iv*) रवींद्रनाथ टैगोर ☐

(ञ) चंद्रमा पर उतरने वाला प्रथम व्यक्ति कौन था?

(*i*) कल्पना चावला ☐ (*ii*) राकेश शर्मा ☐

(*iii*) नील आर्मस्ट्रांग ☐ (*iv*) सुनीता विलियम्स ☐

(ट) प्रथम अंतरिक्ष पर्यटक का नाम क्या था?

(*i*) डेनिस टिटो ☐ (*ii*) लेनिन ☐

(*iii*) नील आर्मस्ट्रांग ☐ (*iv*) कल्पना चावला ☐

(ठ) कान्हा किसली अभ्यारण्य इनमें से किस राज्य में स्थित है?

(*i*) गुजरात ☐ (*ii*) आंध्र प्रदेश ☐

(*iii*) मध्य प्रदेश ☐ (*iv*) केरल ☐

(ड) कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?

(*i*) असम ☐ (*ii*) केरल ☐

(*iii*) उत्तराखंड ☐ (*iv*) सिक्किम ☐

(ढ) दुधवा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?

(*i*) आंध्र प्रदेश ☐ (*ii*) मध्य प्रदेश ☐

(*iii*) हिमाचल प्रदेश ☐ (*iv*) उत्तर प्रदेश ☐

(ण) 'जय जवान, जय किसान' का नारा किसने दिया था?

(*i*) जवाहरलाल नेहरू ☐ (*ii*) लाल बहादुर शास्त्री ☐

(*iii*) महात्मा गांधी ☐ (*iv*) अटल बिहारी वाजपेयी ☐

(त) 'तुम मुझे खून दो। मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।' प्रसिद्ध कथन किसका है?

(*i*) महात्मा गांधी ☐ (*ii*) लाला लाजपत राय ☐

(*iii*) सुभाषचंद्र बोस ☐ (*iv*) भगत सिंह ☐

(थ) 'स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।' प्रसिद्ध कथन किसका है?

(*i*) महात्मा गांधी ☐ (*ii*) बल्लभभाई पटेल ☐

(*iii*) चंद्रशेखर आज़ाद ☐ (*iv*) लाला लाजपत राय ☐

5 छोटी-सी हमारी नदी

छोटी-सी हमारी नदी टेढ़ी-मेढ़ी धार,
गरमियों में घुटने भर भिगोकर जाते पार।
पार जाते ढोर-डंगर, बैलगाड़ी चालू,
ऊँचे हैं किनारे इसके, पाट इसका ढालू।
पेट में झकाझक बालू कीचड़ का न नाम,
काँस फूले एक पार उजले जैसे घाम।
दिनभर किचपिच-किचपिच करती मैना डार-डार,
रातों को हुआँ-हुआँ कर उठते सियार।

अमराई दूजे किनारे और ताड़-वन,
छाँहों-छाँहों बाम्हन टोला बसा है सघन।
कच्चे-बच्चे धार-कछारों पर उछल नहा लें,
गमछों-गमछों पानी भर-भर अंग-अंग पर डालें।
कभी-कभी वे साँझ-सकारे निबटाकर नहाना,
छोटी-छोटी मछली मारें आँचल का कर छाना।
बहुएँ लोटे-थाल माँजती रगड़-रगड़ कर रेती,
कपड़े धोतीं, घर के कामों के लिए चल देतीं।
जैसे ही आषाढ़ बरसता, भर नदिया उतराती,
मतवाली-सी छूटी चलती तेज़ धार दन्नाती।
वेग और कल-कल के मारे उठता है कोलाहल,
गँदले जल में घिरनी-भँवरी भँवराती है चंचल।
दोनों पारों के वन-वन में मच जाता है रोला,
वर्षा के उत्सव में सारा जल उठता है टोला।

—रवींद्रनाथ टैगोर

शिक्षण संकेत

- बच्चों से कविता से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- नदियाँ कल्याणकारी होती हैं। बच्चों को नदी से परोपकारी बनने की प्रेरणा लेना सिखाएँ।
- बच्चों से कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन कराएँ।

शब्दार्थ

ढोर-डंगर	–	पशु	घाम	–	धूप
अमराई	–	आमों के बाग	बाम्हन	–	ब्राह्मण
सघन	–	घना	वेग	–	तीव्र गति
कोलाहल	–	शोर	उत्सव	–	जलसा, जश्न

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

बैलगाड़ी किचपिच आँचल दन्नाती भँवराती

2. **सोचकर बताइए–**

(क) गरमियों में नदी का पानी कम क्यों हो जाता है?

(ख) क्या नदियों में नहाना, बरतन माँजना और कपड़े धोना उचित है?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) गरमियों में नदी का स्वरूप कैसा होता है?

....

....

(ख) बच्चे नदी के शीतल जल का आनंद कैसे लेते हैं?

....

....

(ग) कविता के अनुसार बहुएँ नदी पर आकर क्या-क्या करती हैं?

....

....

(घ) आषाढ़ बरसते ही नदी में क्या परिवर्तन हो जाता है?

....

....

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) पार जाते ढोर-डंगर, बैलगाड़ी चालू,

....

(ख) अमराई दूजे किनारे और ताड़-वन,

....

(ग) वेग और कल-कल के मारे उठता है कोलाहल,

....

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) नदी के किनारे दिनभर कौन किचपिच करती है?

(*i*) कोयल ☐ (*ii*) मैना ☐ (*iii*) चिड़िया ☐

(ख) रात को नदी के किनारे कौन शोर मचाते हैं?

(*i*) सियार ☐ (*ii*) बच्चे ☐ (*iii*) पक्षी ☐

(ग) बच्चे किसकी छलनी बनाकर छोटी-छोटी मछलियाँ पकड़ते हैं?

(*i*) आँचल की ☐ (*ii*) गमछे की ☐ (*iii*) कुरते की ☐

(घ) नदियाँ कब उफ़ान पर आती हैं?

(*i*) वर्षा से पहले ☐ (*ii*) गरमियों में ☐ (*iii*) वर्षा के बाद ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

एकवचन	बहुवचन (कारक रहित)	बहुवचन (कारक सहित)
गरमी	गरमियाँ	गरमियों में
नदी	....	....
मछली	....	....

वन	वन	वनों में
फूल	....	....
फल	....	....

कविता में कुछ शब्दों का बार-बार प्रयोग हुआ है; जैसे– हुआँ-हुआँ, डार-डार। इन्हें शब्द-युग्म कहते हैं। शब्द युग्म कई प्रकार के होते हैं। विलोम शब्दों के जोड़े, सार्थक व निरर्थक शब्दों के जोड़े एवं एक ही शब्द का पुनः दोहराया जाना।

2. **कविता से शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए–**

टेढ़ी-मेढ़ी ....

....

....

3. **नीचे दिए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

नदी –	....	....	जल –	....	....
मछली –	....	....	कपड़ा –	....	....
वन –	....	....	किनारा –	....	....

कविता से आगे

- गरमियों में पानी कम होने पर लोग नदी में उतरकर उसे पार कर लेते हैं, लेकिन जब नदियाँ अपने उफ़ान पर होती हैं तो लोग उसे कैसे पार करते हैं?
- यदि नदियों का पानी बहकर समुद्र की बजाय मैदानी क्षेत्रों में जाने लगे तो क्या होगा?

नन्हे हाथों से

- **यह चित्र साहित्य के क्षेत्र में भारत के एकमात्र नोबेल पुरस्कार विजेता लेखक व कवि का है। इन्हें पहचानकर इनके विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखिए–**

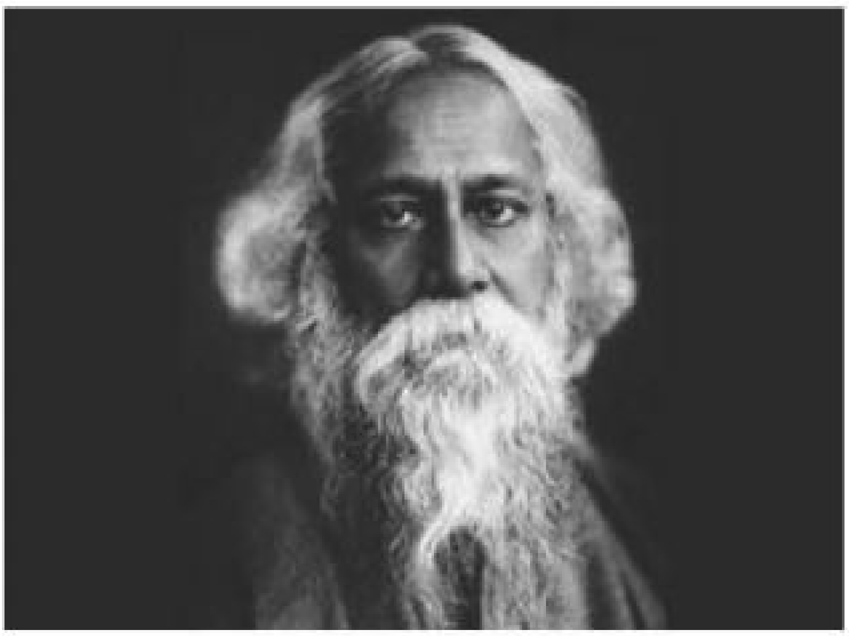

....

....

....

....

....

....

....

- हमारे जीवन में 'नदियों का महत्त्व' पर एक अनुच्छेद लिखिए–

कुछ करने को

- हमारे देश में कौन–सी नदी कहाँ बहती है? किस–किस राज्य से होकर गुजरती है? उनके नाम व दिशा में क्या परिवर्तन होता है? इस पर एक प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- यदि आपके सामने कोई बच्चा नदी में डूब रहा हो और आपको तैरना नहीं आता हो तो–
  - (क) उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ेंगे। ☐
  - (ख) आपको तैरना नहीं आता, यह सोचकर स्वयं को कोसेंगे। ☐
  - (ग) सहायता के लिए चिल्लाएँगे। ☐
- यदि आपके सामने अनाज से भरी गाड़ी, कीचड़ आदि में फँस जाए तो–
  - (क) मुझे इससे क्या लेना, यह सोचकर अपने रास्ते चले जाएँगे। ☐
  - (ख) गाड़ीवाले को पक्के रास्ते से जाने की सलाह देकर आगे बढ़ जाएँगे। ☐
  - (ग) उसकी यथासंभव सहायता करेंगे। ☐

6 सुनीता विलियम्स

बच्चो! रॉकेट और अंतरिक्ष के बारे में तो आपने सुना ही होगा। ब्रह्मांड में पृथ्वी के अलावा चंद्रमा, सूर्य, तारे एवं अन्य ग्रह भी हैं। सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं। हमारी पृथ्वी भी उनमें से एक है। चंद्रमा, पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है जो पृथ्वी की परिक्रमा करता है। इनसान की खोजी प्रवृत्ति ने उसे चंद्रमा पर बहुत पहले ही पहुँचा दिया था। सन 1969 में नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा पर पहला कदम रखा था। आज इनसान चंद्रमा पर घर बनाने की सोच रखता है। अपनी इसी कल्पना को साकार रूप देने के लिए वह चंद्रमा की सतह और वहाँ के वातावरण की जाँच-पड़ताल में लगा है। इस कार्य में महिलाएँ भी पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

सुनीता विलियम्स का नाम तो आपने सुना ही होगा। अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरने वालों में सुनीता विलियम्स का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। आइए! उनके बारे में कुछ और जानें–

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को 'यूक्लिड ओहियो' में हुआ था। उनके पिता का नाम दीपक पांड्या और माँ का नाम बोनी पांड्या है। सुनीता विलियम्स के पिता गुजरात के और माँ स्लोवेनिया की हैं। दीपक पांड्या एक जाने-माने सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञानी (न्यूरोएनाटोमिस्ट) हैं।

सुनीता विलियम्स की स्कूली शिक्षा 'मेसाच्युसेट्स' में हुई। 'युनाइटेड स्टेट नेवल एकेडमी' से उन्होंने भौतिक विज्ञान में बीएससी की। फिर उन्होंने 'फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट' से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उनका विवाह फेडरल के पुलिस अधिकारी माइकल जे॰ विलियम्स के साथ हुआ। पति के प्रोत्साहन व अपनी कर्मठता से सुनीता विलियम्स आगे-ही-आगे बढ़ती रहीं, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शिक्षण संकेत

- मेहनत, लगन व कर्मठता से क्या नहीं किया जा सकता? स्त्री हो या पुरुष सभी अपनी कर्मठता के बल पर बहुत कुछ कर सकते हैं। कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना सफलता के द्वारा खोल देती है, ऐसा बच्चों को बताएँ।
- बच्चों को मेहनत व लगन से कार्य करने की प्रेरणा दें।

विवाह के पश्चात 1987 में वे युनाइटेड स्टेट की नेवी में सम्मिलित हुईं। जून 1998 में उन्हें नासा में सम्मिलित किया गया। उनके सराहनीय कार्य एवं कर्मठता को देखते हुए 9 दिसंबर, 2006 को नासा ने उन्हें अंतरिक्ष में जाने के लिए चुना। चौदह सदस्यों की टीम में सुनीता विलियम्स 'क्रू-मेंबर' के रूप में अंतरिक्ष में गईं। उन्होंने 195 दिन अंतरिक्ष में रहने का रिकॉर्ड बनाया। 22 जून, 2007 को वे पृथ्वी पर लौटीं। 2012 में वे पुनः अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं। चार महीने अंतरिक्ष में रहकर, वे पृथ्वी पर वापस आईं। अंतरिक्ष में सर्वाधिक समय बिताने का रिकॉर्ड– 321 दिन, 17 घंटे एवं 15 मिनट्स उन्हीं के नाम है। चंद्रमा पर सर्वाधिक लंबी 'स्पेस वॉक' का रिकॉर्ड भी सुनीता विलियम्स के ही नाम है।

सुनीता विलियम्स से पहले भारतीय मूल की कल्पना चावला भी अंतरिक्ष में गई थीं लेकिन लौटते समय दुर्भाग्यवश दुर्घटना का शिकार होकर वे पृथ्वी पर सकुशल लौट नहीं पाईं। पृथ्वी पर लौटते समय उनके यान की गति धीमी रह गई और यान पृथ्वी के वायुमंडल का दबाव सह नहीं पाया जिससे यान में विस्फोट हो गया। यान में कल्पना चावला सहित पाँच सदस्य थे। जिनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े होकर अंतरिक्ष में ही फैल गए। उनके कुछ अंश धरती पर अवश्य गिरे पर उनसे यह अनुमान लगा पाना संभव नहीं था कि वे किसके अंश हैं? संपूर्ण विश्व इस दुखद घटना से स्तब्ध रह गया। कल्पना चावला के बाद जब सुनीता विलियम्स पहली बार अंतरिक्ष में गई थीं तो सभी उनके सकुशल लौटने की कामना कर रहे थे।

सुनीता विलियम्स को 2008 में भारत सरकार द्वारा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया। सुनीता विलियम्स ने अपनी कर्मठता से स्वयं और अपने माता-पिता को तो गौरवान्वित किया ही है, साथ-ही-साथ उन्होंने महिलाओं के सम्मान में भी चार चाँद लगा दिए हैं। महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में अपनी योग्यता का लोहा मनवा सकती हैं, यह बात उन्होंने जगत के समक्ष प्रमाणित कर दी है। निस्संदेह सुनीता विलियम्स महिलाओं की प्रेरणा-स्रोत हैं। आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है जो प्रत्येक महिला के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता रहेगा।

शब्दार्थ

एकमात्र	-	अकेला	उपग्रह	-	बड़े ग्रह की परिक्रमा करने वाला छोटा ग्रह
परिक्रमा	-	चारों ओर चक्कर लगाना	प्रवृत्ति	-	आचार-व्यवहार
दुर्घटना	-	बुरी घटना			

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

ब्रह्मांड	-	ब्रह्मांड	प्रवृत्ति	-	प्रवृत्ति	पद्म	-	पद्म

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

अंतरिक्ष इंजीनियरिंग मैनेजमेंट क्रू-मेंबर गौरवान्वित

2. **सोचकर बताइए–**

(क) सुनीता विलियम्स को भारतीय मूल की क्यों कहा जाता है?

(ख) लोग सुनीता विलियम्स के सकुशल लौटने की कामना क्यों कर रहे थे?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) सुनीता विलियम्स का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

(ख) सुनीता विलियम्स के पिता किस क्षेत्र से संबंधित हैं?

....

(ग) किस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए सुनीता विलियम्स को 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया?

....

2. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) चंद्रमा पर सबसे पहला कदम किसने रखा था?

(*i*) बज़्ज़ एडरिन ने ☐ (*ii*) नील आर्मस्ट्रांग ने ☐ (*iii*) सुनीता विलियम्स ने ☐

(ख) पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह कौन-सा है?

(*i*) मंगल ☐ (*ii*) बुध ☐ (*iii*) चंद्रमा ☐

(ग) सुनीता विलियम्स ने स्कूली शिक्षा कहाँ से प्राप्त की?

(*i*) मेसाच्युसेट्स से ☐ (*ii*) फ्लोरिडा से ☐ (*iii*) स्वीडन से ☐

(घ) सुनीता विलियम्स के पिता का क्या नाम है?

(*i*) बोनी पांड्या ☐ (*ii*) दीपक पांड्या ☐ (*iii*) मोनी पांड्या ☐

3. उचित मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
सुनीता विलियम्स का जन्म	सूक्ष्म शरीर रचना विज्ञानी हैं।
दीपक पांड्या	2008 में मिला।
सुनीता विलियम्स को 'पद्मभूषण' सम्मान	दिसंबर, 2006 में गईं।
सुनीता विलियम्स प्रथम बार अंतरिक्ष में	सकुशल न लौट पाईं।
अंतरिक्ष से कल्पना चावला	यूक्लिड ओहियो में हुआ।

भाषा ज्ञान

वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य और विधेय। वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे **उद्देश्य** और जो कुछ कहा जाए, उसे **विधेय** कहते हैं।

जैसे– सुनीता विलियम्स ने भौतिकी में बीएससी की।

सुनीता विलियम्स — उद्देश्य; ने भौतिकी में बीएससी की। — विधेय

1. नीचे दिए वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय को छाँटकर लिखिए–

	उद्देश्य	विधेय
(क) अंकिता डॉक्टर बनना चाहती है।	....	....
(ख) आरव सो गया है।	....	....
(ग) वह दिल्ली चला गया।	....	....
(घ) माँ ने स्वादिष्ट खाना बनाया है।	....	....

2. नीचे दिए वाक्यों से संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए–

पापा चाहते थे कि वह डॉक्टर बने। मम्मी चाहती थी कि प्रोफ़ेसर बने, लेकिन वह बन गई इंजीनियर। वो भी इतनी बड़ी कि उसके लिए सारे शब्द छोटे पड़ गए।

संज्ञा ....

सर्वनाम ....

3. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

साकार	....	सम्मान	....	सराहनीय	....
योग्यता	....	उपस्थिति	....	संदेह	....

जीवनी से आगे

- यदि सुनीता विलियम्स अपने कार्य के प्रति पूर्णतः समर्पित न होती तो क्या होता?
- क्या किसी व्यक्ति की सफलता के लिए प्रोत्साहन और पारिवारिक सहयोग आवश्यक है? यदि हाँ तो क्यों?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- सुनीता विलियम्स के जीवन से जुड़ी घटनाओं से संबंधित चित्र इंटरनेट से एकत्र करके एक कोलॉज तैयार कीजिए। इंटरनेट या पुस्तकालय की सहायता से अंतरिक्ष से संबंधित भारत की उपलब्धियों की सूची तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि विद्यालय में आपको कोई कठिन प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा जाए तो–**

(क) उसे करने से मना कर देंगे। ☐

(ख) दूसरों की नकल करके दे देंगे। ☐

(ग) घर में बड़ों की मदद से प्रोजेक्ट तैयार करके विद्यालय ले जाएँगे। ☐

- **यदि आप किसी भाषण प्रतियोगिता में भाग ले रहे हों और वहाँ पर उपस्थित भीड़ को देखकर घबरा जाएँ तो–**

(क) भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने से इनकार कर देंगे। ☐

(ख) हड़बड़ाहट में जैसे-तैसे भाषण देकर आ जाएँगे। ☐

(ग) उचित तैयारी करके उत्साह और मनोबल के साथ अपना भाषण देंगे। ☐

7 पिता का पत्र

नैनी जेल,
26 अक्टूबर, 1930

प्रिय इंदिरा,

अब तक तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें ढेरों उपहार मिलते रहे हैं। शुभकामनाएँ भी दी जाती रही हैं। पर इस समय स्थिति कुछ विपरीत है। जेल में बैठा मैं तुम्हें क्या उपहार भेज सकता हूँ? हाँ, मेरी शुभकामनाएँ सदा तुम्हारे साथ रहेंगी। क्या तुम्हें याद है कि 'जॉन ऑफ आर्क' की कहानी तुम्हें कितनी अच्छी लगी थी? तुम स्वयं भी तो उसी की तरह बनना चाहती थीं। पर साधारण पुरुष तथा स्त्रियाँ इतने साहसी नहीं होते। वे तो अपने प्रतिदिन के कार्यों, बाल-बच्चों तथा घर की चिंताओं में ही फँसे रहते हैं। परंतु एक समय ऐसा आ जाता है कि जब किसी महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए लोगों में असीम उत्साह भर जाता है। साधारण पुरुष वीर बन जाते हैं और स्त्रियाँ वीरांगनाएँ।

आजकल हमारे भारत के इतिहास का निर्माण हो रहा है। बापू जी ने भारतवासियों के दुखों को दूर करने के लिए आंदोलन छेड़ा है। मैं और तुम बहुत ही भाग्यशाली हैं कि यह आंदोलन हमारी आँखों के सामने हो रहा है और हम भी इसमें भाग ले रहे हैं। एक महान उद्देश्य हमारे सामने है और हमें इसकी पूर्ति के लिए बहुत कुछ करना है।

अब सोचना यह है कि इस महान आंदोलन के प्रति हमारा क्या कर्त्तव्य है? इसमें हम किस तरह भाग लें? परंतु जो कुछ भी हम करें, हमें यह स्मरण अवश्य रखना चाहिए कि उससे हमारे देश को हानि न

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि यह पत्र जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनी बेटी इंदिरा को उसके जन्मदिन पर जेल से लिखा गया है क्योंकि स्वतंत्रता आंदोलन के समय नेहरू जी जेल में थे और भारत को आज़ाद कराने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों को अनेक बार जेल जाना पड़ा था।
- बच्चों को स्वतंत्रता का महत्त्व बताएँ और यह भी बताएँ कि पत्र लिखने वाला और पत्र पाने वाला दोनों ही देश के प्रधानमंत्री पद को गौरवान्वित कर चुके हैं।
- बच्चों में बाल्यकाल में ही देशभक्ति की भावना का बीजारोपण करें ताकि समय के साथ-साथ उसका विकास हो सके और देशभक्ति की नींव दृढ़ हो सके।

पहुँचे। कई बार हम दुविधा में भी पड़ जाते हैं कि हम क्या करें, क्या न करें? यह निश्चय करना सरल नहीं होता है। जब भी तुम ऐसी दुविधा में हो तो ठीक बात का निश्चय करने के लिए मैं तुम्हें एक छोटा-सा उपाय बताता हूँ। तुम कोई भी काम ऐसा न करना जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा तुम्हारे मन में उठे। किसी बात को छिपाने की इच्छा तभी होती है जब तुम कोई गलत काम करते हो। बहादुर बनो, फिर सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। यदि तुम बहादुर बनोगी तो तुम ऐसा कोई कार्य नहीं करोगी जिससे तुम्हें डरना पड़े या जिसे करने से तुम्हें लज्जित होना पड़े।

तुम्हें यह तो मालूम ही है कि बापू जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता का जो आंदोलन चलाया जा रहा है, उसमें छिपाकर रखने जैसी कोई बात नहीं है। हम तो सभी काम दिन के उजाले में करते हैं।

अच्छा बेटी! अब विदा। भारत की सेवा के लिए तुम बहादुर सिपाही बनो, यह मेरी शुभकामना है।

तुम्हारा पिता

जवाहरलाल नेहरू

शब्दार्थ

पूर्ति	-	पूरा करना	असीम	-	जिसकी सीमा न हो
निर्माण करना	-	बनाना	स्मरण	-	याद रखना
दुविधा	-	कशमकश	उपाय	-	तरीका
लज्जित	-	शरमिंदा	नेतृत्व	-	प्रतिनिधित्व

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं– उद्देश्य – उद्देश्य

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

शुभकामनाएँ वीरांगनाएँ भाग्यशाली कर्त्तव्य स्वतंत्रता

2. सोचकर बताइए–

(क) नेहरू जी ने इंदिरा को उपहार न दे पाने में असमर्थता क्यों जताई?

(ख) 'ऐसा कोई काम मत करना जिसे दूसरों से छिपाने की इच्छा मन में उठे।' नेहरू जी ने ऐसा क्यों कहा?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) यह पत्र किसने, किसको और कहाँ से लिखा?

....

....

(ख) इस पत्र के लेखक कौन थे? उन्होंने उपहार में अपनी बेटी को क्या भेजा?

....

....

(ग) नेहरू ने स्वयं तथा अपनी बेटी को भाग्यशाली क्यों माना?

....

....

2. **वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–**

(क) इंदिरा गांधी 'जॉन ऑफ आर्क' की तरह बनना चाहती थीं। ☐

(ख) इंदिरा गांधी के जन्मदिन पर 'बापू जी' ने उन्हें जेल से पत्र लिखा। ☐

(ग) कोई भी कार्य ऐसा नहीं करना चाहिए, जिसे दूसरों से छिपाना पड़े। ☐

(घ) स्वतंत्रता आंदोलन 'बापू जी' के नेतृत्व में चलाया जा रहा था। ☐

(ङ) आंदोलन के सारे कार्य रात के समय किए जाते थे। ☐

3. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) स्वतंत्रता आंदोलन किसके नेतृत्व में चलाया जा रहा था?

(*i*) जवाहरलाल नेहरू ☐ (*ii*) महात्मा गांधी ☐ (*iii*) संजय गांधी ☐

(ख) इंदिरा किसकी तरह बनना चाहती थीं?

(*i*) अब्राहम लिंकन ☐ (*ii*) नेता जी ☐ (*iii*) जॉन ऑफ आर्क ☐

(ग) नेहरू जी पुत्री को क्या बनाना चाहते थे?

(*i*) डॉक्टर ☐ (*ii*) बहादुर सिपाही ☐ (*iii*) इंजीनियर ☐

(घ) पत्र में कौन-से उद्देश्य की बात की जा रही है?

(*i*) स्वतंत्रता प्राप्ति ☐ (*ii*) विकास करना ☐ (*iii*) समाज सेवा करना ☐

भाषा ज्ञान

1. **रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–**

(क) हर <u>रात</u> के बाद .... आता है।

(ख) महात्मा गांधी भारतवासियों के <u>दुख</u> दूर करके उन्हें .... देना चाहते थे।

(ग) <u>साहसी</u> बनना चाहिए .... नहीं।

(घ) पक्षी भी <u>स्वतंत्र</u> रहना चाहते हैं, ... नहीं।

2. **रंगीन उपसर्गों/प्रत्ययों से नए शब्द बनाइए–**

असाधारण – ....

भाग्यशाली – ....

स्वतंत्रता – ....

अनुदान – ....

दो वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य की रचना की जाती है; जैसे–
पिता ने पत्र लिखा।
बेटी को पत्र लिखा।
सरल वाक्य–पिता ने बेटी को पत्र लिखा।

3. **नीचे दिए वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए–**

(क) अंग्रेज़ भारत आए। अंग्रेज़ों ने व्यापार किया।

....

(ख) तुम भारत की सेवा करो। सेवा करके बहादुर बनो।

....

(ग) बच्चे मैदान में गए। उन्होंने झंडा फहराया।

....

(घ) लोगों ने विद्रोह किया। उन्हें स्वतंत्रता मिली।

....

(ङ) पिता नैनी जेल में थे। उन्होंने बहुत-से पत्र लिखे थे।

....

पत्र से आगे

- सोचिए, इंदिरा जी ने पत्र पढ़कर क्या किया होगा?
- आपके माता-पिता आपको कौन-कौन सी मूल्यवान बातें बताते हैं?

नन्हे हाथों से

- **बड़े अपने अनुभव से सदा छोटों को राह दिखाने की कोशिश करते हैं। नीचे दिए चित्र को देखकर अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- पंडित जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। चित्रों के माध्यम से उनका जीवन-वृत्त अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए।
- आंदोलनकारियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के समय अपने परिजनों, मित्रों आदि को लिखे गए पत्रों की प्रतिलिपियाँ एकत्र करके कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके विद्यालय में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लिए कोई संस्था चंदा एकत्र करने आए तो–**

  (क) मेरे कुछ देने या ना देने से क्या फर्क पड़ता है, यह सोचकर कुछ नहीं देंगे। ☐

  (ख) दूसरों को देते देख थोड़ा-बहुत योगदान कर देंगे। ☐

  (ग) सहर्ष यथासंभव योगदान करेंगे। ☐

- **यदि आपके सामने कोई विदेशी आपके देश की बुराई करे तो–**

  (क) उसे ऐसा करने से रोकेंगे। ☐

  (ख) थोड़ी देर बकवास करके शांत हो जाएगा, यह सोचकर उसे कुछ नहीं कहेंगे। ☐

  (ग) उसके देश की बुराई उसके सामने करने लगेंगे। ☐

8 एकाग्रता

केवल पढ़ने हेतु

तुमसे भी निशाना नहीं लगेगा। पीछे हटो, पहले अपनी भूख पर नियंत्रण करो।
गुरु जी, जब तीर चलाने ही नहीं दोगे तो निशाना कैसे लगेगा?
दुर्योधन! तुम्हें लगता है, केवल तीर चलाने से निशाना लग जाएगा। अच्छा, तुम बताओ तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है।
गुरु जी, मुझे पेड़, चिड़िया और यह सारा राज्य दिखाई दे रहा है।
(यह कहकर दुर्योधन तीर चला देता है और निशाना चूक जाता है।)
अर्जुन, तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है?
गुरु जी! मुझे केवल चिड़िया की आँख दिखाई दे रही है।
बहुत अच्छे! अब निशान लगाओ।
निशाना ठीक लगता है। लक्ष्य भेदने के लिए एकाग्रता बहुत ज़रूरी है।

क्या आप जानते हैं?

(क) विश्व की सबसे बड़ी नदी कौन-सी है?

(*i*) गंगा नदी ☐ (*ii*) नील नदी ☐

(*iii*) ब्रह्मपुत्र नदी ☐ (*iv*) कोसी नदी ☐

(ख) विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान कौन-सा है?

(*i*) थार ☐ (*ii*) सुंदर वन ☐

(*iii*) सहारा ☐ (*iv*) क्यूबा ☐

(ग) विश्व की सबसे ऊँची पर्वत चोटी कौन-सी है?

(*i*) कंचनजंघा ☐ (*ii*) मलय ☐

(*iii*) विंद्याचल ☐ (*iv*) एवरेस्ट ☐

(घ) विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है?

(*i*) ग्रीनलैंड ☐ (*ii*) फीनलैंड ☐

(*iii*) नीदरलैंड ☐ (*iv*) हालैंड ☐

(ङ) उगते सूरज का देश किसे कहा जाता है?

(*i*) चीन को ☐ (*ii*) जापान को ☐

(*iii*) तिब्बत को ☐ (*iv*) नेपाल को ☐

(च) किस देश को 'चीनी का कटोरा' के नाम से जाना जाता है?

(*i*) घाना ☐ (*ii*) दक्षिण अफ्रीका ☐

(*iii*) क्यूबा ☐ (*iv*) इटली ☐

(छ) विश्व का सबसे बड़ा महासागर है?

(*i*) हिंद महासागर ☐ (*ii*) अंटार्कटिका महासागर ☐

(*iii*) अटलांटिक महासागर ☐ (*iv*) प्रशांत महासागर ☐

(ज) विश्व साक्षरता दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(*i*) 8 सितंबर ☐ (*ii*) 10 दिसंबर ☐

(*iii*) 5 अगस्त ☐ (*iv*) 27 जुलाई ☐

(झ) किस देश को 'दुनिया की छत' के रूप में जाना जाता है?

(*i*) नेपाल ☐ (*ii*) तिब्बत ☐

(*iii*) चीन ☐ (*iv*) जापान ☐

(ञ) सामान्य वयस्क व्यक्ति में कुल कितना रक्त होता है?

(*i*) 3 लीटर ☐ (*ii*) 5-6 लीटर ☐
(*iii*) 15 लीटर ☐ (*iv*) 8-10 लीटर ☐

(ट) मछली कहाँ से श्वास लेती है?

(*i*) मुँह से ☐ (*ii*) नाक से ☐
(*iii*) पूँछ से ☐ (*iv*) गलफड़ा से ☐

(ठ) कंप्यूटर के आविष्कारक कौन थे?

(*i*) स्टीफंस ☐ (*ii*) स्टीव जॉब ☐
(*iii*) एल० बीरो ☐ (*iv*) चार्ल्स बेबेज ☐

(ड) भगतसिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फाँसी कब दी गई थी?

(*i*) 23 मार्च, 1931 को ☐ (*ii*) 21 फरवरी, 1930 को ☐
(*iii*) 25 मार्च, 1947 को ☐ (*iv*) 8 जनवरी, 1940 को ☐

(ढ) भारत में रक्षा बलों का कमांडर कौन होता है?

(*i*) न्यायाधीश ☐ (*ii*) राष्ट्रपति ☐
(*iii*) उपराष्ट्रपति ☐ (*iv*) प्रधानमंत्री ☐

(ण) वायुमंडल की सबसे निचली परत को क्या कहते हैं?

(*i*) क्षोभमंडल ☐ (*ii*) समतापमंडल ☐
(*iii*) आयनमंडल ☐ (*iv*) भू-मंडल ☐

(त) बाल प्वाइंट पेन का आविष्कार किसने किया था?

(*i*) जोसफ हेनरी ☐ (*ii*) एल० बीरो ☐
(*iii*) जेम्स वाट ☐ (*iv*) अल्बर्ट आइंस्टीन ☐

(थ) भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता का नाम क्या है?

(*i*) मदर टेरेसा ☐ (*ii*) अमर्त्य सेन ☐
(*iii*) रवींद्रनाथ टैगोर ☐ (*iv*) सी०वी०रमन ☐

(द) वह कौन-सा देश है, जहाँ सफेद हाथी पाए जाते हैं?

(*i*) हालैंड ☐ (*ii*) पोलैंड ☐
(*iii*) थाईलैंड ☐ (*iv*) चीन ☐

9 अँधेर नगरी

महंत - पात्र, नारायण दास, गोवर्धन दास, सब्ज़ी वाला, हलवाई, फरियादी, राजा, सैनिक, कल्लू, कारीगर, मंत्री एवं कोतवाल।

शहर - स्थान से बाहर सड़क पर महंत जी और दो चेले आपस में बातचीत कर रहे हैं।

दृश्य – 1

महंत - बच्चा, नारायण दास! यह नगर तो बड़ा सुंदर दिखाई पड़ता है। देख, कुछ भिक्षा मिले तो भगवान को भोग लगे।

नारायण दास - हाँ, गुरु जी! नगर तो सुंदर है, भिक्षा भी सुंदर मिले तो आनंद आए।

महंत - बच्चा, गोवर्धन दास! तू पश्चिम की ओर जा और नारायण दास पूर्व की ओर जाएगा। *(दोनों चले जाते हैं।)*

गोवर्धन दास - *(सब्ज़ी वाले से)* क्यों भाई!, भाजी क्या भाव है?

सब्ज़ी वाला - बाबा जी, टके सेर।

गोवर्धन दास - सब भाजी टके सेर। वाह! वाह! बड़ा आनंद है।

(हलवाई के पास पहुँचकर)

गोवर्धन दास - क्यों भाई, मिठाई क्या भाव है?

हलवाई - टके सेर।

गोवर्धन दास - वाह! वाह! सब टके सेर। क्यों बच्चा, इस नगरी का क्या नाम है?

हलवाई - अँधेर नगरी।

शिक्षण संकेत

- यह एक हास्य नाटक है। इस नाटक को आवाज़ के उतार-चढ़ाव के साथ बच्चों को पढ़ना सिखाएँ। इससे बच्चों में अभिनय क्षमता का विकास होगा तथा संप्रेषणशीलता बढ़ेगी।
- बच्चों को नाट्य मंचन के लिए प्रेरित करें।
- बड़ों की आज्ञा मानने की सीख देते हुए पाठ का वाचन करवाएँ।

गोवर्धन दास - और राजा का क्या नाम है?

हलवाई - चौपट राजा।

गोवर्धन दास - अँधेर नगरी, चौपट राजा। टके सेर भाजी, टके सेर खाजा।

हलवाई - बाबा जी, क्या दे दूँ?

गोवर्धन दास - बच्चा! सात पैसे भिक्षा माँगकर लाया हूँ, साढ़े तीन सेर मिठाई दे दो।

(महंत और नारायण दास एक ओर से आते हैं, दूसरी ओर से गोवर्धन दास आता है। गोवर्धन दास महंत जी को पूरी बात बताता है।)

महंत - बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो यहाँ से जा रहा हूँ, तू भी चल।

गोवर्धन दास - गुरु जी, मैं तो यहीं रहूँगा।

महंत - देख बात मान ले, नहीं तो पछताएगा।

गोवर्धन दास - नहीं गुरु जी! मैं यहीं ठीक हूँ।

महंत - मैं जा रहा हूँ, कभी संकट आए तो याद कर लेना। *(महंत चले जाते हैं।)*

दृश्य – 2

राजदरबार

(दो सैनिक एक फरियादी को लेकर आते हैं।)

फरियादी - महाराज! न्याय हो, कल्लू बनिए की दीवार गिरने से मेरी बकरी दबकर मर गई।

राजा - क्यों बनिए! इसकी बकरी क्यों दबकर मर गई?

कल्लू - महाराज! मेरा दोष नहीं, कारीगर ने दीवार कमज़ोर बनाई थी।

राजा - कल्लू को छोड़ दो, कारीगर को पकड़कर लाओ।

(सैनिक कारीगर को पकड़कर लाते हैं।)

राजा - क्यों रे, कारीगर! इसकी बकरी कैसे मर गई?

कारीगर - महाराज! चूने वाले ने इतना बेकार चूना बनाया कि दीवार गिर गई।

राजा - अच्छा, उस चूने वाले को बुलाओ।

(चूने वाला कहता है, भिश्ती ने चूने में ज़्यादा पानी डाल दिया था। भिश्ती कहता है, कसाई ने मशक बड़ी बनाई इसलिए पानी ज़्यादा आ गया। कसाई कहता है, गड़रिये ने मुझे इतनी बड़ी भेड़ बेची कि मशक बड़ी बन गई। गड़रिया कहता है, कोतवाल की सवारी निकलने के कारण घबराकर मैंने बड़ी भेड़ बेच दी। तब राजा ने

कोतवाल को फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दे दिया। सैनिक कोतवाल को पकड़कर ले जाते हैं।)

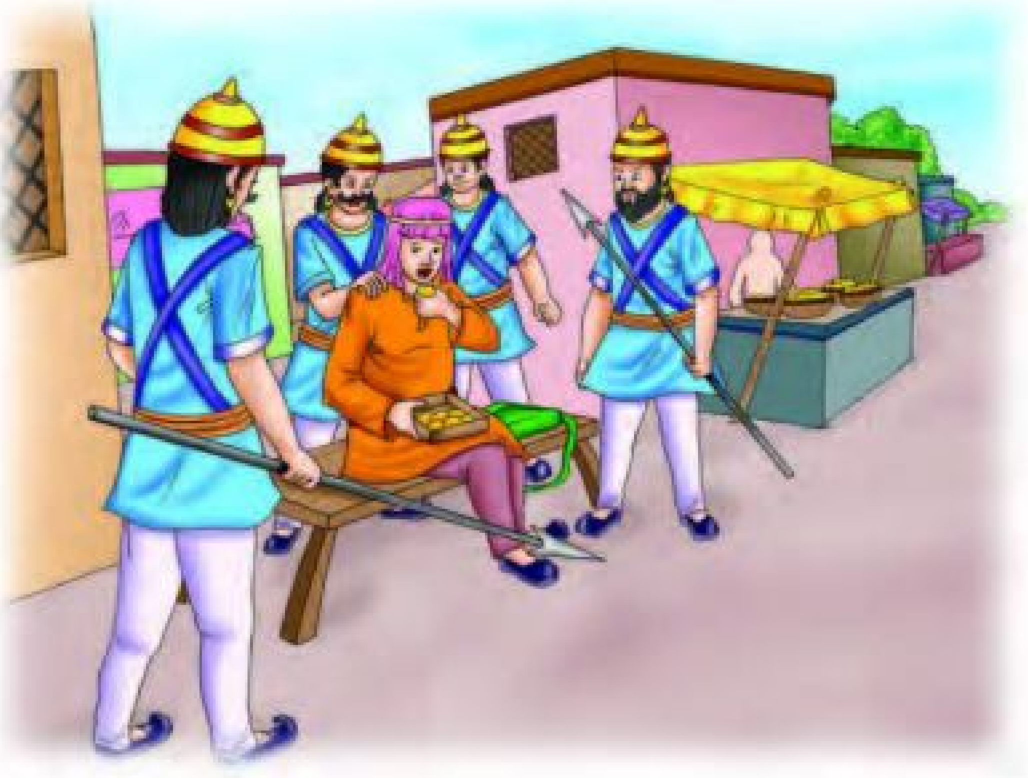

दृश्य – 3

गोवर्धन दास – *(मिठाई खाते हुए)* गुरु जी ने बिना कारण ही यहाँ रहने को मना किया था। यहाँ तो खाओ–पियो और मौज करो। *(तभी चार सैनिक आकर उसे पकड़ लेते हैं।)*

सैनिक – चलो, बाबा जी! मिठाई खा–खाकर खूब मोटे हो गए हो। आज मज़ा आएगा।

गोवर्धन दास – अरे भाई! मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है जो मुझे पकड़ते हो?

सैनिक – बात यह है कि कोतवाल को फाँसी देने का आदेश हुआ था। मगर फाँसी का फंदा थोड़ा बड़ा बन गया, कोतवाल साहब दुबले–पतले हैं। हम लोगों ने महाराज से प्रार्थना की। तब आदेश मिला कि किसी मोटे आदमी को फाँसी दे दो, क्योंकि बकरी को मारने के अपराध में किसी–न–किसी को सज़ा मिलना ज़रूरी है, नहीं तो न्याय नहीं होगा।

गोवर्धन दास – दुहाई हो परमेश्वर की, अरे! मैं तो बिना कारण ही मारा जाऊँगा। यहाँ तो बड़ा अँधेर है। गुरु जी आप कहाँ हो? आओ, मेरे प्राण बचाओ। हाय! मैंने गुरु जी का कहना क्यों नहीं माना? *(तभी गुरु जी वहाँ पहुँचते हैं।)*

महंत – अरे बच्चा, गोवर्धन दास! यह क्या दशा बना रखी है?

(गोवर्धन दास गुरु जी को पूरी बात बताता है। गोवर्धन दास की बात सुनकर गुरु जी उसको कान में कुछ समझाते हैं।)

गोवर्धन दास – तब तो, गुरु जी! हम अभी फाँसी चढ़ेंगे।

महंत – नहीं बच्चा! हम बूढ़े हो गए हैं, हमको फाँसी चढ़ने दो।

(धीरे–धीरे उन दोनों में फाँसी पर चढ़ने के लिए झगड़ा होने लगता है। सैनिक यह देखकर चकित रह जाते हैं। वे राजा, मंत्री एवं कोतवाल को बुलाकर लाते हैं।)

राजा - यह क्या गड़बड़ है?

सैनिक - पता नहीं, महाराज! चेला कहता है, मैं फाँसी पर चढ़ूँगा, गुरु कहते हैं, मैं फाँसी पर चढ़ूँगा। कुछ मालूम नहीं पड़ता, क्या बात है?

राजा - *(गुरु से)* बाबा! आप बताइए कि आप फाँसी पर क्यों चढ़ना चाहते हैं?

महंत - महाराज! बात यह है कि इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो भी इस समय मरेगा, वह सीधा स्वर्ग में जाएगा।

मंत्री - तब तो फाँसी पर मैं चढ़ूँगा।

गोवर्धन दास - नहीं, नहीं! महाराज ने मुझे फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दिया है।

कोतवाल - नहीं, महाराज ने तो मुझे फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दिया था।

राजा - चुप रहो सब लोग! मैं तुम सब का राजा हूँ इसलिए स्वर्ग भी पहले मैं ही जाऊँगा। सैनिको! चलो जल्दी करो, मुझे फाँसी पर चढ़ा दो। *(सैनिक राजा को फाँसी पर लटका देते हैं।)*

—भारतेंदु हरिश्चंद्र

(नाटक का संक्षिप्त अंश)

शब्दार्थ

चेले	शिष्य	भिक्षा	दान में मिली सामग्री
भाजी	सब्ज़ी	टका	पुराने समय का सिक्का
फरियादी	प्रार्थना करने वाला	भिश्ती	मशक से पानी ढोने वाला व्यक्ति
मशक	चमड़े से बनी पानी ढोने वाली थैली		
आदेश	आज्ञा, हुक्म	प्रार्थना	अर्ज, विनती
शुभ	मंगलमय	घड़ी	समय

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

भिक्षा अँधेर नगरी प्राण गोवर्धन स्वर्ग

2. सोचकर बताइए–

(क) गुरु जी अँधेर नगरी से क्यों चले गए थे?

(ख) गुरु और शिष्य, दोनों फाँसी पर चढ़ने का हठ क्यों कर रहे थे?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) गुरु–शिष्य घूमते हुए किस नगरी में पहुँचे?

....

....

(ख) अँधेर नगरी में अनोखी बात क्या थी?

....

....

(ग) गुरु जी ने गोवर्धन दास को क्या समझाया?

....

....

(घ) सैनिक गोवर्धन दास को पकड़कर क्यों ले जा रहे थे?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) गोवर्धन दास को भिक्षा में कितने पैसे मिले?

(*i*) साठ पैसे ☐ (*ii*) सात पैसे ☐ (*iii*) आठ पैसे ☐

(ख) अँधेर नगरी के राजा का क्या नाम था?

(i) गोवर्धन दास ☐ (ii) चौपड़ सिंह ☐ (iii) चौपट राजा ☐

(ग) सबसे पहले फाँसी पर चढ़ाने का आदेश किसे दिया गया था?

(i) भिश्ती को ☐ (ii) कसाई को ☐ (iii) कोतवाल को ☐

(घ) सैनिकों ने किसे फाँसी पर लटकाया?

(i) मंत्री को ☐ (ii) राजा को ☐ (iii) कोतवाल को ☐

(ङ) कल्लू ने बकरी मरने पर किसका दोष बताया?

(i) कारीगर का ☐ (ii) बनिए का ☐ (iii) गोवर्धन दास का ☐

3. पाठ के अनुसार घटनाक्रम में लगाइए–

☐ कल्लू बनिए की दीवार गिरने से मेरी बकरी दबकर मर गई।

☐ अँधेर नगरी में सभी वस्तुएँ टके सेर में मिल रही थीं।

☐ सैनिकों ने राजा को फाँसी पर लटका दिया।

☐ गोवर्धन दास अँधेर नगरी में ही रुक गया।

☐ राजा ने कोतवाल को फाँसी पर चढ़ाने का आदेश दे दिया।

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

भिषा	–	परिकषा	– ....
दोश	–	आदेस	– ....
सुभ	–	भिसती	– ....

2. नीचे दिए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए–

(क) हाँ गुरु जी नगर तो सुंदर है भिक्षा भी सुंदर मिले तो आनंद आए

(ख) क्यों भाई भाजी क्या भाव है

(ग) चलो बाबा जी मिठाई खा खाकर खूब मोटे हो गए हो आज मज़ा आएगा

(घ) आओ मेरे प्राण बचाओ हाय मैंने गुरु जी का कहना क्यों नहीं माना

(ङ) नहीं बच्चा हम बूढ़े हो गए हैं हमको फाँसी चढ़ने दो

3. नीचे दिए वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलिए–

(क) मिठाई का भाव टके सेर है।

....

(ख) राजा का नाम चौपट राजा है।

....

(ग) दीवार कमज़ोर होने के कारण बकरी दबकर मर गई।

....

(घ) इस समय जो भी फाँसी पर चढ़ेगा, सीधा स्वर्ग में जाएगा।

....

(ङ) सैनिक राजा को फाँसी पर लटका देते हैं।

....

एकांकी से आगे

- यदि महंत जी समय पर न आ पाते तो क्या होता?
- आपके अनुसार बकरी के मरने की घटना में दोषी कौन था?
- यदि आप राजा होते तो क्या न्याय करते?

नन्हे हाथों से

- **गुरु हमेशा अपने शिष्यों को सही रास्ता दिखाते हैं। गोवर्धन दास गुरु की बात न मानकर मुसीबत में फँस गया था। आप भी किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जब आपने किसी शिक्षक या बड़े की बात न मानी हो और आप मुसीबत में फँस गए हों।**

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- भारत में कोई वस्तु खरीदने-बेचने के लिए 'रुपये' का प्रयोग होता है और बांग्लादेश में 'टके' का। 'रुपया' और 'टका' क्रमशः भारत और बांग्लादेश की मुद्राएँ हैं। नीचे लिखे देशों की मुद्राएँ कौन-सी हैं?

सऊदी अरब –	....	फ्रांस –	....
जापान –	....	इटली –	....
इंग्लैंड –	....	अमेरिका –	....
रूस –	....	श्रीलंका –	....

आप क्या करेंगे

- **यदि गरमी की छुट्टियों में दोपहर के समय आपके कुछ मित्र आपको खेलने के लिए बुलाएँ और आपकी माता जी आपको न जाने दें तो–**
  - (क) माता जी से छिपकर बाहर चले जाएँगे। ☐
  - (ख) माता जी से नाराज़ हो जाएँगे। ☐
  - (ग) शाम के समय खेलने की बात कहकर मित्रों को वापस भेज देंगे। ☐
- **यदि आपकी गलती से आपके छोटे भाई/बहन को चोट लग जाए तो–**
  - (क) तुरंत घटना की वास्तविकता बड़ों को बताएँगे। ☐
  - (ख) ज़ोर-ज़ोर से रोने लगेंगे। ☐
  - (ग) डाँट न पड़ जाए, यह सोचकर चुप रहेंगे। ☐

10 ओणम

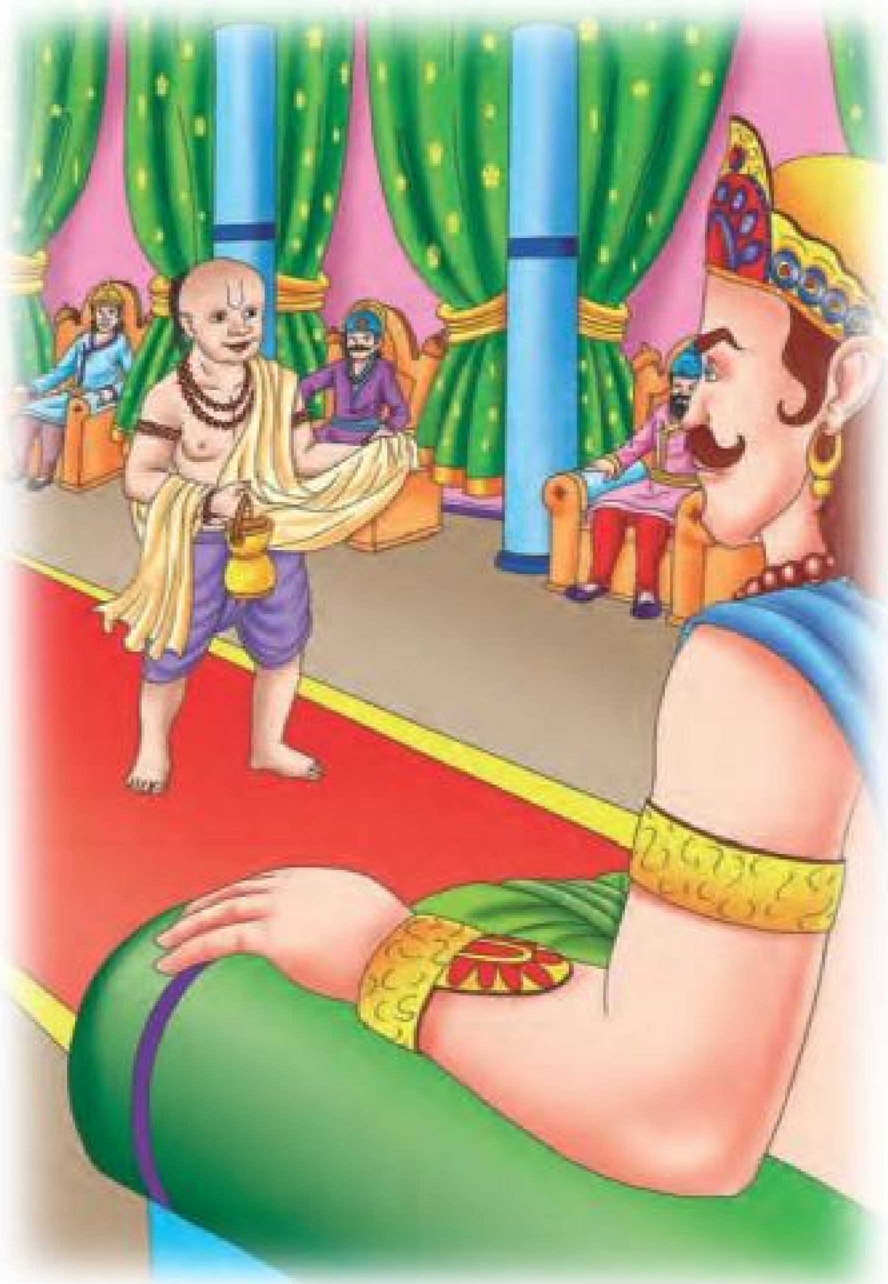

भारत में विविध धर्मों के लोग रहते हैं और सभी धर्मों के कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। इसलिए भारत में वर्षभर त्योहारों की चहल-पहल बनी रहती है। यद्यपि धार्मिक त्योहार किसी समुदाय या धर्म से संबंधित होते हैं तथापि देशभर में इन्हें पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। ऐसा ही एक त्योहार है– ओणम, जो दक्षिण भारत से संबंधित है। यह केरल राज्य का प्रमुख त्योहार है। इसे श्रावण मास में मनाया जाता है।

ओणम से एक पौराणिक कथा जुड़ी है जो इस प्रकार है– बहुत समय पहले की बात है। केरल का राजा महाबलि अत्यंत पराक्रमी, दयालु और दानी था। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान की तरह मानता था। उनके सुख-दुख का पूरा ध्यान रखता था। उसके राज्य में चारों ओर शांति और खुशहाली थी। प्रजा उसे देवता की तरह पूजने लगी थी। धीरे-धीरे महाबलि की ख्याति पूरे ब्रह्मांड में फैल गई और स्वर्ग के राजा इंद्र तक जा पहुँची।

इंद्र को अपना सिंहासन डोलता नज़र आया। महाबलि को रास्ते से हटाने के लिए उन्होंने दिमागी घोड़े दौड़ाए। उनके मस्तिष्क की कुटिल बुद्धि ने अपना जाल फैलाया। काफ़ी ताना-बाना बुनकर वह भगवान विष्णु के पास पहुँचे और उनसे विनती कर कहा– "प्रभु, राजा महाबलि की कीर्ति सर्वत्र फैल रही है इसलिए उसको अपनी शक्ति और पराक्रम पर कुछ ज़्यादा ही अभिमान हो गया है। कृपया उसकी परीक्षा लेकर सत्यता की जाँच कीजिए।" भगवान विष्णु ने इंद्र को महाबलि की परीक्षा लेने का वचन दिया और वामन रूप धारणकर महाबलि की परीक्षा लेने उसके राजदरबार में जा पहुँचे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को 'त्योहार' का वास्तविक अर्थ समझाएँ और त्योहार के साथ आमोद-प्रमोद से जुड़ी भावना को भी समझाएँ।
- विभिन्न त्योहारों के बारे में बच्चों को जानकारी दें। ओणम से संबंधित चित्र बच्चों को दिखाकर, उससे जुड़े प्रश्न पूछें।

राजा महाबलि उस समय दरबार में बैठे थे। उनके यशगान को पद्य में पिरोकर गाया जा रहा था। आनंदमय वातावरण था। चारों ओर संगीत की मधुर तान छिड़ी हुई थी। वामन ब्राह्मण को देखकर सभी का ध्यान अकस्मात उधर खिंच गया। राजा महाबलि ने विनम्रता से ब्राह्मण देवता के आने का कारण पूछा। वामन ब्राह्मण ने कहा– "मुझे दान में तीन पग भूमि चाहिए।" "बस इतनी सी बात! ब्राह्मण देवता, जहाँ आपका मन चाहे, वहाँ से तीन पग भूमि नाप लीजिए। यह सारा राज्य मेरा ही है।" महाबलि ने बिना सोचे-समझे कह दिया। यह सुनकर विष्णु भगवान ने अपना विशाल रूप धारण कर लिया। उन्होंने एक पग में पृथ्वी और दूसरे पग में स्वर्ग को नाप लिया। फिर उन्होंने तीसरा पग रखने के लिए महाबलि से जगह माँगी।

महाबलि सिर झुकाकर खड़े हो गए। भगवान विष्णु ने उनके सिर पर पैर रखकर, उन्हें पाताल पहुँचा दिया। उनकी कीर्ति और यश के कारण भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल राज्य सौंपते हुए कहा कि अब आपको यहीं निवास करना होगा। महाबलि अपनी प्रजा से बहुत प्रेम करते थे। कुछ ही दिनों में उन्हें अपनी प्रजा की याद सताने लगी। उन्होंने भगवान विष्णु से विनती की–"हे प्रभु! मुझे वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने की अनुमति दे दीजिए। आपकी बड़ी कृपा होगी।" भगवान विष्णु ने उनकी विनती स्वीकार कर ली। तभी से प्रति वर्ष श्रावण मास में महाबलि राजा अपनी प्रजा से मिलने के लिए केरल आते हैं;, ऐसी किंवदंती है।

केरलवासी अपने राजा के स्वागत के लिए प्रति वर्ष 'ओणम' मनाते हैं। ओणम पाँच दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन घर तथा आँगन को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है। विष्णु तथा महाबलि की मूर्तियों को चावल के आटे और पुष्पों से सजाकर उनकी पूजा की जाती है। ओणम का दूसरा दिन बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसे 'तिरुओणम' भी कहते हैं। इस दिन मध्याह्न में सामूहिक भोज का आयोजन किया जाता है। लोग मिलकर केले के पत्तों पर भोजन करते हैं।

उनके भोज में मुख्य रूप से चावल, दाल, पापड़, सांभर, उत्पेरी (पकौड़े) और पायसम (खीर) आदि व्यंजन बनाए जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। लड़कियाँ एवं स्त्रियाँ सामूहिक नृत्य करती हैं। कविता पाठ, खेल, नृत्य एवं गायन से त्योहार का आनंद दुगुना हो जाता है।

इस त्योहार की मुख्य परंपरा है— नौका-दौड़। नौका-दौड़ के बिना ओणम अधूरा-सा लगता है। नदियों एवं निकटवर्ती समुद्र में नौका-दौड़ का आयोजन किया जाता है। विशेषकर पंपा नदी के तट पर इस दौड़ का भव्य आयोजन देखते ही बनता है। दूर-दूर के गाँवों से लोग बड़ी-बड़ी सर्पाकार नौकाएँ लेकर पंपा नदी के तट पर पहुँचते हैं। नौकाओं में गाँव के सभी छोटे-बड़े लोग बैठते हैं। परंपरागत पोशाकों और लोकगीत से नौका-दौड़ का शुभारंभ होता है। यह दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है जिसे देखने के लिए अपार जनसमूह तटों पर उमड़ पड़ता है। इस दौड़ को देखने के लिए देश से ही नहीं अपितु विदेशों से भी पर्यटक आते हैं। दौड़ में विजेता नौकाओं को पुरस्कृत किया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि ओणम के पाँचवें दिन महाबलि पाताल लोक लौट जाते हैं। अत: इस दिन आँगन में बनी कलाकृतियों और मूर्तियों को हटा दिया जाता है। इस प्रकार हर्षोल्लास एवं मेल-मिलाप के साथ ओणम का समापन होता है।

शब्दार्थ

विविध	-	अनेक प्रकार के	हर्षोल्लास	-	आनंद और प्रसन्नता
पौराणिक	-	पुराण संबंधी, प्राचीन काल की	ख्याति	-	प्रसिद्धि, यश, शोहरत
पराक्रम	-	शौर्य, पुरुषार्थ	अभिमान	-	घमंड
यशगान	-	प्रसिद्धि का वर्णन	अकस्मात	-	अचानक, एकदम
वामन	-	बौना	विनती	-	प्रार्थना
अनुमति	-	आज्ञा	मध्याह्न	-	दोपहर
सर्पाकार	-	सर्प के आकार की			

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए—

धार्मिक हर्षोल्लास श्रावण मस्तिष्क विनम्रता

2. सोचकर बताइए–

(क) प्रजा महाबलि को देवता की तरह क्यों पूजती थी?

(ख) महाबलि पाताल के राजा कैसे बने?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) विष्णु ने महाबलि की परीक्षा क्यों ली?

....

....

(ख) महाबलि ने विष्णु से क्या विनती की?

....

....

(ग) 'ओणम' की मुख्य परंपरा क्या है? इसका आयोजन कैसे किया जाता है?

....

....

(घ) ओणम का त्योहार कब, कहाँ और क्यों मनाया जाता है?

....

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) महाबलि के राज्य में चारों ओर खुशहाली और शांति थी। ☐

(ख) देवराज इंद्र ने महाबलि की परीक्षा ली। ☐

(ग) भगवान विष्णु ने महाबलि को पाताल का राज्य सौंप दिया। ☐

(घ) केरलवासी हर वर्ष देवराज इंद्र के स्वागत के लिए ओणम मनाते हैं। ☐

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) ओणम किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?

(*i*) केरल ☐ (*ii*) तमिलनाडु ☐ (*iii*) असम ☐

(ख) वामन ब्राह्मण ने दान में कितने पग भूमि माँगी?

(*i*) तीस पग ☐ (*ii*) तीन सौ पग ☐ (*iii*) तीन पग ☐

(ग) किंवदंती के अनुसार किस मास में महाबलि अपनी प्रजा से मिलने केरल आते हैं?

(*i*) ज्येष्ठ मास में ☐ (*ii*) श्रावण मास में ☐ (*iii*) माघ मास में ☐

(घ) ओणम के अवसर पर सामूहिक नृत्य, गायन एवं भोज का आयोजन कब किया जाता है?

(*i*) पहले दिन ☐ (*ii*) दूसरे दिन ☐ (*iii*) पाँचवें दिन ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दी गई भाववाचक संज्ञाओं से विशेषण बनाकर लिखिए–

भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण
खुशहाली	खुशहाल	विनम्रता	विनम्र
शांति	....	मूर्खता	....
हरियाली	....	सफलता	....
गरमी	....	मधुरता	....

2. नीचे दिए विशेषणों में 'ता' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाइए–

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
विशाल	....	मधुर	....
महान	....	कठिन	....
सरल	....	विरल	....

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) सर्प के आकार का – ....

(ख) दोपहर का समय – ....

(ग) दया का भाव रखने वाला – ....

(घ) देश-विदेश में घूमने-फिरने वाला – ....

(ङ) वर्ष में एक बार होने वाला – ....

(च) मास में एक बार होने वाला – ....

निबंध से आगे

- यदि महाबलि पाताल का राज्य मिलने के बाद अपनी प्रजा को भूल जाते तो क्या ओणम का त्योहार मनाया जाता?
- आपके अनुसार क्या महाबलि राजा अब भी अपनी प्रजा से मिलने आते होंगे? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

नन्हे हाथों से

- बिहू नृत्य पर एक अनुच्छेद लिखिए–

कुछ करने को

- उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में मकर-संक्रांति या तिल संक्रांत, असम में बिहू, केरल में ओणम, तमिलनाडु में पोंगल, पंजाब में लोहड़ी, झारखंड में सरहुल, गुजरात में पतंग का पर्व आदि सभी फ़सलों से जुड़े त्योहार हैं। इन्हें जनवरी से अप्रैल के बीच मनाया जाता है। इन सभी त्योहारों के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए और इनसे संबंधित चित्र प्रोजेक्ट फाइल में लगाकर मुख्य बातें भी लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि किसी वर्ष आपके घर में त्योहार न मनाए जाएँ तो–**

  (क) अपने मित्रों के साथ मिलकर त्योहार मनाएँगे। ☐

  (ख) त्योहार मनाने के लिए घर के सदस्यों पर दबाव डालेंगे। ☐

  (ग) परिस्थितियों को समझकर आप भी त्योहार नहीं मनाएँगे। ☐

- **यदि आपके पड़ोसी से आपकी अनबन चल रही हो और किसी त्योहार के अवसर पर आपकी माता जी आपको उसके घर मिष्ठान्न देकर आने को कहें तो–**

  (क) उसके घर जाने से मना कर देंगे। ☐

  (ख) उसका मिष्ठान्न किसी दूसरे के घर देकर आ जाएँगे। ☐

  (ग) बैर-भाव त्यागकर उसके घर मिष्ठान्न देने चले जाएँगे। ☐

11 दोहे

साँईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।।

पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते या चाकी भली, पीस खाय संसार।।

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।।

बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि।
हिय तराजू तौल के, तब मुख बाहर आनि।।

पानी केरा बुदबुदा, अस मानस की जात।
एक दिन छिप जाएगा, ज्यों तारा परभात।।

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।

अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।।

–कबीरदास

शिक्षण संकेत

- कबीर के दोहों में जीवन मूल्य छिपे होते हैं। बच्चों को इन दोहों में छिपी शिक्षा सरल भाषा में बताएँ और अपने जीवन में इन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों को दोहे याद करके लयात्मक ढंग से सुनाने को कहें।
- कक्षा में दोहों पर प्रतियोगिता का आयोजन कराएँ।

शब्दार्थ

निंदक	–	आलोचक	नियरे	–	पास, निकट
निर्मल	–	स्वच्छ	सुभाय	–	स्वभाव
हिय	–	हृदय	परभात	–	प्रातःकाल
साँच	–	सच	जाके	–	जिसके
हिरदै	–	हृदय	ताके	–	उसके
अति	–	अधिक	चूप	–	चुप्पी

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

निर्मल प्रभात हृदय निंदक कुटुंब

2. **सोचकर बताइए–**

(क) बोली को अनमोल क्यों कहा गया है?

(ख) मनुष्य के जीवन की तुलना पानी के बुलबुले से क्यों की गई है?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) आलोचक से क्या लाभ होते हैं?

....

....

(ख) कबीरदास जी ने सबसे बड़ा पाप किसे कहा है?

....

....

(ग) किसके हृदय में प्रभु के बसने की बात कही गई है?

....

....

2. नीचे दिए गए अर्थों से संबंधित दोहे लिखिए–

(क) मूर्ति पूजा निरर्थक है।

....

....

(ख) हमें सोच-समझकर बोलना चाहिए।

....

....

(ग) किसी भी वस्तु की अधिकता बुरी होती है।

....

....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों सही समानार्थक शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए–

साँईं	–	साथी	☐	साधु	☐	भगवान	☐
कुटुंब	–	परिवार	☐	सभा	☐	समूह	☐
पाहन	–	पहाड़	☐	पत्थर	☐	मिट्टी	☐
संसार	–	जगत	☐	पृथ्वी	☐	चक्की	☐
साँच	–	सच्चा	☐	सच	☐	गुणवान	☐

2. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

भली – .... बाहर – ....

सच – .... अति – ....

दिन – ....

3. नीचे दिए शब्दों के मानक रूप लिखिए–

नियरे – .... सुभाय – ....

परभात – .... साँच – ....

हिरदै – .... ताके – ....

4. स्नेहा ने सारे दोहे फटाफट रट लिए। यहाँ 'फटाफट' शब्द का अर्थ है– बहुत जल्दी। नीचे दिए वाक्यों में सही शब्द भरिए–

(क) सारे कपड़े धुलकर .... हो गए।

(ख) आँधी के कारण पेड़ से .... आम गिरने लगे।

(ग) नौकरानी .... अपना काम करके चलती बनी।

(घ) उसने सारे बर्तन .... चमका डाले।

(ङ) मोटू .... सारे लड्डू गटक गया।

फटाफट
झकाझक
चकाचक
गटागट
पटापट

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर कबीरदास जी का कौन-सा दोहा याद आता है? लिखिए–

....

....

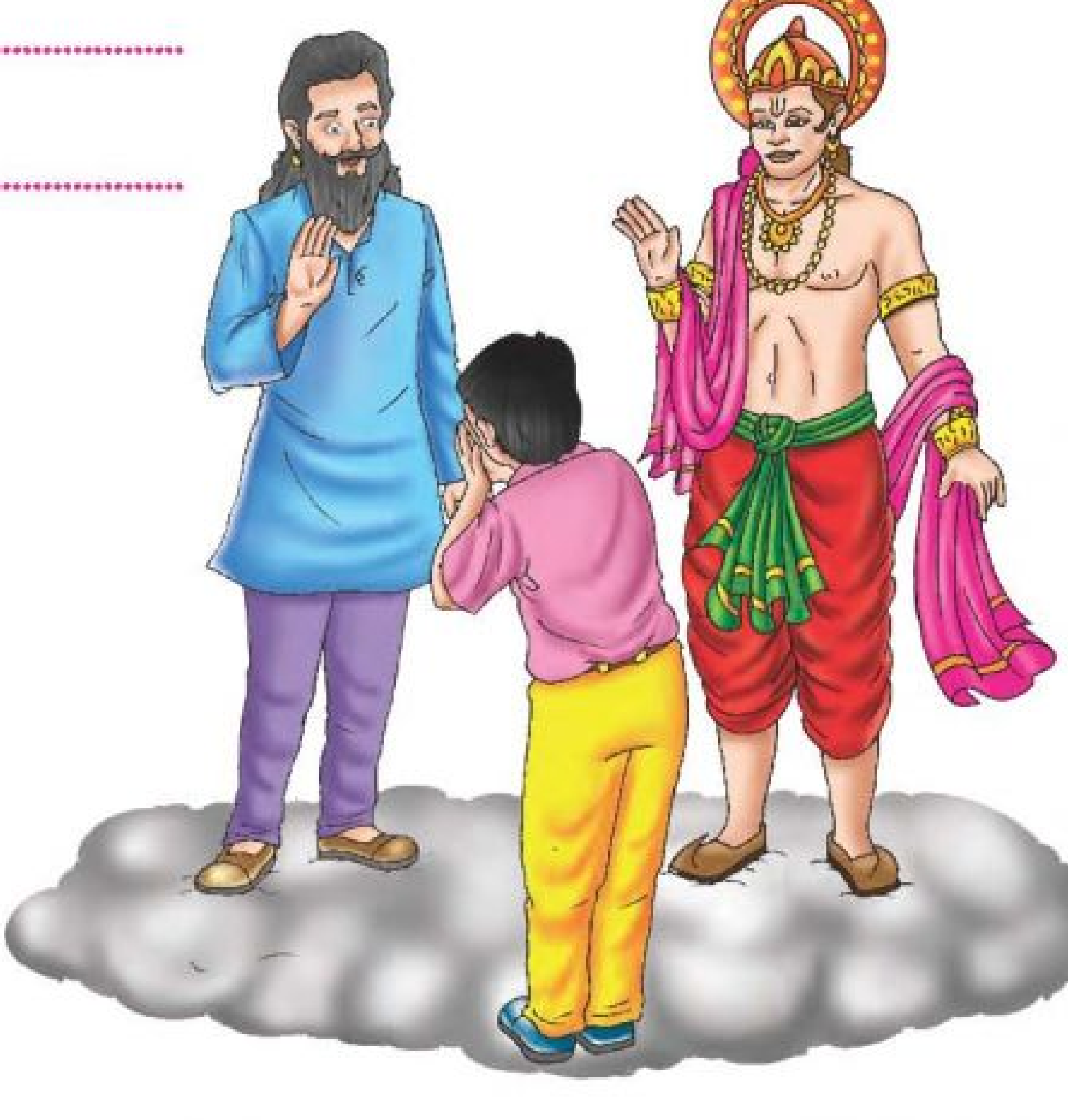

कुछ करने को

- कबीरदास जी के बारे में जानकारी एकत्र करके एक प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।
- दोहों को कंठस्थ कीजिए और कक्षा में सुनाइए।
- दोहों की फीतियाँ बनाकर कक्षा में लगाइए; जैसे—

पानी केरा बुदबुदा, अस मानस की जात।
एक दिन छिप जाएगा, ज्यों तारा परभात।।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके टकराने से घर में रखा काँच का कीमती सामान टूट जाए और आपका छोटा भाई/बहन आपको ठीक प्रकार से चलने की सलाह दे तो—**

(क) गुस्से में उसे दो-चार बातें सुना देंगे। ☐

(ख) उसके गलती करने के अवसर की ताक में रहेंगे ताकि उसे टोक सकें। ☐

(ग) भविष्य में सावधानीपूर्वक चलने का प्रयास करेंगे। ☐

- **यदि आपके घर में कोई वृद्ध आपको ज्ञान की बातें बताएँ तो—**

(क) उनकी बातों पर ध्यान नहीं देंगे। ☐

(ख) उनकी बातें ध्यानपूर्वक सुनेंगे और उन्हें अपने व्यवहार में लाने की कोशिश करेंगे। ☐

(ग) इन्हें तो बड़बड़ाने की आदत है, यह सोचकर उनके पास ही नहीं जाएँगे। ☐

12 हमारा भारत

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' अर्थात जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। भारत की धरती हमारी जन्मभूमि है और यह स्वर्ग से भी बढ़कर है। यह ऐसा महान, पवित्र, सुंदर और गौरवशाली देश है, जहाँ देवता भी जन्म लेने के लिए लालायित रहते हैं।

हिमालय से हिंद महासागर और असम से कच्छ तक विस्तृत यह भूखंड भौगोलिक, ऐतिहासिक, भौतिक, सांस्कृतिक और कलात्मक सभी दृष्टि-रूपों में संसार के अन्य सभी देशों से निराला और अद्वितीय है। इसका पुराना नाम 'आर्यावर्त' है। दुष्यंत-शकुंतला के प्रतापी पुत्र 'भरत' के नाम पर ही हमारे देश का नाम 'भारत' पड़ा। हिंदू बहुल होने के कारण इसे 'हिंदुस्तान' कहा गया है। अंग्रेज़ी में इसे 'इंडिया' कहा जाता है। यह एक कृषि प्रधान देश है। सचमुच भारत एक अद्भुत देश है।

किसी समय भारत के अंतर्गत पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, इंडोनेशिया आदि देश भी आते थे, किंतु आधुनिक भारत उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक और पूर्व में असम से लेकर पश्चिम में कच्छ तक फैला हुआ है। उत्तर में हिमालय भारतमाता के सिर पर हिममुकुट के समान सुशोभित है तथा दक्षिण में हिंद महासागर इसके चरणों को पखारता है। पुण्य सलिल गंगा, यमुना, कृष्णा, कावेरी, नर्मदा, रावी, ताप्ती, सतलुज, ब्यास, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी आदि नदियाँ अपने पवित्र जल से इसे सींचती हैं। सहस्त्रों पर्वत, निर्झर, वन-उपवन, हरे-भरे मैदान और समुद्रतट इसकी शोभा बढ़ाते हैं। 'धरती का स्वर्ग' कहा जाने वाला 'कश्मीर' भारत में है और संसार की सबसे ऊँची चोटी 'माउंट एवरेस्ट' इसके पड़ोस में है। जलवायु की दृष्टि से यह देश विश्व में सर्वोत्तम है। यहाँ वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, शिशिर और हेमंत जैसी छह ऋतुएँ विविध दृश्य तथा सौंदर्य-चित्र प्रस्तुत करती हैं।

शिक्षण संकेत
- बच्चों को देश की विभिन्नताओं और विशेषताओं से परिचित करवाएँ।
- बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाएँ और अपने देश पर गर्व करना सिखाएँ।

भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। 120 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाला यह देश विश्व के राष्ट्रों में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। दिल्ली इसकी राजधानी है। यहाँ अनेक प्रांतीय भाषाएँ एवं क्षेत्रीय बोलियाँ बोली जाती हैं जबकि इसकी राष्ट्रभाषा हिंदी है।

भारत का राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ है, राष्ट्रध्वज चक्रांकित तिरंगा, राष्ट्रगान 'जन गण मन', राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम', राष्ट्रीय पक्षी 'मोर', राष्ट्रीय पशु 'बाघ', राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन और राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' है।

भारत संस्कृति प्रधान देश है। भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है। लंबी पराधीनता के अत्याचार झेलने के बाद भी हमारी संस्कृति अक्षुण्ण बनी रही है।

यह वह देश है, जहाँ श्री राम ने न्यायपूर्ण शासन का आदर्श स्थापित किया था। यहाँ श्री कृष्ण ने गीता के ज्ञान द्वारा कर्म का पाठ पढ़ाया तथा महावीर और महात्मा बुद्ध ने मानव को अहिंसा की शिक्षा दी। भारत के ऋषि–मुनियों ने भारत को आदर्श वाक्य दिया– 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात संसार एक कुटुंब के समान है। यही कारण है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी आदि सब मिलकर रहते हैं। बड़े–बड़े प्रतापी सम्राट विक्रमादित्य, चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक, अकबर, महाराणा प्रताप तथा शिवाजी जैसे वीर और रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, सरदार भगत सिंह, सुखदेव, अशफाक उल्ला खां, राजगुरु तथा चंद्रशेखर आज़ाद जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी हमारे देश में पैदा हुए हैं। लोकमान्य तिलक, गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू और सुभाषचंद्र बोस जैसे भारत माँ के सपूतों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर परतंत्रता की बेड़ियों को काटकर देश को आज़ाद कराया।

वर्षों की पराधीनता के बाद 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। 26 जनवरी, 1950 को भारत देश संपूर्ण प्रभुता–संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य बना। स्वाधीनता के बाद हमारा देश निरंतर विकास एवं समृद्धि की ओर अग्रसर है। बारह पंचवर्षीय योजनाओं ने भारत का रूप ही बदल दिया है। उद्योग, कृषि, विज्ञान एवं परमाणुशक्ति के क्षेत्र में देश ने आशातीत उन्नति की है। अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत 'गुटनिरपेक्ष' नीति का सूत्रधार एवं पक्षधर रहा है। भारत में अनेक राज्य, नगर, गाँव एवं जातियाँ भिन्न–भिन्न होते हुए भी इसमें एकता है। यहाँ विविधता में एकता है। सब के हितों की कामना करना भारतीयों का उद्देश्य है। हम भारतीय हैं और हमें अपने महान भारत पर गर्व है।

शब्दार्थ

गौरवशाली	–	प्रतिष्ठित, सम्मानित	दृष्टि	–	नज़र
अद्‌वितीय	–	जिसके समान दूसरा न हो	बहुल	–	बहुत, अनेक
अद्‌भुत	–	अनोखा	हिममुकुट	–	बर्फ का मुकुट
लोकतांत्रिक	–	लोगों का तंत्र	अक्षुण्ण	–	भंग न होने वाली, अखंडित
सर्वस्व	–	सब कुछ			

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

ब्रह्‌मपुत्र	–	ब्रह्मपुत्र	अद्‌वितीय	–	अद्वितीय
उद्‌देश्य	–	उद्देश्य	उद्‌योग	–	उद्योग
प्रसिद्‌ध	–	प्रसिद्ध	सर्वोत्तम	–	सर्वोत्तम

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

संस्कृति अद्‌वितीय लोकतांत्रिक विक्रमादित्य अंतर्राष्ट्रीय

2. सोचकर बताइए–

(क) भारत को अन्य देशों से निराला और अद्‌भुत क्यों कहा गया है?

(ख) भारत की विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ग) 'विविधता में एकता' से क्या अभिप्राय है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) भारत का पुराना नाम क्या है? इसका नाम भारत कैसे पड़ा?

....

....

(ख) भारत में कौन-कौन सी नदियाँ बहती हैं?

....

....

(ग) किन-किन महान स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत में जन्म लिया?

....

....

(घ) हमारा देश कब स्वतंत्र हुआ तथा कब लोकतांत्रिक गणराज्य बना?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) हिंदू बहुल होने के कारण भारत क्या कहलाता है?

(*i*) हिंदुस्तान ☐ (*ii*) फिल्मीस्तान ☐ (*iii*) पाकिस्तान ☐

(ख) 'धरती का स्वर्ग' किसे कहा जाता है?

(*i*) कन्याकुमारी को ☐ (*ii*) असम को ☐ (*iii*) कश्मीर को ☐

(ग) जनसंख्या के आधार पर विश्व में भारत कौन-से स्थान पर है?

(*i*) पहले ☐ (*ii*) दूसरे ☐ (*iii*) तीसरे ☐

(घ) भारत में हिमालय को किसके समान माना गया है?

(*i*) मुकुट ☐ (*ii*) हार ☐ (*iii*) पायल ☐

(ङ) भारत में कितनी ऋतुओं का आगमन होता है?

(*i*) दो ☐ (*ii*) चार ☐ (*iii*) छह ☐

3. शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

लोकतांत्रिक,	सत्यमेव जयते,	श्री राम,	आर्यावर्त,	जन्मभूमि

(क) भारत का पुराना नाम .... है।

(ख) जननी और .... स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।

(ग) भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य .... है।

(घ) भारत में .... ने न्यायपूर्ण शासन का आदर्श स्थापित किया।

(ङ) भारत देश संपूर्ण प्रभुता-संपन्न .... गणराज्य है।

4. उचित मिलान कीजिए–

क	ख
कश्मीर	के प्रतापी पुत्र 'भरत' के नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा।
जलवायु	भारत के सिर पर हिममुकुट के समान सुशोभित है।
दुष्यंत-शकुंतला	को धरती का स्वर्ग कहा जाता है।
उत्तर में हिमालय	संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।
भारत	की दृष्टि से भारत देश विश्व में सर्वोत्तम है।

भाषा ज्ञान

1. दिए गए शब्दों के प्रत्यय अलग करके लिखिए–

ऐतिहासिक	=	इतिहास + इक	प्राचीनतम	=	....
सांस्कृतिक	=	....	भारतीय	=	....
कलात्मकता	=	....	विविधता	=	....
लोकतांत्रिक	=	....	गुटनिरपेक्षता	=	....

2. वाक्यों में सर्वनाम अथवा क्रिया शब्दों का सही रूप भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) .... बहुत भूख लगी है। (मैं)

(ख) नेहा ने .... लिए गुड़िया खरीदी। (वह)

(ग) राघव को गिटार .... अच्छा लगता है। (बजा)

(घ) .... पुस्तक खो गई। (मैं)

(ङ) राधिका .... ढूँढ़ रही थी। (तुम)

3. उचित विस्मयाविबोधक शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

बाप रे! वाह! छि! छि! शाबाश!

(क) .... तुमने बहुत अच्छा काम किया है।

(ख) .... भाग लो यहाँ से, नहीं तो बहुत मार पड़ेगी।

(ग) .... इतनी गंदी बात तुमने मुँह से कैसे निकाली?

(घ) .... कितना सुंदर बगीचा है।

4. उचित मिलान कीजिए–

विशेषण	**विशेष्य**
स्वतंत्रता	देश
पुण्य सलिल	बुद्ध
लोकतांत्रिक	सेनानी
सम्राट	गंगा
महात्मा	विक्रमादित्य

लेख से आगे

- भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश क्यों माना जाता है? जबकि जनसंख्या में चीन भारत से आगे है और भौगोलिक दृष्टि से भी इससे बड़े कई देश हैं।

नन्हे हाथों से

- **भारत से संबंधित निम्न तालिका को पूरा कीजिए–**

राष्ट्रभाषा –	....	राष्ट्रीय गीत –	....
राष्ट्रीय चिह्न –	....	राष्ट्रीय पक्षी –	....
राष्ट्रध्वज –	....	राष्ट्रीय पुष्प –	....
राष्ट्रगान –	....	राष्ट्रीय जलीय जीव –	....

- **'मेरा भारत महान' पर एक निबंध लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- भारत ने किन-किन क्षेत्रों में उन्नति की है? जानकारी एकत्र कर अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लिखिए एवं उनसे संबंधित चित्र भी चिपकाइए।
- प्राचीन समय में भारत पर लगातार बाहरी आक्रमणों के प्रमुख कारण क्या थे? पता लगाइए।
- भारत को 'सोने की चिड़िया' क्यों कहा जाता था?

आप क्या करेंगे

- **यदि कक्षा में कोई छात्र देश की बुराई कर रहा हो तो–**
  (क) उससे झगड़ा करेंगे। ☐
  (ख) देश की बुराई करने में उसका साथ देंगे। ☐
  (ग) उसे समझाएँगे कि अपने देश की बुराई करना उचित नहीं है। ☐
- **यदि कहीं जाते समय आपको कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो–**
  (क) उसे देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐
  (ख) अपने साथ जाने वाले बड़े व परिचित व्यक्ति का ध्यान उसकी ओर दिलाएँगे। ☐
  (ग) उसे 'आतंकवादी' कहकर चिल्लाएँगे। ☐

13 बचपन के दिन

उन दिनों गाँव का जीवन बहुत सादा व सरल था। प्राय: सभी चीज़ें गाँव में ही मिल जाया करती थीं। दाल, चावल, आटा, मसाला, नमक, तेल आदि सब कुछ। दवाई की छोटी-मोटी दुकानें भी थीं। जिनमें हरड़, बेहड़ा, पीपरी आदि अनेक प्रकार की चीज़ें मिल जाती थीं। जहाँ तक मुझे याद है, मिठाई की कोई दुकान गाँव में नहीं थी। गाँव में कोइरी लोगों की काफ़ी संख्या थी, जो शाक-सब्ज़ी आदि बेचते थे। दूध-दही भी गाँव में भरपूर था। चरखे काफ़ी चलते थे। गाँव की आबादी कम थी। जुलाहे सूत लेकर कपड़े बुन दिया करते थे। चूड़ीहार चूड़ियाँ बनाते थे। गाँव में छोटे-छोटे दो मठ थे जिनमें एक-एक साधु रहा करते थे। गाँव के लोग उन्हें भोजन देते थे और वे सुबह-शाम घंटा-घड़ियाल बजाकर आरती किया करते थे। आरती के समय गाँव के भी कुछ लोग जुट जाते थे। कभी-कभी हम लोग भी जाया करते थे और बाबा जी तुलसीदल का प्रसाद दिया करते थे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि इस संस्मरण के लेखक डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद हैं। वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। उनका जीवन सरल एवं सादगीपूर्ण था। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी उन्हें अपने गाँव की बहुत याद आती थी। प्रस्तुत पाठ में उन्हीं दिनों की यादें हैं। बच्चों को डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद के बारे में अन्य जानकारियाँ भी दें।

रामनवमी व जन्माष्टमी के दिन मठ में विशेष तैयारियाँ की जाती थीं। हम सभी बच्चे कागज़ और पन्नी के फूल बनाकर ठाकुरबाड़ी के दरवाज़ों और सिंहासनों को सजाते थे। गाँव के सभी लोग उत्सव में शामिल होते थे। व्रत रखते और दधि-कोदों के दिन एक-दूसरे पर खूब दही-हल्दी डालते थे। प्रायः हर साल कार्तिक मास में कुछ पंडित गाँव में आ जाते थे जो एक-डेढ़ महीने रहकर रामायण, भागवत या किसी दूसरे पुराण की कथा सुनाते थे। जिस दिन पूर्णाहुति होती थी, उस दिन गाँव के सब लोग इकट्ठे होते थे।

उन दिनों रामलीला मनोरंजन और शिक्षा का मुख्य साधन थी, जो आश्विन मास में हुआ करती थी। रामलीला करने वालों की टोली गाँव में आ जाती थी और पंद्रह-बीस दिनों तक गाँव में खूब चहल-पहल रहती थी। उस समय राम, लक्ष्मण आदि जो बनते थे, वे अधिक पढ़े-लिखे नहीं होते थे। एक आदमी हाथ में रामायण लेकर बोलता था। उसी को वे लोग दोहराते थे। लोगों का मनोरंजन इस वार्तालाप से अधिक न होता। उनका मनोरंजन तो पात्रों की दौड़-धूप और विशेषकर लड़ाई आदि से होता था।

उत्तर में राम जी का गढ़ जनकपुरी या अयोध्या बनती। जिस दिन कथा होती, उसका कुछ-न-कुछ स्वाँग अवश्य होता। सबसे बड़ी तैयारियाँ राम विवाह, लंका युद्ध, राम जी के अभिषेक तथा गद्दी पर बैठने के दिन होती थीं। विवाह में घोड़े-हाथी मँगाए जाते थे। बारात की पूरी तैयारी होती थी। लंका दहन के दिन छोटे-छोटे घास-फूस के मकान बनाकर जलाए जाते थे। हनुमान, वानर और निशाचरों के अलग-अलग चेहरे होते थे, जिन्हें पहनकर वे रामलीला में अभिनय करते थे। उन चेहरों को देखकर हम बच्चे सचमुच डर जाते थे। वानरों के कपड़े लाल रंग के होते थे। उनके शृंगार में लगभग डेढ़-दो घंटे लग जाते थे। रामलीला का समय चार से छह बजे का था। रामलीला करने वालों को चलने-फिरने और लड़ने की विशेष तालीम दी जाती थी। राजगद्दी के दिन गाँव भर के लोग उनकी पूजा करते और राम जी को भेंट स्वरूप कुछ-न-कुछ चढ़ाते थे।

एक चीज़ का असर मुझ पर बचपन से ही पड़ा, वह है– रामायण पाठ। उन दिनों प्राइमरी या अन्य प्रकार का एक भी स्कूल गाँव में नहीं था। अक्षर पहचानना बहुत थोड़े लोग जानते थे। पर प्रायः संध्या के समय किसी मठ या चौपाल पर लोग जमा हो जाते और एक आदमी रामायण की चौपाई पढ़ता और सभी उसे दुहराते, साथ में झाल और ढोलक भी बजाते थे। इस प्रकार अक्षरों से परिचित न होते हुए भी गाँव के बहुतेरे लोग रामायण की चौपाइयाँ जानते और दुहरा सकते थे। विशेषकर दोहे प्रायः सभी की ज़बान पर रटे रहते थे।

उन दिनों गाँव में मामला मुकदमा कम हुआ करते थे। जो झगड़े हुआ करते थे, उन्हें गाँव के पंच निपटा देते थे। अगर कोई बात पंचों के बस की न होती तो वह मेरे बाबा या चाचा साहब के सामने पेश की जाती थी फिर वे लोग पंचायत के साथ मिलकर उसको सुलझा देते थे।

शब्दार्थ

पूर्णाहुति	- यज्ञ, अनुष्ठान आदि का पूर्ण होना	स्वाँग	- तमाशा
अभिषेक	- तिलक	निशाचर	- राक्षस
तालीम	- शिक्षा	भेंट	- उपहार, सौगात स्वरूप दी गई वस्तु

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

घड़ियाल जन्माष्टमी पूर्णाहुति अयोध्या प्राइमरी चौपाइयाँ

2. **सोचकर बताइए–**

(क) रामनवमी और जन्माष्टमी के अवसर पर क्या-क्या तैयारियाँ की जाती थीं?

(ख) गाँव के लोग अनपढ़ होते हुए भी रामायण की चौपाइयाँ व छंद कैसे गा लेते थे?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) गाँव में किस चीज़ की दुकान नहीं थी?

....

....

(ख) साधु लोग कहाँ रहते थे और क्या करते थे?

....

....

(ग) गाँव में रामलीला को मनोरंजन और शिक्षा का मुख्य साधन क्यों माना जाता था?

....

....

(घ) प्राचीन समय की रामलीला का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

....

....

....

....

(ङ) प्राचीन समय में ग्रामीण लोगों के झगड़े किस प्रकार सुलझाए जाते थे?

....

....

2. उचित मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
गाँव में कोइरी जाति के लोग रहते थे, जो	और रामलीला के पात्र उसे दोहराते थे।
एक आदमी हाथ में रामायण लेकर बोलता था	सभी एक–दूसरे पर दही–हल्दी डालते थे।
दधि–कोदों के दिन	फिर भी लोग रामायण की चौपाइयाँ जानते थे।
गाँव में कोई स्कूल नहीं था	शाक–सब्ज़ी आदि बेचते थे।

भाषा ज्ञान

जो अव्यय शब्द दो शब्दों या वाक्यांशों को जोड़ते हैं, उन्हें **समुच्चयबोधक शब्द** कहते हैं। और, एवं, तथा, या, किंतु, परंतु, क्योंकि, ताकि, जो, कि, तो, इसलिए आदि समुच्चयबोधक शब्द हैं।

1. नीचे दिए वाक्यों में समुच्चयबोधक शब्द लगाकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) मैं बीमार था .... विद्यालय नहीं जा सका।

(ख) खूब पढ़ो .... कक्षा में प्रथम आ सको।

(ग) हर साल गाँव में कुछ पंडित आ जाते थे .... रामायण की कथा सुनाते थे।

(घ) लोग उन्हें भोजन देते थे .... वे सुबह–शाम आरती किया करते थे।

2. कोष्ठक में दिए शब्दों के बहुवचन रूप लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) जुलाहे .... बुनते थे। (कपड़ा)

(ख) गाँव के .... भी उत्सव में सम्मिलित होते थे। (बच्चा)

(ग) .... के कपड़े लाल रंग के होते थे। (वानर)

(घ) गाँव के बहुत-से लोग रामायण की .... जानते और दोहरा सकते थे। (चौपाई)

(ङ) .... की बात सब मानते थे। (पंच)

3. नीचे दिए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

दूध	–	....	मकान	–	....
लोग	–	....	दिन	–	....
गाँव	–	....	फूल	–	....

4. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) गाँव में कपड़े कौन बुना करते थे?

(*i*) चूड़ीहार ☐ (*ii*) कोइरी ☐ (*iii*) जुलाहे ☐

(ख) मठ में कौन रहते थे?

(*i*) भिक्षुक ☐ (*ii*) ग्रामीण ☐ (*iii*) साधु ☐

(ग) रामलीला कब होती थी?

(*i*) कार्तिक मास में ☐ (*ii*) आश्विन मास में ☐ (*iii*) माघ मास में ☐

(घ) वानरों के श्रृंगार में कितना समय लगता था?

(*i*) डेढ़-दो घंटे ☐ (*ii*) तीन-चार घंटे ☐ (*iii*) दो-ढ़ाई घंटे ☐

संस्मरण से आगे

- प्राचीन और आधुनिक काल की रामलीला में क्या अंतर है? सोचकर बताइए।
- गाँव का जीवन पहले अच्छा था या अब? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

कुछ करने को

- 'विकास की ओर बढ़ते गाँव' विषय को चरितार्थ करने वाले गाँव के चित्र एकत्र कर अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लगाइए और उनके बारे में जानकारी दीजिए; जैसे–सोलर उपकरण से पूरे गाँव में बिजली, खेती के आधुनिक उपकरणों, खाद व बीजों से खेती की पैदावार में बढ़ोतरी आदि।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर अनुच्छेद लिखिए–

....

....

....

आप क्या करेंगे

- यदि आपके सामने कुछ ग्रामीण भूत-प्रेत की बातें करें तो–

(क) उनकी बातों को सच मानकर डरने लगेंगे। ☐

(ख) उनसे भूतों से बचने का उपाय पूछेंगे। ☐

(ग) उन्हें समझाएँगे कि भूत-प्रेत कुछ नहीं होते, यह हमारा भ्रम होता है। ☐

- यदि कक्षा में जात-पात या धर्म के नाम पर किसी बच्चे को तंग किया जा रहा हो तो–

(क) इसकी शिकायत अध्यापक/अध्यापिका से करेंगे। ☐

(ख) उस बच्चे की सहायता करने के लिए सबसे झगड़ा करेंगे। ☐

(ग) आप भी उस बच्चे को परेशान करेंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) संबंध बताइए– टाइपिस्ट : टाइपराइटर : लेखक : ?

(*i*) पटकथा ☐ (*ii*) पेपर ☐

(*iii*) पुस्तक ☐ (*iv*) कलम ☐

(ख) संबंध बताइए– रंग : कलाकार : लकड़ी : ?

(*i*) बढ़ई ☐ (*ii*) फर्नीचर ☐

(*iii*) वन ☐ (*iv*) आम ☐

(ग) संबंध बताइए– दवा : रोगी : शिक्षा : ?

(*i*) अध्यापक ☐ (*ii*) छात्र ☐

(*iii*) विद्यालय ☐ (*iv*) अस्पताल ☐

(घ) संबंध बताइए– मुँह : भोजन : नासिका : ?

(*i*) पानी ☐ (*ii*) आहार ☐

(*iii*) श्वास ☐ (*iv*) रक्त ☐

(ङ) इनमें से कौन-सा भिन्न है?

(*i*) बाइबिल ☐ (*ii*) गीता ☐

(*iii*) कुरान ☐ (*iv*) पंचशील ☐

(च) इनमें से कौन-सा भिन्न है?

(*i*) आकाश ☐ (*ii*) सूर्य ☐

(*iii*) तारा ☐ (*iv*) चंद्रमा ☐

(छ) जैसे हवा पक्षी से संबंधित है वैसे ही पानी संबंधित है .... से।

(*i*) पृथ्वी से ☐ (*ii*) तैरने से ☐

(*iii*) मछली से ☐ (*iv*) बादल से ☐

(ज) अंशुल ने एक स्त्री, की ओर संकेत करते हुए कहा कि यह मेरे दादा जी के इकलौते बेटे की बेटी है। अंशुल से उस महिला का क्या संबंध है?

(*i*) भाई–बहन ☐ (*ii*) चाची–भतीजा ☐

(*iii*) बुआ–भतीजा ☐ (*iv*) चाचा–भतीजा ☐

(झ) मधुर ने एक स्त्री की ओर संकेत करते हुए कहा कि उसकी माँ, मेरी माँ की बेटी है। मधुर का उस स्त्री से क्या संबंध है?

(*i*) मौसी–भांजा ☐ (*ii*) मामा–भांजी ☐

(*i*) चाचा–भतीजी ☐ (*iv*) मामा–भांजा ☐

(ञ) अर्जुन कल्पना की ओर संकेत करते हुए कहता है कि वह मेरे पिता जी की पत्नी की बहन है। कल्पना का अर्जुन से क्या संबंध है?

(*i*) मौसा–भांजी ☐ (*ii*) बुआ–भतीजा ☐

(*i*) मौसी–भांजा ☐ (*iv*) जीजा–साली ☐

(ट) विपुल बच्चे की तस्वीर की ओर संकेत करते हुए कहता है कि इस बच्चे की माँ का भाई मेरी माँ का बेटा है। उस बच्चे और विपुल में क्या संबंध है?

(*i*) चाचा–भतीजा ☐ (*ii*) मामा–भतीजा ☐

(*iii*) मौसी–भांजा ☐ (*iv*) मामा–भांजा ☐

(ठ) हनुमान जी किसके पुत्र हैं?

(*i*) अग्नि देव ☐ (*ii*) पवन देव ☐

(*iii*) वरुण देव ☐ (*iv*) सूर्य देव ☐

(ड) अंगद किसका पुत्र था?

(*i*) सुग्रीव का ☐ (*ii*) सूर्य का ☐

(*iii*) बाली का ☐ (*iv*) जामवंत का ☐

(ढ) राजा दशरथ कहाँ के शासक थे?

(*i*) मिथिला के ☐ (*ii*) जनकपुर के ☐

(*iii*) किष्किंधा के ☐ (*iv*) अयोध्या के ☐

(ण) कैकयी की प्रमुख दासी का क्या नाम था?

(*i*) सुमित्रा ☐ (*ii*) मंथरा ☐

(*iii*) जाह्नवी ☐ (*iv*) मंदोदरी ☐

(त) रावण के विमान का क्या नाम था?

(*i*) पुष्पक ☐ (*ii*) विक्रांत ☐

(*iii*) आयुध ☐ (*iv*) केतक ☐

14 छातों की हड़ताल

बरसात का मौसम भी बीत गया। बादल घुमड़-घुमड़कर कई बार आए, पर बिन बरसे ही जाने कहाँ चले गए? इस बार छातों ने लंबी नींद ली। पिछली बरसात के बाद से जो सोए तो सोते ही रहे। उन्हें किसी ने नींद से नहीं जगाया।

एक छाते की नींद स्वतः ही टूट गई। उसे जुकाम था क्योंकि पिछली बार उसे बाहर से घर में लाने के बाद गीला ही बंद करके रख दिया गया था। वह एक अँधेरे कोने में रखा हुआ था। छाते की सीलन दूर नहीं हुई थी। उसमें से बदबू आने लगी थी। उसने सोचा, बाहर खुली धूप में जाऊँगा तो ताज़ी हवा और धूप में सीलन दूर हो जाएगी। सिर का दर्द और जुकाम भी दूर हो जाएगा। छाता अपने मालिक से नाराज़ था। वैसे यह शिकायत अकेले एक छाते की नहीं थी, लगभग सभी को अपने मालिकों से कोई-न-कोई शिकायत थी। बरसात में लोग छातों को लेकर निकलते और छाते स्वयं बारिश में भीगकर लोगों को भीगने से बचाते। परंतु घर लौटने के बाद प्रायः लोग छातों को लापरवाही से कोने में पटक देते। लोगों को छातों की याद अगली बारिश के समय ही आती थी। यह तो गलत बात थी।

मनुष्यों की इस लापरवाही के बारे में छातों ने आपस में बात की और फैसला हुआ—हड़ताल। छातों द्वारा हड़ताल के फैसले के बारे में मनुष्य कुछ नहीं जान सके। भला कैसे जानते?

इस बार बारिश आई तो छातों की हड़ताल शुरू हो गई। सब लोगों ने अपने भूले-बिसरे छाते निकाले और घरों से बाहर निकले, पर यह क्या? किसी का भी छाता नहीं खुला। लोगों ने बंद छातों को खोलकर बारिश से बचना चाहा, पर उन्हें भीगना पड़ा। छातों

शिक्षण संकेत

- यह बांग्लादेश की लोककथा है। बच्चों को बताएँ कि लोककथाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाई जाती रही हैं। लोककथाएँ वह लोकप्रिय गाथाएँ हैं, जो किसी क्षेत्र विशेष में प्रचलित होकर बड़े चाव से सुनी-सुनाई जाती हैं।
- बच्चों को अपने क्षेत्र विशेष में प्रचलित लोककथाएँ सुनाने को कहें।
- बच्चों को अपनी वस्तुओं को सँभालकर रखने की भी सीख दें।

ने हड़ताल जो कर दी थी। हर कहीं बच्चे, बड़े और बूढ़े अपने हाथों में बंद छाते लिए बारिश में भीग रहे थे। छातों की मरम्मत करने वालों के पास खूब भीड़ लग गई। लेकिन कारीगरों की हर संभव कोशिश के बाद भी छातों का मुँह बंद ही रहा। सब हैरान थे।

यह देखकर लोग कुछ डर से गए। उन्हें लगा कि कहीं छतरियों में भूत-प्रेत न आ बैठे हों। इसलिए लोगों ने उन्हें फेंककर दुकानों से नए छाते खरीदे, पर आश्चर्य। इससे भी काम न बना। नई छतरियों ने भी खुलने से इनकार कर दिया। कई लोगों ने डरकर अपने छाते सड़क पर फेंक दिए। ज़रूर कहीं कोई गड़बड़ थी, वरना छाते इस तरह क्यों बंद हो जाते?

छाते प्रसन्न थे। उनकी हड़ताल सफल रही थी। छाते सोच रहे थे–'हमने लापरवाह मनुष्यों को सही पाठ पढ़ाया है।' एक दिन तेज़ बारिश में एक बूढ़ा अपनी बीमार बेटी के साथ कहीं जा रहा था। छाते के न खुल पाने के कारण वे दोनों बुरी तरह से भीग गए। भीगने से लड़की और ज़्यादा बीमार हो गई। उसका बूढ़ा पिता भीग जाने पर काँपने लगा और वे दोनों ही क्यों, ऐसे अनेक बड़े और बच्चे थे जो इस तरह बीमार हो गए थे।

"बापू, मुझे चक्कर आ रहा है और ठंड भी लग रही है।" लड़की ने पिता से कहा। पिता बोला–"बिटिया, शायद मुझे भी बुखार चढ़ गया है। इतनी बरिश में तो कहीं कोई वैद्य भी नहीं मिलेगा।" बूढ़े के हाथ में लटके हुए बंद छाते ने दोनों की बातें सुनीं तो उसे दुख हुआ। सोचने लगा–'यह तो ठीक नहीं हुआ। लोगों को उनकी लापरवाही का दंड देने का यह तरीका शायद ठीक नहीं रहा।' पास ही एक दूसरा आदमी हाथ में बंद छाता लिए खड़ा था। बूढ़े के छाते ने अपने साथी को बूढ़े और लड़की की तबीयत खराब होने के बारे में बताया।

दूसरे छाते ने कहा–"मैं भी यही सोच रहा हूँ, दोस्त! कुछ लोगों की लापरवाही का दंड सबको देना ठीक नहीं। निश्चय ही कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपने छातों को संभालकर रखते हैं। हमारी हड़ताल से उन्हें व्यर्थ ही परेशानी हो रही है।"

अंततः छातों ने आपस में बात करके हड़ताल वापस लेने का फैसला कर लिया। फिर तो जैसे चमत्कार हो गया। जो छाता जहाँ था, वहीं झटके से अपने-आप खुल गया। कोई छाता बंद न रहा। लोगों ने अपने-अपने छातों को झाड़-पोंछकर धूप में रख दिया, फिर बंद करने लगे तो छाते

आसानी से बंद भी हो गए। अब छातों को बंद करने और खोलने में कोई परेशानी नहीं हो रही थी। पहले लोग छातों के न खुलने से जितने परेशान थे अब उतने ही प्रसन्न दिखाई दे रहे थे। फिर बारिश होने पर लोग छाते लेकर घरों से बाहर निकले तो छाते एक-दूसरे से कह रहे थे–"हड़ताल का फैसला सही नहीं रहा। न जाने कितने लोग भीगने से बीमार हो गए हैं।"

बूढ़ा अपने घर में बेटी के साथ चुपचाप बैठा था। उसका छाता भी खुल गया था। छाता सोच रहा था– 'हमारा काम लोगों को धूप और बरसात से बचाना है। हमें अपना काम करते रहना चाहिए।' छाते को उस छोटी लड़की पर दया आ रही थी, जो भीगने से बीमार हो गई थी। वह कह रहा था–"हे ईश्वर! इस गुड़िया को जल्दी ठीक कर दो। इसे यों पानी में भिगोने की गलती अब मैं कभी नहीं करूँगा।"

–बांग्लादेश की लोककथा

शब्दार्थ

सीलन	–	नमी	शिकायत	–	उलाहना
लापरवाही	–	असावधानी	फैसला	–	निर्णय
हड़ताल	–	विरोध में काम न करना	भूले-बिसरे	–	बहुत पुराने
मरम्मत	–	ठीक करना	कोशिश	–	प्रयास
परेशानी	–	तकलीफ़	चमत्कार	–	जादू

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं– वैद्य – वैद्‌य

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

घुमड़-घुमड़कर लापरवाही मरम्मत हड़ताल चमत्कार

2. सोचकर बताइए–

(क) छातों ने हड़ताल क्यों की?

(ख) हड़ताल वापस लेने का क्या कारण था?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) छाते अपने मालिकों से क्यों नाराज़ थे?

....

(ख) लोगों के छाते क्यों नहीं खुल रहे थे?

....

(ग) लोगों ने नए छाते क्यों खरीदे?

....

(घ) किस घटना से दुखी होकर छातों ने हड़ताल वापस ली?

....

....

2. शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

झाड़-पोंछकर, लापरवाही, हड़ताल, मरम्मत, तबीयत

(क) घर लौटने के बाद प्रायः लोग छातों को .... से कोने में पटक देते हैं।

(ख) छातों की .... करने वालों के पास खूब भीड़ लग गई।

(ग) भीगने से बूढ़े और लड़की की .... खराब हो गई थी।

(घ) छातों ने आपस में बात करके .... वापस लेने का फ़ैसला कर लिया।

(ङ) लोगों ने अपने-अपने छातों को .... धूप में रख दिया।

3. वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) पिछली बरसात के बाद छाते जो सोए तो फिर उन्हें किसी ने नहीं जगाया। ☐

(ख) लोगों ने छातों को खोलकर प्रयोग करना शुरू कर दिया। ☐

(ग) लोगों ने नए-नए छाते खरीदे। ☐

(घ) अनेक बड़े और बच्चे बारिश में भीगने से खुश थे। ☐

(ङ) छाते ने कहा कि हमें अपना काम करते रहना चाहिए। ☐

4. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) छाते की नींद स्वतः ही क्यों टूट गई?

(*i*) बुखार के कारण ☐ (*ii*) खाँसी के कारण ☐ (*iii*) जुकाम के कारण ☐

(ख) लोगों ने छातों को कहाँ फेंक दिया?

(*i*) बाज़ार में ☐ (*ii*) सड़क पर ☐ (*iii*) छत पर ☐

(ग) लोग क्यों परेशान थे?

(*i*) बीमारी के कारण ☐ (*ii*) छाते न खुलने के कारण ☐

(*iii*) वर्षा न होने के कारण ☐

(घ) 'कुछ लोगों की लापरवाही का दंड सबको देना ठीक नहीं।' यह किसने कहा?

(*i*) लड़की ने ☐ (*ii*) बूढ़े ने ☐ (*iii*) छाते ने ☐

भाषा ज्ञान

1. **एक उत्तर के लिए कई प्रकार से प्रश्न पूछे जा सकते हैं। जैसे–**

प्रश्न – लोगों ने छाते क्यों नहीं निकाले थे?

प्रश्न – छाते क्यों बंद पड़े थे?

प्रश्न – लोगों ने छातों को ठीक क्यों नहीं करवाया था?

उत्तर – क्योंकि बरसात का मौसम नहीं आया था।

आप भी एक उत्तर के लिए कम-से-कम तीन प्रश्न बनाइए–

उत्तर – ....

प्रश्न – ....

प्रश्न – ....

प्रश्न – ....

2. **नीचे दिए विशेष्यों के लिए उपयुक्त विशेषण पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–**

.... बारिश .... धूप .... बेटी

.... पिता .... नींद .... छाते

3. **नीचे दिए वाक्यों में उपयुक्त सर्वनाम शब्द भरिए–**

(क) छाते .... बारिश में भीग जाते हैं। (स्वयं/वह)

(ख) .... बारिश में भीगेगा .... बीमार पड़ेगा। (जहाँ-वहाँ/जो-सो)

(ग) बूढ़ा .... घर के पास रहता है। (मेरे/मुझे)

(घ) गीले छाते बंद मत करो, ... सूखने दो। (उसे/उन्हें)

(ङ) शायद .... दुकान पर आया है? (कैसे/कोई)

लोककथा से आगे

- यदि छाते हड़ताल समाप्त न करते तो क्या होता?
- आप अपने छातों का ध्यान कैसे रखते हैं?

नन्हे हाथों से

प्रत्येक वर्ष विभिन्न ऋतुएँ आती हैं। इन ऋतुओं के नाम उत्तर पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि इन ऋतुओं में आप किन-किन विशेष वस्तुओं का प्रयोग करते हैं?

- **चित्र को देखकर अनुच्छेद या कविता की पंक्तियाँ लिखिए–**

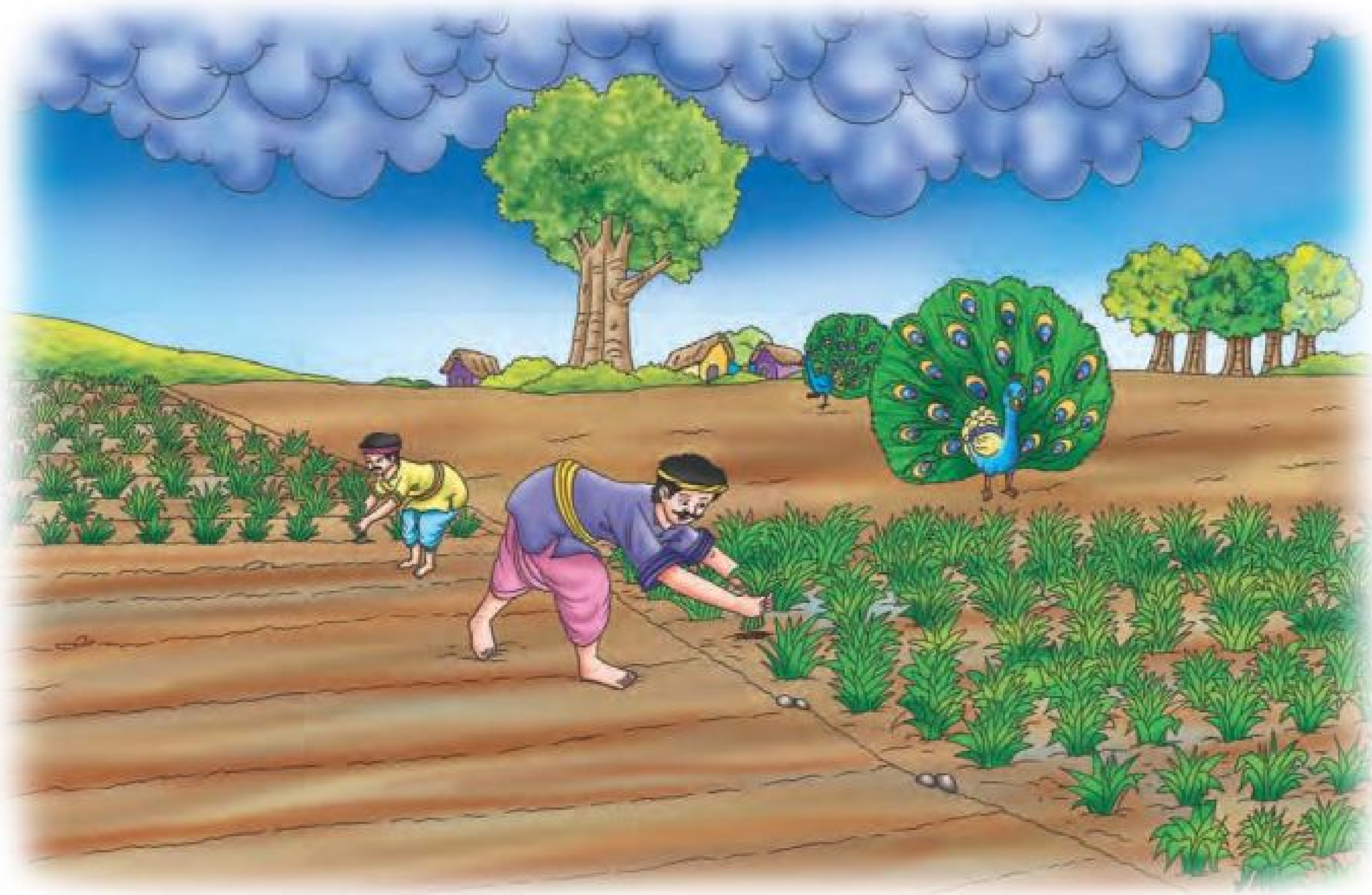

कुछ करने को

- अधिकतर लोग 'इससे कुछ फर्क नहीं पड़ेगा' सोचकर लापरवाही करते रहते हैं। आपको आपके आस-पड़ोस, घर या विद्यालय में ऐसी कौन-कौन सी लापरवाहियाँ नज़र आती हैं जो नहीं की जानी चाहिए। उनकी एक सूची तैयार कीजिए।
- पता लगाइए कि क्या लापरवाही के कारण दुर्घटना के बाद भी लोग सुधरते हैं या वैसी ही लापरवाही पुनः करते हैं? जैसे– आपने टीवी पर देखा होगा कि कान में ईयर फोन लगा होने के कारण कोई दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फिर भी लोग ईयर फोन लगाकर सड़क पर चलते हैं।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके कारण किसी छोटे बच्चे को चोट लग जाए तो–**
  - (क) उसे अनदेखा करके वहाँ से चले जाएँगे। ☐
  - (ख) उससे क्षमा माँगते हुए उसकी यथासंभव सहायता करेंगे। ☐
  - (ग) सारा दोष उसी पर लगाकर उसे डाँटेंगे। ☐
- **यदि आप बारिश में भीगकर घर आएँ तो–**
  - (क) गीले कपड़े, जूते आदि इधर-उधर फेंक देंगे। ☐
  - (ख) गीले कपड़े पहने रहेंगे। ☐
  - (ग) स्नानघर में जाकर कपड़े बदलेंगे और गीले कपड़े धुलने या सूखने के लिए उचित स्थान पर रख देंगे। ☐

15 पानी

जलचक्र के बारे में तो आपने सुना ही होगा। पानी समुद्र से भाप बनकर उड़ता है फिर बादल बनकर बरस जाता है। इसके बाद नदी–नालों में बहता हुआ पानी पुनः समुद्र में समा जाता है। यह तो बात हुई किताबी जलचक्र की।

यदि धरती के जलचक्र की बात करें तो हमें क्या दिखता है? गरमियों में पानी न जाने कहाँ चला जाता है? नदी–नाले सूख जाते हैं। घरों में नलों को खोलने पर सूँ–सूँ की आवाज़ ही आती है, पानी नहीं। सार्वजनिक नलों पर लोग घंटों कतार में लगकर पानी भरते हैं। छोटे गाँव या शहरों की तो बात ही क्या दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों का भी बुरा हाल है। मुंबई में पानी वक्त–बेवक्त आता है। लोग रात की नींद खराब कर पानी भरते हैं। पानी भरने को लेकर आपसी तू–तू , मैं–मैं होना आम बात है।

राजस्थान जैसे राज्यों में तो और भी बुरा हाल है। वहाँ गाँव के लोगों को कई–कई मील पैदल चलकर पानी लाना पड़ता है। दिल्ली तथा उसके आसपास के क्षेत्रों, में जहाँ पानी नहीं पहुँच पाता, वहाँ टैंकरों द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है। उस समय टैंकरों से पानी भरने का दृश्य देखकर मन अचंभित हो जाता है कि आखिर पानी जैसी वस्तु पर लोग क्यों ऐसे टूट पड़ते हैं?

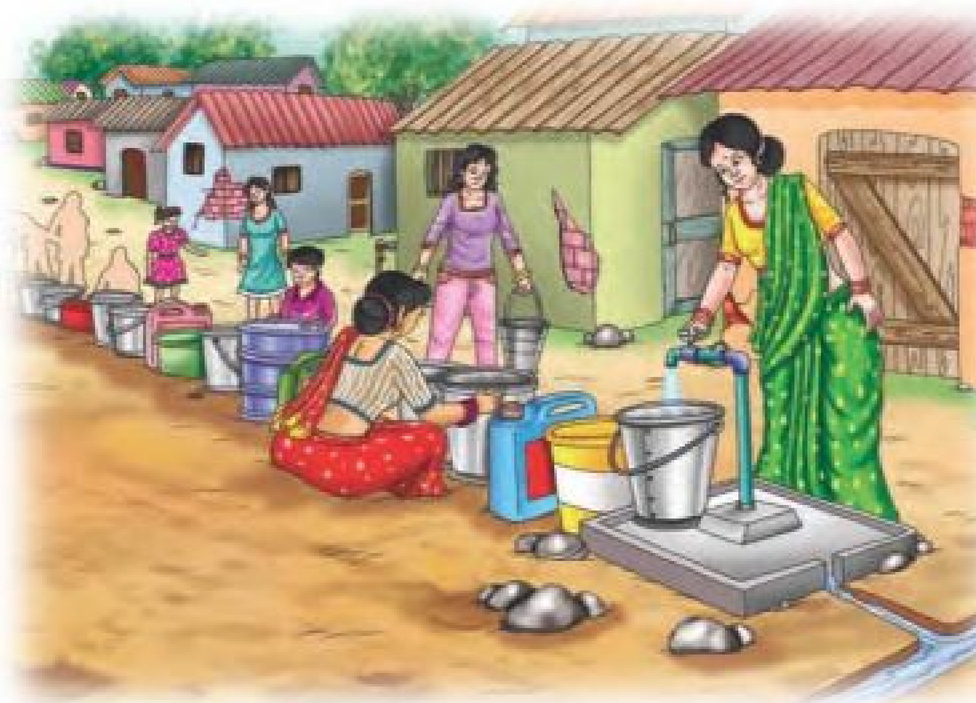

पानी है ही ऐसा तत्त्व जिसके बिना जीवन की गाड़ी ठप्प हो जाती है। देश के कुछ भागों में सूखा पड़ने से अकाल जैसी स्थिति बड़ा भयावह मंजर प्रस्तुत करती है। अब पानी भी बिकने लगा है। धरती की अनमोल वस्तु का भी मोल लगने लगा है। पानी की कमी होने के बावजूद पानी की खपत में पिछले कुछ दशकों में लगभग तीन गुना बढ़ोतरी हुई है।

शिक्षण संकेत

- पानी से संबंधित प्रश्न पूछते हुए बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ।
- पानी प्रकृति की अमूल्य निधि है। इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। पानी की कमी के कारण एवं इस समस्या से निपटने के उपाय बताते हुए बच्चों को पानी का महत्त्व समझाएँ।

लेकिन इसके विपरीत, यदि बरसात के मौसम की बात की जाए तो स्थिति कुछ और ही होती है। थाड़ी-सी वर्षा होते ही जलभराव की स्थिति बन जाती है। सड़कों पर पानी भरने से घंटों जाम में फंसकर रह जाना पड़ता है। देश के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। क्या गाँव, क्या शहर बाढ़ से सब कुछ थम-सा जाता है। जहाँ देखो पानी ही पानी दिखाई देता है। यह समझ में नहीं आता कि आखिर धरती का इतना पानी गरमियों में कहाँ चला जाता है? भूजलस्तर इतना क्यों घट गया है कि कई सौ फीट खोदने पर भी भूजल के दर्शन नहीं होते।

कुछ दशकों पहले तक तो पानी की व्यवस्था बड़ी सुचारु रूप से चलती थी। धरती का भूजलस्तर काफ़ी ऊँचा था। जब घरों में पेयजल की व्यवस्था नहीं थी तब लोग हैंडपंप, कुएँ व तालाबों से पानी लाते थे। उस समय ये सब पानी से लबालब भरे रहते थे। आज कुएँ, तालाब आदि कहाँ चले गए? शहरों में तो इनका नामोनिशान तक नहीं है। गाँवों में भी इनकी उपस्थिति नदारद है।

क्या भूजलस्तर के घटने का कारण तालाब, कुएँ, बावड़ी आदि का समाप्त होना ही तो नहीं है? अवश्य ही, यह एक कारण है क्योंकि तालाब, कुएँ आदि वर्षा के पानी से लबालब भर जाते थे। फिर यही पानी छनकर धरती में समा जाता था जो भूमि के जलस्तर को ऊँचा बनाए रखता था। इसके अन्य कारण भी हैं; जैसे– वनों का कटाव। धरती पर वनों का प्रतिशत दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। पेड़ों की जड़ें पानी को सोखने का कार्य करती हैं। साथ ही धरती पर नमी को बनाए रखती हैं जिससे बाढ़ जैसे हालात पर काबू पाया जा सकता है। परंतु वनों की कमी के कारण धरती की पानी सोखने की क्षमता में कमी आई है। भूजल स्तर के कम होने का एक और कारण है– बड़ी-बड़ी इमारतें। पिछले कुछ दशकों में मानव ने अपनी सुविधा के लिए बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण धड़ल्ले से किया है। इसके अतिरिक्त भूतलों

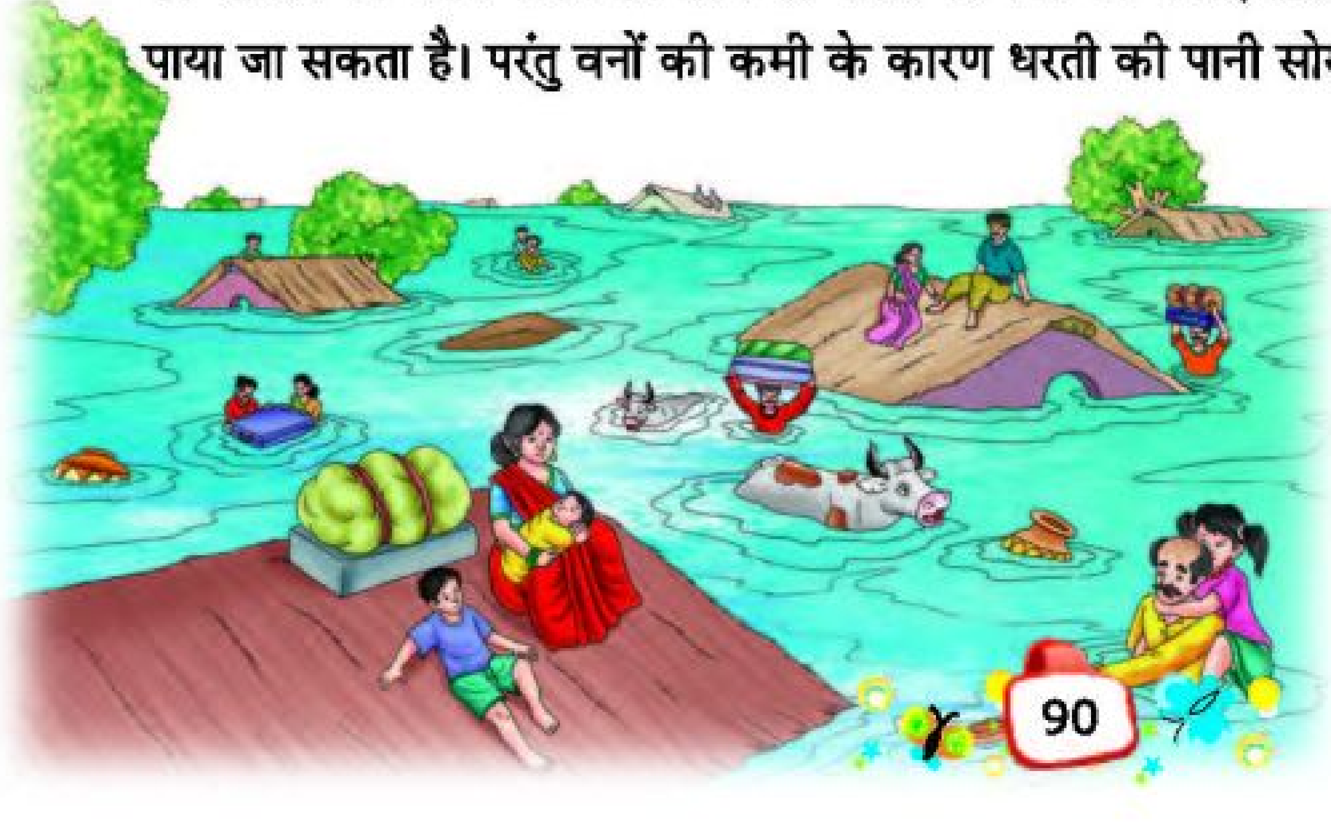

का भी निर्माण किया जा रहा है। जिनके कारण भूजल का बहाव अवरुद्ध हो गया है जो सूखा और बाढ़ दोनों स्थितियों में खलनायक की भूमिका निभाता है।

पानी की दोनों स्थितियों से निपटने के लिए हमें व्यवस्था को सुधारना होगा। अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने होंगे। वर्षा के पानी का अधिक-से-अधिक भंडारण करना होगा। पानी के व्यर्थ बहाव को रोकना होगा। भविष्य को ध्यान में रखते हुए पेयजल के सदुपयोग के सभी तरीकों को अपनाना होगा। नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पानी के लिए अनेक देशों में युद्ध छिड़ जाएगा। कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भविष्यवाणी भी कर दी है कि यदि तीसरा विश्वयुद्ध होगा तो वह पानी को लेकर ही होगा। उनकी भविष्यवाणी सही हो या न हो हमें चेतना होगा और पानी का उपयोग मितव्ययता से करना होगा।

शब्दार्थ

आपूर्ति	- उपलब्धता	अकाल	- सूखा, वर्षा न होना
भयावह	- डरावनी	अनमोल	- अमूल्य, बेशकीमती
जलभराव	- जगह-जगह पानी का भरना	नदारद	- लुप्त, गायब
अवरुद्ध	- बंद होना, रुक जाना	भविष्यवाणी	- भविष्य के लिए कथित उक्ति

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

   समुद्र जलचक्र व्यवस्था नामोनिशान निर्माण भंडारण

2. सोचकर बताइए–

   (क) पानी की कमी से क्या-क्या परेशानियाँ होती हैं?

   (ख) जल संकट के प्रमुख कारणों के बारे में बताइए।

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) पानी की कमी के कारण शहरों और गाँवों की क्या स्थिति होती है? वर्णन कीजिए।

....

....

....

(ख) भूजलस्तर के घटने के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

....

....

....

(ग) बड़ी-बड़ी इमारतें सूखे व बाढ़ का किस प्रकार कारण बनती हैं?

....

....

....

(घ) पानी की कमी को दूर करने के लिए हमें क्या-क्या उपाय करने चाहिए?

....

....

....

2. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) लोग घंटों कतार में लगकर पानी कहाँ से भरते हैं?

(*i*) घरों से ☐ (*ii*) सार्वजनिक नलों से ☐ (*iii*) नदियों से ☐

(ख) दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में जहाँ पानी की आपूर्ति पाइप लाइनों द्वारा नहीं हो पाती, वहाँ पानी कैसे भेजा जाता है?

(*i*) नहरों से ☐ (*ii*) रिक्शा से ☐ (*iii*) टैंकरों से ☐

(ग) पिछले कुछ दशकों में पानी की खपत में कितनी बढ़ोतरी हुई है?

(*i*) तीन गुना ☐ (*ii*) दो गुना ☐ (*iii*) चार गुना ☐

(घ) बरसात के दिनों में शहरों में सड़कों पर कौन-सी स्थिति देखने को मिलती है?

(*i*) जलभराव की ☐ (*ii*) अकाल की ☐ (*iii*) बाढ़ की ☐

(ङ) भूजल का बहाव किसके कारण अवरुद्ध हो गया है?

(*i*) पेड़ों के कारण ☐ (*ii*) भूतलों के निर्माण के कारण ☐

(*iii*) नदियों के कारण ☐

3. वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) गरमियों में घरों के नल खोलने पर पानी के स्थान पर सूँ-सूँ की आवाज़ आती है। ☐

(ख) कुछ गाँवों में कई-कई मील पैदल चलकर पानी लाना पड़ता है। ☐

(ग) पिछले कुछ दशकों में भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई है। ☐

(घ) वनों के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। ☐

(ङ) 'तीसरा विश्वयुद्ध पानी के कारण होगा' विशेषज्ञों द्वारा यह भविष्यवाणी की गई है। ☐

भाषा ज्ञान

काल तीन प्रकार के होते हैं–भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत काल। इनके अनुसार क्रिया भी तीन प्रकार की होती है। क्रियाओं के माध्यम से काल की पहचान की जा सकती है। यदि वाक्य के अंत में रहा है, रहे हैं आदि आए तो वह वर्तमानकालिक क्रिया होती है। जब था, थे, थी आदि शब्द आएँ तो क्रिया भूतकालिक होती है। यदि वाक्य के अंत में होगा, होगी आदि शब्द आएँ तो क्रिया भविष्यतकालिक होती है।

1. नीचे दिए वाक्यों में क्रियाओं के काल बताइए–

(क) लोग हैंडपंप, कुएँ, तालाब आदि से पानी लाते थे। ....

(ख) पानी को लेकर आपसी तू-तू, मैं-मैं होना आम बात है। ....

(ग) दिन-प्रतिदिन पानी की खपत बढ़ रही है। ....

(घ) तीसरा विश्वयुद्ध पानी के कारण होगा। ....

(ङ) हमें अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने होंगे। ....

2. नीचे दिए वाक्यों में कारक शब्दों को पहचानकर उन पर ◯ लगाइए–

(क) गरमियों में पानी न जाने कहाँ चला जाता है?

(ख) टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जाती है।

(ग) जड़ें पानी को सोखने का कार्य करती हैं।

संज्ञा या सर्वनाम का जो रूप वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध स्थापित करे, उसे कारक कहते हैं। ने, को, से, के लिए, में, पर, का, के, की, हे आदि कारक चिह्न हैं।

(घ) प्रतिवर्ष देश के कुछ हिस्से बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं।

(ङ) दोनों स्थितियों से निपटने के लिए हमें व्यवस्था को सुधारना होगा।

3. नीचे दिए संज्ञा शब्दों को छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए–

भारत किताब मुंबई दिल्ली शहर पानी राजस्थान मिठास
हँसी हरियाली कुएँ गरमी तालाब कठोरता कोलकाता

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

लेख से आगे

- 'भविष्य में यदि विश्वयुद्ध होगा तो वह पानी के कारण होगा।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? पक्ष या विपक्ष में तर्क सहित उत्तर दीजिए।
- प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, सूखा आदि) के लिए मनुष्य स्वयं जिम्मेदार है। इस कथन में कितनी वास्तविकता है? स्पष्ट कीजिए।

कुछ करने को

- पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर और नारे तैयार करके कक्षा में लगाइए। यह कार्य समूह में भी किया जा सकता है।
- पानी से संबंधित मुहावरे लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

नन्हे हाथों से

- **पानी की बर्बादी पर अपनी कॉपी में एक लेख लिखिए।**

- **चित्र को देखकर में एक अनुच्छेद लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- **यदि विद्यालय में आपके सामने कोई छात्र/ छात्रा पानी का नल खुला छोड़कर चला/ चली जाए तो–**

(क) उस छात्र/छात्रा की शिकायत अध्यापक से करेंगे। ☐

(ख) नल बंद कर देंगे। ☐

(ग) उसकी कक्षा में जाकर उसे डाँट लगाएँगे और उसे नल बंद करने को कहेंगे। ☐

- **यदि आपके घर के आसपास किसी गड्ढे में वर्षा का पानी इकट्ठा हो जाए तो–**

(क) उसमें कीटनाशक डाल देंगे ताकि मच्छर पैदा न हों। ☐

(ख) उसकी शिकायत नगर-निगम से करेंगे। ☐

(ग) उसकी ओर ध्यान ही नहीं देंगे। ☐

16 कदंब का पेड़

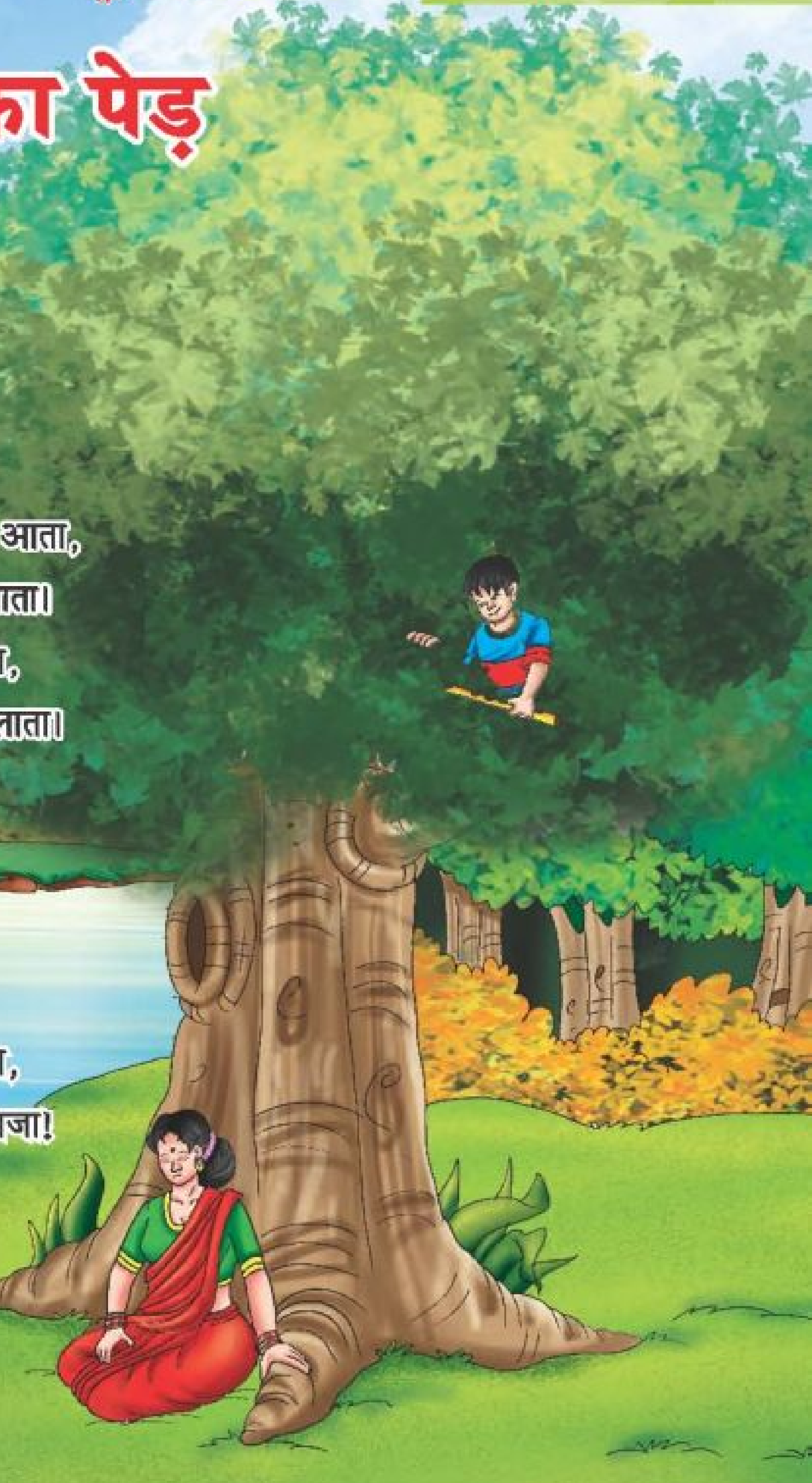

यह कदंब का पेड़ अगर माँ, होता यमुना तीरे,
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।
ले देती यदि मुझे बाँसुरी तुम दो पैसे वाली,
किसी तरह नीची हो जाती, यह कदंब की डाली।

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता,
उस नीची डाली से अम्माँ, ऊँचे पर चढ़ जाता।
वहीं बैठ फिर बड़े मज़े से मैं बाँसुरी बजाता,
अम्मा-अम्मा कह बंसी के स्वर में तुम्हें बुलाता।

सुन मेरी बंसी को माँ तुम इतनी खुश हो जातीं,
मुझे देखने काम छोड़कर, बाहर तक तुम आतीं।
तुमको आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता,
पत्तों में छिपकर धीरे-से फिर बाँसुरी बजाता।

गुस्सा होकर मुझे डाँटतीं, कहतीं—नीचे आ जा,
पर जब मैं न उतरता, हँसकर कहतीं—मुन्ना राजा!
नीचे उतरो मेरे भैया! तुम्हें मिठाई दूँगी,
नए खिलौने, माखन-मिसरी, दूध-मलाई दूँगी।

मैं हँसकर सबसे ऊपर की टहनी पर चढ़ जाता,
एक बार कह 'माँ' पत्तों में वहीं छुप जाता।
बहुत बुलाने पर भी माँ, जब मैं न उतरकर आता,
तब माँ, माँ का हृदय तुम्हारा बहुत विकल हो जाता।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि यह कविता हिंदी की प्रसिद्ध कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखी गई है। इस कविता में माँ और बच्चे की अनूठी प्रेम गाथा है। बच्चों को इसे लय में गाने को कहें। बच्चों से रोचक प्रश्न पूछें, जैसे कि बच्चा क्या बनना चाहता है और क्यों? माँ क्यों परेशान हो जाती है और कैसे प्रसन्न हो जाती है? आदि।
- बच्चों से कविता को भावपूर्ण कहानी के रूप में लिखने को कहें।

तुम आँचल पसारकर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे,
ईश्वर से कुछ विनती करतीं, बैठी आँखें मीचे।
तुम्हें ध्यान में लगा देख, मैं धीरे-धीरे आता,
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता।
तुम घबराकर आँखें खोलतीं, फिर खुश हो जातीं,
जब अपने मुन्ना राजा को गोदी में ही पातीं।
इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे,
माँ, कदंब का पेड़ अगर यह होता यमुना तीरे।

—सुभद्रा कुमारी चौहान

शब्दार्थ

यमुना तीरे	-	यमुना नदी के किनारे	कन्हैया	-	कृष्ण
डाली	-	टहनी, शाखा	हृदय	-	दिल
विकल	-	बेचैन, व्याकुल	पसारकर	-	फैलाकर
विनती	-	प्रार्थना	आँखें मीचना	-	आँखें बंद करना

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कदंब बाँसुरी हृदय आँचल ईश्वर

2. सोचकर बताइए–

(क) बच्चा कन्हैया क्यों बनना चाहता है?

(ख) माँ ईश्वर से विनती क्यों करती है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) कदंब के पेड़ को देखकर बच्चे के मन में क्या इच्छा होती है?

....

(ख) बच्चा बाँसुरी बजाकर किसे बुलाना चाहता है?

....

(ग) माँ के बार-बार बुलाने पर भी बच्चा नीचे क्यों नहीं आता है?

....

(घ) बच्चे को न पाकर माँ क्या करती है?

....

(ङ) माँ के व्याकुल होने पर बच्चा क्या करता है?

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पेड़ कौन-सी नदी के किनारे होने की कल्पना की गई है?

(*i*) गंगा ☐ (*ii*) ब्रह्मपुत्र ☐ (*iii*) यमुना ☐

(ख) बच्चा कहाँ छिपने की बात कर रहा है?

(*i*) पत्तों में ☐ (*ii*) पौधों में ☐ (*iii*) छत पर ☐

(ग) 'विकल' शब्द का क्या अर्थ है?

(*i*) चैन ☐ (*ii*) खुश ☐ (*iii*) बेचैन ☐

(घ) बालक बाँसुरी के स्वर में किसे बुलाना चाहता है?

(*i*) पिता जी को ☐ (*ii*) अम्मा को ☐ (*iii*) दीदी को ☐

(ङ) 'कृष्ण' को कौन-सा पेड़ प्रिय था?

(*i*) आम का ☐ (*ii*) केले का ☐ (*iii*) कदंब का ☐

3. नीचे दी पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) यह कदंब का .... तीरे,

.... धीरे-धीरे।

(ख) गुस्सा .... जा,

.... राजा!

(ग) तुम घबराकर .... जातीं,

.... पातीं।

भाषा ज्ञान

1. कविता से कुछ समान लय वाले शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

धीरे	–	....	जातीं	–	....
वाली	–	....	आता	–	....
बजाता	–	....	नीचे	–	....

2. नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

पेड़	–	....	....	ईश्वर	–	....	....
माँ	–	....	....	आँखें	–	....	....
तीरे	–	....	....	राजा	–	....	....

3. नीचे दिए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) लगाइए–

आखें	–	....	आचल	–	....
मा	–	....	बसी	–	....
कदब	–	....	बासुरी	–	....

जो स्वर मुख और नाक से बोले जाते हैं, उन्हें **अनुनासिक** (ँ) कहते हैं; जैसे– ऊँट, चाँद आदि।

विशेष– जिन वर्णों में अनुनासिक की मात्रा शिरोरेखा के ऊपर लगाई जाती है, वहाँ चंद्रबिंदु (ँ) के स्थान पर बिंदु (ं) लगाया जाता है; जैसे–क्यों, मैं, नहीं आदि।

4. कविता से कुछ अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

अनुस्वार	अनुनासिक
....	....
....	....

नन्हे हाथों से

- **श्री कृष्ण बाँसुरी बजाकर अपने मित्रों के साथ खेला करते थे। नदी के किनारे घटित उनके जीवन की किसी घटना का संक्षिप्त वर्णन कीजिए–**

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- कदंब का पेड़, माँ, बेटा, नदी का किनारा आदि की कल्पना करके इस कविता को एक चित्रकथा के रूप में चित्रित कीजिए।
- सुभद्रा कुमारी चौहान की अन्य कविताओं को पढ़िए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपकी माँ आपसे किसी बात पर नाराज़ हो जाएँ तो–**

(क) आप भी उनसे नाराज़ हो जाएँगे। ☐

(ख) शांत होकर बैठ जाएँगे और उनकी नाराज़गी दूर होने का इंतज़ार करेंगे। ☐

(ग) गलती की क्षमा माँगते हुए, उन्हें प्यार से मना लेंगे। ☐

- **यदि आपका छोटा भाई/बहन आपकी बात न माने तो–**

(क) उससे प्रेमपूर्वक अपनी बात मनवा लेंगे। ☐

(ख) उससे नाराज़ हो जाएँगे। ☐

(ग) उसकी पिटाई करेंगे। ☐

17 विकास की डायरी

27 मई, 20......

मैं पिछले एक सप्ताह से विश्व के महान आविष्कारकों की जीवनियाँ पढ़ रहा हूँ। कुछ तो मैं पढ़ चुका हूँ और कुछ पढ़ना अभी बाकी हैं। इन्हें पढ़कर मेरे मन में बहुत-से विचार उमड़-घुमड़ रहे हैं।

मुझे लग रहा है कि हमारे जीवन को सुखी और आरामदायक बनाने के लिए आविष्कारकों ने क्या कुछ नहीं किया? दिन-रात एक करके, अपनी भूख-प्यास भूलकर, वे अपने लक्ष्य को पाने में लगे रहे। ऐसे धुन के पक्के लोगों के कारण ही आज हम आधुनिक सुख-सुविधाएँ भोग रहे हैं। ऐसी ही, एक धुन के पक्के थे राइट बंधु जिन्होंने मानव का आसमान में उड़ने का सपना साकार कर दिखाया।

मनुष्य का आसमान में उड़ने का सपना बहुत पुराना है। सबसे पहले लियोनार्डो द विंची ने इस सपने को साकार करना चाहा था। उन्होंने आसमान में उड़ने के लिए ग्लाइडर का निर्माण किया था। इसके लिए उन्होंने पहले तो गुब्बारे में गैस भरकर उड़ाने की कोशिश की, फिर गैस की जगह इंजन लगाकर उड़ान भरी। इस प्रकार उनका ग्लाइडर तैयार हो गया, पर ग्लाइडर को अपनी इच्छा से चलाया या रोका नहीं जा सकता था। एक बात और थी कि अधिकतर ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते थे।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि प्रस्तुत पाठ एक बच्चे की डायरी का पन्ना है। आविष्कारकों की जीवनियाँ पढ़कर उसने जो ज्ञान अर्जित किया, उसी के आधार पर उसने इसे लिखा है।
- बच्चों से डायरी को प्रभावशाली ढंग से पढ़वाएँ एवं आविष्कारों के बारे में रोचक प्रश्न पूछें।
- बच्चों को अपने मन की बात डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें। किसी बच्चे द्वारा अच्छी बात लिखने पर उसे कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।

इनसे आगे की सोच पर राइट बंधुओं ने काम किया। इनमें बड़े भाई का नाम विलबर तथा छोटे का ओरविल था। दोनों अमेरिका के एक गरीब पादरी के बेटे थे। उन्होंने विज्ञान की कोई विधिवत शिक्षा तो प्राप्त नहीं की थी, पर वे धुन के पक्के थे। वे साइकिल बनाने और उनकी मरम्मत करने का काम करते थे। उन्होंने ग्लाइडर को देखकर विमान बनाने की सोची।

17 अगस्त, 1903 को अमेरिका के नार्थ कैरोलिना के तट पर उन्होंने अपना पहला वायुयान उड़ाकर दिखाया। वह विमान चालीस मीटर तक उड़ा, फिर ज़मीन पर आ गिरा। उन्हें अपने प्रयास में कई बार असफलता का मुँह देखना पड़ा पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बार-बार प्रयास कर अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए अंततः उन्होंने अपना सपना सच कर दिखाया। आज हम विमान में बैठकर कुछ ही घंटों में हज़ारों किलोमीटर की यात्रा कर लेते हैं, यह सब उन्हीं की देन है। यद्यपि आसमान में उड़ने की बातें रामायण और पुराणों में भी देखने-सुनने को मिलती हैं परंतु इन कथाओं में कितना सच है, यह नहीं कहा जा सकता। मनुष्य का आसमान में उड़ने का सपना साकार होना, इन दोनों भाइयों के अद्‌भुत कौशल व धुन का ही परिणाम है। आधुनिक मानव सभ्यता राइट बंधुओं के अद्‌भुत आविष्कार के लिए सदैव ऋणी रहेगी।

शब्दार्थ

आविष्कारक	–	किसी वस्तु की खोज करने वाला (प्रथम निर्माता)			
धुन	–	लगन	सपना साकार करना	–	सोच को वास्तविकता में बदलना
दुर्घटनाग्रस्त	–	क्षतिग्रस्त	ऋणी	–	आभारी, कर्ज़दार

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

आविष्कार आधुनिक सुविधाएँ ग्लाइडर विधिवत

2. **सोचकर बताइए–**

(क) विकास एक सप्ताह से किस कार्य में व्यस्त था?

(ख) मनुष्य का आसमान में उड़ने का सपना किसने साकार किया?

(ग) बार-बार असफल होने पर राइट बंधुओं ने क्या किया?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) ग्लाइडर का निर्माण किसने और क्यों किया?

....

....

(ख) किसे देखकर राइट बंधुओं के मन में विमान बनाने का विचार आया?

....

....

(ग) राइट बंधुओं के पहले वायुयान की उड़ान सफल क्यों नहीं मानी गई?

....

....

(घ) आधुनिक मानव सभ्यता राइट बंधुओं की ऋणी क्यों रहेगी?

....

....

2. उचित मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
अमेरिका के नार्थ कैरोलिना के तट पर	वायुयान के आविष्कारक थे।
विलबर तथा ओरविल	ने ग्लाइडर का आविष्कारक किया।
लियोनार्डो द विंची	केवल चालीस मीटर तक ही उड़ पाया।
पहला वायुयान	वायुयान ने पहली उड़ान भरी।

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) विकास किनकी जीवनियाँ पढ़ रहा था?

(*i*) साहित्यकारों की ☐ (*ii*) आविष्कारकों की ☐ (*iii*) खिलाड़ियों की ☐

(ख) आविष्कारक किसके पक्के होते हैं?

(*i*) धुन के ☐ (*ii*) नाम के ☐ (*iii*) दाम के ☐

(ग) राइट बंधु किसके बेटे थे?

(*i*) लियोनार्डो के ☐ (*ii*) डॉक्टर के ☐ (*iii*) गरीब पादरी के ☐

(घ) राइट बंधु क्या काम करते थे?

(*i*) साइकिल बनाने का ☐ (*ii*) कार बनाने का ☐ (*iii*) घर बनाने का ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों से उपसर्ग/प्रत्यय अलग करके लिखिए–

सुखी = सुख + ई आरामदायक = ... + ...

साकार = ... + ... विज्ञान = ... + ...

असफलता = ... + ... सभ्यता = ... + ...

2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जिसका कोई आकार हो ....

(ख) जिसका कोई आकार न हो ....

(ग) जिसके समान कोई दूसरा न हो ....

(घ) दूर की सोचने वाला ....

(ङ) जो कार्य कठिन हो ....

3. चित्र देखकर मुहावरे लिखिए–

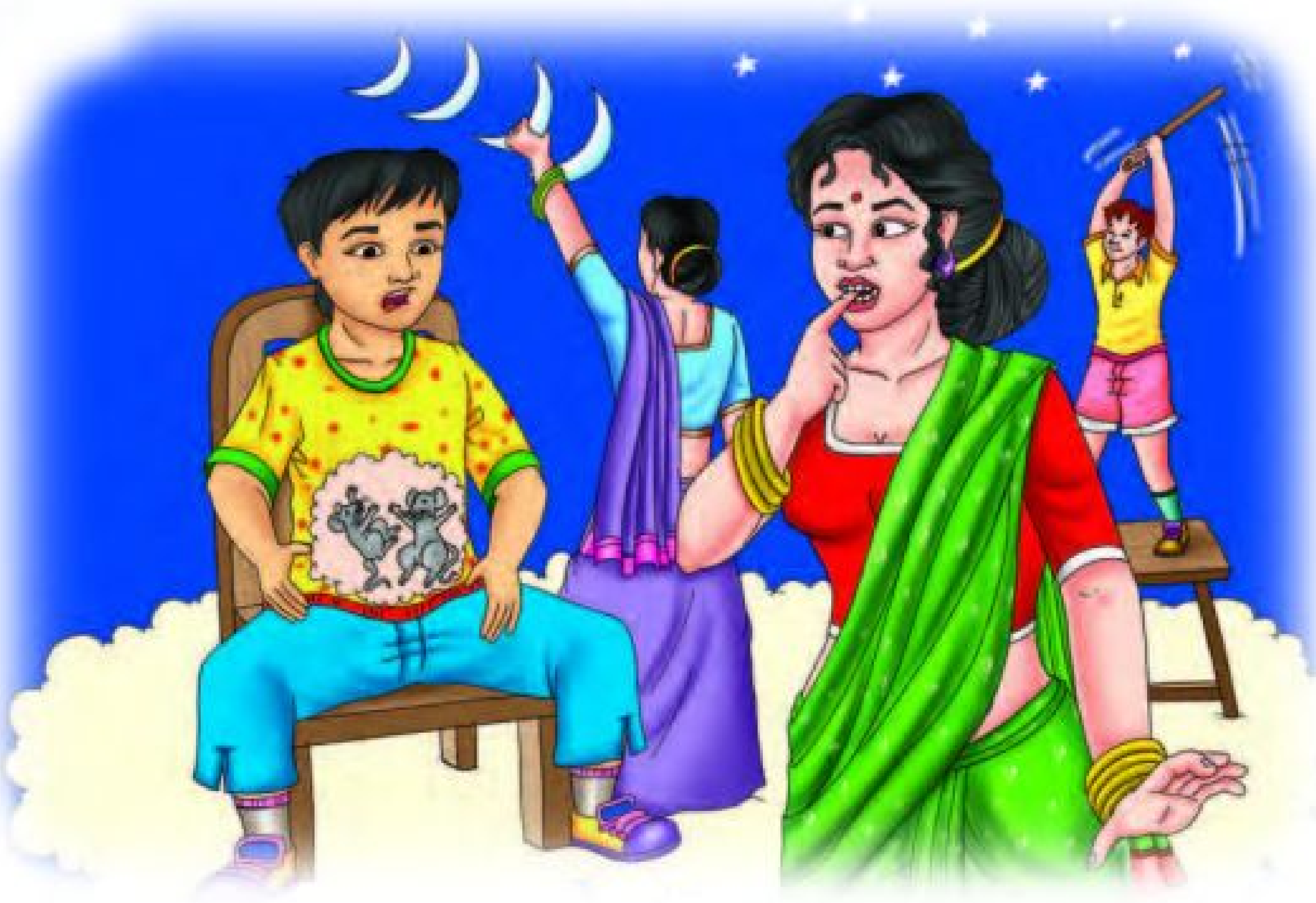

....

....

कुछ शब्द एक जैसे दिखते हैं परंतु उनके अर्थ भिन्न होते हैं; जैसे– दिन–दिवस, दीन–गरीब

4. नीचे दिए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

सुत .... – ....

सूत .... – ....

कुल .... – ....

कूल .... – ....

ग्रह .... – ....

गृह .... – ....

5. अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक स्थान पर एक बाँस और जामुन का पेड़ था। जामुन का पेड़ बहुत मज़बूत था उसकी शाखाएँ चारों ओर फैली थीं। जबकि बाँस का पेड़ पतला–सा तथा लचीला था। जिस दिशा में हवा चलती थी, वह उस ओर ही झुक जाता था। एक बार जामुन ने बड़े रूखे स्वर में बाँस के पेड़ से कहा,

"कभी तो शान से खड़े हुआ करो। हवा जिधर चाहे ऊधर झुका देती है और तुम बड़ी आसानी से झुक जाते हो। मुझे देखो कैसे शान से खड़ा रहता हूँ।" बाँस का पेड़ कुछ नहीं बोला। एक दिन तेज़ आँधी आई। जामुन का पेड़ गिर गया और बाँस का पेड़ उसी तरह खड़ा लहरा रहा था। उसे देखकर जामुन के पेड़ को कहावत याद आ गई कि घमंडी का सिर नीचा होता है।

(क) जामुन का पेड़ कैसा था?

(*i*) लचीला ☐ (*ii*) मज़बूत ☐ (*iii*) पतला ☐

(ख) कौन-सा पेड़ हवा की दिशा में झुक जाता था?

(*i*) जामुन का ☐ (*ii*) सेब का ☐ (*iii*) बाँस का ☐

(ग) आँधी में कौन-सा पेड़ गिर गया था?

(*i*) बाँस का ☐ (*ii*) जामुन का ☐ (*iii*) नीम का ☐

(घ) इनमें से कौन-सा शब्द गद्यांश में विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुआ है?

(*i*) लहरा ☐ (*ii*) शान ☐ (*iii*) तेज़ ☐

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर अनुच्छेद लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- मनुष्य नित नई खोजों में लगा रहता है। मनुष्य की भ्रमण-प्रवृत्ति ने उससे परिवहन के साधनों का निर्माण करवाया। ज़मीन, आसमान और पानी, तीनों स्थानों पर उसके बनाए हुए साधन दौड़ रहे हैं। अब तो मनुष्य ने अंतरिक्ष में उड़ना भी सीख लिया है। 'समुद्र में सुरंग बनाकर रेलगाड़ियों का आवागमन भी उसकी अद्‌भुत खोज का ही परिणाम है। आप भी कुछ ऐसी ही खोजों के बारे में पता लगाइए।
- अपनी डायरी में प्रतिदिन घटने वाली विशेष घटनाओं को लिखिए।
- कुछ आविष्कार और उनके आविष्कारकों के चित्र चिपकाकर उनके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि अध्यापक आपको ऐसा प्रोजेक्ट बनाने को कहें जो आज तक किसी ने न बनाया हो तो–**

(क) प्रोजेक्ट करने से मना कर देंगे। ☐

(ख) उसे माँ-पिताजी के करने के लिए छोड़ देंगे। ☐

(ग) बड़ों की सहायता द्वारा उस प्रोजेक्ट को बनाकर अध्यापक को दिखा देंगे। ☐

18 ईदगाह

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद आज ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है! आसमान पर कुछ अजीब-सी लालिमा छाई है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है मानो संसार को ईद की बधाइयाँ दे रहा हो। गाँव में कितनी हलचल है! ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं।

लड़के सबसे अधिक प्रसन्न हैं। बार-बार जेब से खज़ाना निकालकर गिनते हैं। महमूद गिनता है, एक-दो ....,दस-बारह। उसके पास बारह पैसे हैं। मोहसिन के पास पंद्रह पैसे हैं। इन्हीं अनगिनत पैसों से अनगिनत चीज़ें लाएँगे– खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल, गेंद और न जाने क्या-क्या? इनमें सबसे अधिक प्रसन्न है– हामिद। वह चार-पाँच साल का, भोली सूरत का दुबला-पतला लड़का है। जिसके अब्बा गत वर्ष हैज़े की भेंट चढ़ गए और अम्मी न जाने क्यों पीली पड़ती चली गई और एक दिन मर गई। किसी को पता न चला कि उसे क्या बीमारी थी?

अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोद में सोता है। दादी ने उसे बता रखा है कि उसके अब्बा जान रुपये कमाने गए हैं और अम्मी जान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत सारी अच्छी-अच्छी चीज़ें लाने के लिए गई हैं, इसलिए हामिद प्रसन्न रहता है। आशा तो बड़ी चीज़ है। हामिद के पाँव में जूते नहीं हैं, सिर पर एक पुरानी टोपी है, जिसका गोटा काला पड़ गया है लेकिन फिर भी वह प्रसन्न है। अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन है और उसके घर में अन्न का दाना तक नहीं है, पर हामिद को कैसे रोके, वह तो सुबह से ही ईदगाह जाने को उतावला हो रहा है। अमीना के

शिक्षण संकेत

- यह कहानी प्रसिद्ध लेखक मुंशी प्रेमचंद की है। बच्चों को प्रेमचंद के बारे में जानकारी दें।
- कहानी को रोचक ढंग से पढ़वाएँ और बच्चों में प्रेम, त्याग व समर्पण की भावना का विकास करें।

पास पैसे भी नहीं हैं। मुश्किल से तीन पैसे जुटा पाई है। हामिद भीतर जाकर दादी से कहता है–"तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आ जाऊँगा। बिलकुल मत डरना।"

अमीना का दिल कचोट रहा था। गाँव के सभी बच्चे अपने-अपने अब्बा जान के साथ ईदगाह जा रहे हैं। हामिद का मेरे सिवा और कौन है? भीड़ में बच्चा कहीं खो गया तो क्या होगा? तीन कोस चलेगा कैसे? पैरों में छाले पड़ जाएँगे। जूते भी तो नहीं हैं।

दादी सोचती है कि काश! मैं थोड़ी दूर चलकर, उसे गोदी ले लेती, लेकिन यहाँ सेवइयाँ कौन पकाएगा? पैसे होते तो लौटते समय सारी सामग्री जमा करके झटपट बना लेती लेकिन पैसे के अभाव में तो चीज़ें एकत्र करते-करते घंटों लग जाएँगे।

गाँव से बड़े और बच्चों का मेला चला। दूसरे बच्चों के साथ हामिद भी जा रहा था। कभी सब दौड़कर आगे निकल जाते तो कभी किसी पेड़ के नीचे खड़े होकर साथ वालों की प्रतीक्षा करते। रास्ते में हलवाइयों की दुकानें मिठाइयों से सजी हुई थीं। जैसे-जैसे ईदगाह के पास पहुँचने लगे, बस्ती घनी होने लगी। ईदगाह जाने वालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं। सभी एक-से-एक भड़कीले वस्त्र पहने हुए थे। कोई इक्के-तांगे पर सवार था तो कोई मोटर पर। सामने ईदगाह नज़र आई। नमाज़ शुरू हो गई, लाखों सिर एक साथ सजदे में झुके, फिर सब-के-सब एक साथ खड़े हो गए। नमाज़ पूरी हो गई। लोग गले मिलकर एक-दूसरे को ईद-मुबारक कहने लगे। इसके बाद मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर भीड़ जमा होने लगी। हामिद दूर खड़ा था। उसके पास केवल तीन पैसे थे। मोहसिन भिश्ती खरीदता है, महमूद सिपाही और नूरे वकील। हामिद खिलौनों को ललचाई नज़रों से देखता है और अपने-आपको समझाता है, "मिट्टी के हैं, गिरे तो चकनाचूर हो जाएँगे।" फिर मिठाइयों की दुकानें आती हैं। किसी ने रेवड़ियाँ लीं, किसी ने गुलाबजामुन और किसी ने सोहन हलवा। मोहसिन कहता है, "हामिद, रेवड़ी ले ले। देख, कितनी खुशबूदार हैं। सब मज़े से खा रहे हैं।" हामिद सबको ललचाई नज़रों से देख रहा था। मिठाइयों के बाद लोहे की चीज़ों की दुकानें आती हैं जहाँ कई चिमटे रखे हुए थे।

हामिद को ख्याल आता है कि दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाता है, अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे तो वह कितनी प्रसन्न होंगी! फिर उनकी उँगलियाँ भी न जलेंगी। दादी अम्मा चिमटा देखते ही मेरे हाथ से ले लेंगी और कहेंगी–"मेरा बच्चा! अम्मा के लिए चिमटा लाया है।" हज़ारों दुआएँ देंगी फिर पड़ोस की औरतों को दिखाएँगी और कहेंगी कि हामिद चिमटा लाया है, कितना अच्छा लड़का है! बड़ों की दुआएँ सीधे अल्लाह के दरबार में पहुँचती हैं और तुरंत सुनी जाती हैं। यह सोचकर हामिद ने दुकानदार से पूछा, "यह चिमटा कितने का है?" दुकानदार ने झट से कहा–"छह पैसे का और एक भी पैसा कम न होगा।" चिमटे की कीमत छह पैसे सुनकर हामिद का दिल बैठ गया। हामिद ने कलेजा मज़बूत करके कहा, "तीन पैसे लोगे?" यह कहकर वह आगे बढ़ गया कि कहीं दुकानदार झिड़क न दे।

लेकिन दुकानदार ने उसे बुलाकर चिमटा दे दिया। हामिद ने उसे इस तरह कंधे पर रखा मानो बंदूक हो और शान से अकड़ता हुआ साथियों के पास चला आया। मोहसिन ने हँसकर कहा, "यह चिमटा क्यों लाया पगले! इसका क्या करेगा?"

हामिद ने चिमटा ज़मीन पर पटककर कहा–"ज़रा अपना भिश्ती ऐसे ज़मीन पर गिरा कर देखो, सारी हड्डी-पसलियाँ चूर-चूर न हो जाएँ तो कहना।"

महमूद बोला–"यह चिमटा कोई खिलौना थोड़े ही है?"

हामिद ने कहा–"खिलौना, क्यों नहीं? कंधे पर रखा, बंदूक हो गई और हाथ में लिया तो फकीरों का चिमटा हो गया। चाहूँ तो इससे मंजीरे का काम भी ले सकता हूँ। एक चिमटा जमा दूँ तो तुम लोगों के सारे खिलौनों की जान निकल जाए। तुम्हारे खिलौने कितना ही ज़ोर लगा लें, वे मेरे चिमटे का बाल भी बाँका नहीं कर सकते। बहादुर शेर है मेरा चिमटा!"

चिमटे ने सबको मोहित कर दिया, लेकिन अब पैसे किसके पास थे! फिर मेले से दूर भी निकल आए थे। सब सोचने लगे–हामिद है बड़ा चालाक! सच ही तो है, खिलौनों का क्या भरोसा? टूट-फूट जाएँगे। हामिद का चिमटा बना रहेगा बरसों। मोहसिन ने कहा– "ज़रा अपना चिमटा दिखा दो, तुम मेरा भिश्ती देख लो।"

महमूद और नूरे ने भी अपने-अपने खिलौने पेश किए। हामिद को कोई आपत्ति न थी। चिमटा बारी-बारी से सबके हाथ में गया और सबके खिलौने बारी-बारी से हामिद के हाथ में आए। रास्ते में महमूद को भूख लगी तो उसके अब्बा जान ने खाने को केले लेकर दिए। महमूद ने केवल हामिद को ही साझी बनाया और उसके अन्य मित्र मुँह ताकते रह गए। यह उस चिमटे का ही चमत्कार था।

ग्यारह बजे गाँव में हलचल-सी मच गई। ईदगाह और मेले से लौटकर सभी घर आ गए थे। मोहसिन की छोटी बहन ने दौड़कर भिश्ती को उसके हाथ से छीन लिया और मारे खुशी के उछली तो मियाँ भिश्ती नीचे आ गिरे और टुकड़े-टुकड़े हो गए। इस पर भाई-बहन में मारपीट शुरू हो गई। उधर नूरे ने वकील को पटरे पर बिठाकर पंखा झलना शुरू किया। थोड़ी ही देर में वकील साहब माटी में मिल गए। महमूद का सिपाही भी ज़मीन पर गिरकर एक टाँग तुड़वा बैठा। घर आने पर हामिद की आवाज़ सुनते ही अमीना दौड़ी और उसे गोद में उठाकर प्यार करने लगी। सहसा उसके हाथ में चिमटा देखकर वह चौंकी।

"यह चिमटा कहाँ से लाया?"

"मैंने मोल लिया है।"

"कितने पैसे में?"

"तीन पैसे में।"

अमीना ने छाती पीट ली और कहा–"तू कैसा नासमझ लड़का है? न कुछ खाया, न पिया। लाया क्या, चिमटा! सारे मेले में तुझे और कोई चीज़ न मिली जो यह लोहे का चिमटा उठा लाया?"

हामिद ने अपराधी भाव से कहा– "तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने इसे ले लिया।"

बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। यह मूक स्नेह था– रस और स्वाद से भरा। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है! दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! वहाँ भी बूढ़ी दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया और वह रोने लगी। आँचल फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती और आँसुओं की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थी। हामिद इसका रहस्य क्या समझता!

–मुंशी प्रेमचंद

शब्दार्थ

प्रभात	–	सुबह			
ईदगाह	–	ईद के दिन एकत्र होकर नमाज़ पढ़ने की जगह			
गत	–	पिछले	अभागिन	–	बदकिस्मत
दिल कचोटना	–	दिल दुखना	सजदा करना	–	माथा टेकना
भिश्ती	–	मशक से पानी ढोने वाला			
बाल भी बाँका न कर सकना	–	ज़रा भी नुकसान न पहुँचा पाना।			
आपत्ति	–	संकट, एतराज़	स्नेह	–	प्यार
विवेक	–	बुद्धि	गदगद होना	–	खुश होना

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

हलवाइयों   रेवड़ियाँ   खुशबूदार   स्नेह   त्याग

2. **सोचकर बताइए–**

(क) ईद के दिन लड़के क्यों प्रसन्न थे?

(ख) हामिद सबको ललचाई नज़रों से क्यों देख रहा था?

(ग) हामिद के हाथ में चिमटा देखकर अमीना ने क्या किया?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) ईद के दिन गाँव में कैसी हलचल थी?

....

....

(ख) ईद के दिन अमीना उदास क्यों थी?

....

....

(ग) मेले में कौन-कौन से सामानों की दुकानें थीं?

....

....

(घ) हामिद ने चिमटा ही क्यों खरीदा?

....

....

2. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) लोग कहाँ जाने की तैयारी कर रहे थे?

(*i*) बाज़ार ☐ (*ii*) ईदगाह ☐ (*iii*) विद्यालय ☐

(ख) हामिद ने मिठाई और खिलौने क्यों नहीं खरीदे?

(*i*) अब्बी–अब्बा की याद आने के कारण ☐

(*ii*) उदास होने के कारण ☐

(*iii*) अधिक पैसे ना होने के कारण ☐

(ग) महमूद ने क्या खरीदा?

(*i*) सिपाही ☐ (*ii*) वकील ☐ (*iii*) भिश्ती ☐

(घ) हामिद ने क्या खरीदा?

(*i*) टोपी ☐ (*ii*) चिमटा ☐ (*iii*) जूते ☐

(ङ) हामिद ने चिमटा कितने पैसों में खरीदा?

(*i*) दो पैसों में ☐ (*ii*) तीन पैसों में ☐ (*iii*) चार पैसों में ☐

3. **वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–**

(क) हामिद के माता–पिता जीवित नहीं थे। ☐

(ख) दादी हामिद को मेले में अकेले नहीं भेजना चाहती थी। ☐

(ग) ईदगाह में दालों की दुकानें भी लगी हुई थीं। ☐

(घ) हामिद ने छह पैसों में चिमटा खरीदा। ☐

(ङ) हामिद का चिमटा बंदूक, मंजीरा और खिलौने का काम कर रहा था। ☐

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

बूढ़ी – .... अंधकार – ....

तारीफ़ – .... खुशबूदार – ....

2. **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–**

(क) जिसके माता–पिता जीवित न हों – ....

(ख) जिसका भाग्य अच्छा न हो – ....

(ग) जहाँ ईद की नमाज़ पढ़ी जाती है – ....

(घ) दूसरों के प्रति अच्छी भावना – ....

(ङ) जो बोल नहीं सकता – ....

3. नीचे दिए मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–

(क) दिल कचोटना – ....

(ख) बाल भी बाँका न होना – ....

(ग) रंग जमाना – ....

(घ) गदगद होना – ....

4. भाववाचक संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–

(क) वृक्षों पर अनोखी हरियाली है।

(ख) आसमान पर कुछ लालिमा-सी है।

(ग) बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया।

(घ) बच्चे में कितना त्याग, सद्भाव और विवेक है!

> जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु, व्यक्ति, प्राणी आदि के भाव का पता चलता है, उन्हें **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं; जैसे– गरीबी, दुःख आदि।

5. नीचे दिए वाक्यों को संख्यावाचक विशेषण शब्दों से भरिए–

(क) रमज़ान के पूरे .... रोज़ों के बाद आज ईद आई है।

(ख) महमूद के पास .... पैसे थे।

(ग) हामिद .... साल का था।

(घ) हामिद को .... कोस पैदल जाना था।

(ङ) दादी अम्मा .... दुआएँ देंगी।

(च) .... सिर एक साथ सजदे में झुके।

कहानी से आगे

- यदि हामिद चिमटा न लेकर मिट्टी का कोई खिलौना ले आता तो क्या होता?
- आपको कौन–कौन से खिलौने पसंद हैं और क्यों?

नन्हे हाथों से

- **'मेरा प्रिय त्योहार' पर एक निबंध लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- किसी प्रसिद्ध स्थल का चित्र रंगीन पेपर पर लगाकर उसे फूल–पत्तियों और चाँद–तारों से सजाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके मित्र के घर में महंगा इलेक्ट्रॉनिक सामान आया है और वैसा ही सामान खरीदने की हठ करने पर यदि आपके माता-पिता मना कर दें तो–**

(क) अपने माता–पिता से नाराज़ हो जाएँगे। ☐

(ख) परिस्थिति को समझते हुए कोई प्रतिक्रिया नहीं करेंगे। ☐

(ग) अपने भाग्य को कोसेंगे। ☐

- **मेले में सामान खरीदते समय–**

(क) सामान की उपयोगिता को समझकर खरीदेंगे। ☐

(ख) केवल अपनी मनपसंद वस्तुएँ खरीदेंगे। ☐

(ग) केव महँगी वस्तुएँ खरीदेंगे। ☐

19 बलिदान

श्रावण का महीना था। मुहम्मद गौरी ने नौ लाख सैनिकों के साथ भारत पर आक्रमण किया और किले-पर-किले जीतता हुआ दिल्ली तक पहुँच गया। उस समय महाराज पृथ्वीराज दिल्ली के राजसिंहासन पर विराजमान थे। पर अब दिल्ली वह दिल्ली न थी, जिसमें सिंह गरजते थे। सम्राट के भवन से लेकर नगर के घर-घर तक ऐयाशी का ही रंग छाया हुआ था।

चित्तौड़ के राजा राणा साँगा को जब यह समाचार मिला, तो वे चिंतित हो उठे। शीघ्र ही वे दिल्ली पहुँचकर पृथ्वीराज से मिले और उनकी खूब निंदा की और उनसे देश की रक्षा के लिए प्राणों को न्योछावर करने का वचन लिया। देशभक्ति की भावना जागते ही पृथ्वी की रगों में बिजली दौड़ पड़ी। सब कुछ छोड़कर वह सेना के संगठन में जुट गए। उन्होंने अपने मित्र चंदवरदाई को सेना के लिए धन जुटाने हेतु भेजा। चंदवरदाई काँगड़ा गया पर वहाँ उसे कैद कर लिया गया।

पृथ्वीराज सेना का गठन करके मैदान में जा कूदे। उन्होंने बड़ी वीरता से युद्ध किया, पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वे हार गए और कैद कर लिए गए। एक दिन जिस मुहम्मद गौरी ने उनसे प्राणों की भीख माँगी थी, वही उन्हें कैद करके गजनी ले गया। पृथ्वीराज जेल में डाल दिए गए। जेल में पृथ्वीराज को असीम यातनाएँ दी गईं।

चंदवरदाई किसी तरह काँगड़ा से छूटा और अधिक सेना जुटाकर धावे-पर-धावे बोलता हुआ दिल्ली पहुँचा लेकिन दिल्ली पर अब मुहम्मद गौरी का कब्ज़ा हो चुका था और उसे युद्ध में हराना संभव न था। वह भेस बदलकर गजनी की ओर चल पड़ा। चारों ओर घोड़ों और ऊँटों की कतारें लगी थीं। तब भी चंदवरदाई भयभीत न हुआ। वह बड़ी चालाकी से बचता-बचाता नगर में पहुँच गया। मुहम्मद गौरी के महल के पास पहुँचकर उसने पृथ्वीराज के बारे में सारी जानकारियाँ जुटा लीं। पृथ्वीराज तक जाने का कोई रास्ता ना पाकर, आखिर एक दिन शाही सवारी के रास्ते में आकर उसने मुहम्मद गौरी से भेंट की। उसने उसे अपना परिचय दिया। मुहम्मद गौरी ने उससे पूछा—"तुम क्या चाहते हो?"

शिक्षण संकेत

- बच्चों में देश के प्रति भक्ति की भावना जगाएँ।
- देश के लिए सब कुछ न्योछावर करने वाले देशभक्तों की सच्ची घटनाएँ बताकर बच्चों में देश और देशभक्तों के प्रति सम्मान का भाव जगाएँ।

चंदवरदाई ने कहा–"अब जीवित रहने की इच्छा नहीं है। मरने से पहले मैं यह देखना चाहता था कि जिसने पृथ्वीराज जैसे वीर को बंदी बनाया है, वह कैसा है? आज वह इच्छा भी पूरी हो गई।" मुहम्मद गौरी ने कहा–"मुझे अफ़सोस है चंदवरदाई। मैं अभी तुम्हारी बात न सुन सकूँगा। कल दरबार में तुमसे फिर भेंट होगी।"

दूसरे दिन चंदवरदाई को दरबार में बुलाया गया। मुहम्मद गौरी ने पूछा– "अब कहो चंदवरदाई, तुम क्या चाहते हो?"

चंदवरदाई ने उत्तर दिया–"केवल एक ही चीज़ के लिए इतनी दूर चलकर आया हूँ।"

मुहम्मद गौरी ने कहा–"अगर वह चीज़ पृथ्वीराज न हुई, तो तुम्हारे साहस को देखते हुए मैं तुम्हें वह चीज़ ज़रूर दूँगा।"

चंदवरदाई ने कहा–"मैं पृथ्वीराज को नहीं माँग रहा हूँ, श्रीमान! पृथ्वीराज ने अपने बचपन में शब्द-भेदी बाण से चक्र में सात हाँडियाँ रखकर फोड़ने की प्रतिज्ञा की थी। मेरी प्रार्थना है कि आप उनकी यह प्रतिज्ञा पूर्ण करा दें।"

मुहम्मद गौरी ने ठहाका लगाकर कहा–"पर पृथ्वीराज तो अंधा हो चुका है। वह तीर कैसे चला सकता है?"

चंदवरदाई ने चालाकी से काम लिया। उसने कहा–"श्रीमान, आप मुझे यह वचन दे चुके हैं कि पृथ्वीराज को छोड़कर मैं जो भी मागूँगा, आप देंगे।" मुहम्मद गौरी ने कुछ सोचकर 'हाँ' कह दिया।

चंदवरदाई की इच्छा के अनुसार मुहम्मद गौरी ने उसे पृथ्वीराज के पास कारागार में भेज दिया। दोनों बड़े प्रेम से मिले।

चंदवरदाई ने पृथ्वीराज को सारी बातें बताकर धीरज से काम लेने के लिए कहा। वह वहाँ से लौटकर मुहम्मद गौरी से मिला। उसने उसे इस बात के लिए तैयार कर लिया कि बाण छोड़ने के लिए मुहम्मद गौरी स्वयं आज्ञा देगा।

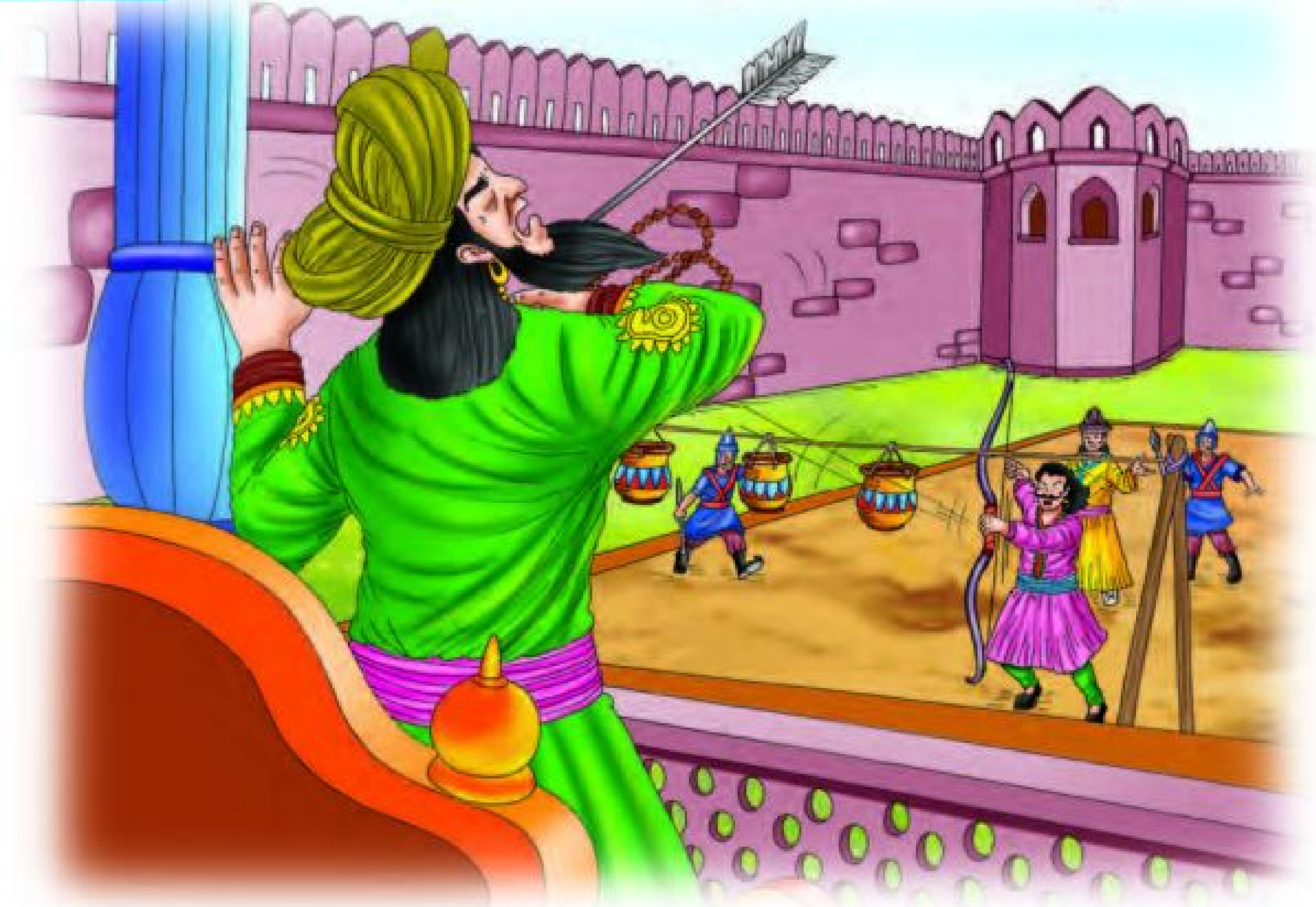

दूसरे दिन दरबार सजा। दरबार में वज़ीर और सिपाही, सभी बुलाए गए। मुहम्मद गौरी भी सिंहासन पर आकर बैठ गया। दरबार के बीच में सात हांडियों को गोल चक्र में लटका दिया गया।

दरबार में पृथ्वीराज भी लाए गए। उनके हाथ में धनुष-बाण दे दिया गया। पृथ्वीराज ने धनुष पर बाण चढ़ाया। चंदवरदाई ने कहा–"चार बाँस, चौबीस हस्त, अंगुल अस्त्र प्रमाण, ता ऊपर सुल्तान है, मत चूको चौहान!"

तब तक मुहम्मद गौरी बोल उठा–"बाण छोड़ो!"

मुहम्मद गौरी के मुख से 'छोड़ो' शब्द निकला ही था कि पृथ्वीराज का बाण उसकी गरदन को छेदकर पार निकल गया। मुहम्मद गौरी भूमि पर गिर पड़ा। चारों ओर हाहाकार मच गया। जब तक सिपाही चंदवरदाई और पृथ्वीराज के पास पहुँचते, दोनों ने कटार से अपना काम-तमाम कर लिया।

चंदवरदाई और पृथ्वीराज का यह बलिदान देश पर मिटने वालों को सदा प्रेरणा देता रहेगा।

शब्दार्थ

निंदा	–	बुराई, आलोचना	भेस	–	वेश-भूषा
कतारें	–	पंक्तियाँ	भेंट	–	उपहार, मुलाकात
प्रतिज्ञा	–	वचन, कसम खाना	कारागार	–	जेल

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

पृथ्वीराज   कारागार   सिंहासन   बलिदान

2. **सोचकर बताइए–**

(क) चंदवरदाई कौन था?

(ख) राणा साँगा पृथ्वीराज से क्यों मिला?

(ग) चंदवरदाई पृथ्वीराज के पास कैसे पहुँचा?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) मुहम्मद गौरी दिल्ली तक कैसे पहुँचा?

....

....

(ख) पृथ्वीराज चौहान कहाँ के राजा थे?

....

....

(ग) जेल में पृथ्वीराज चौहान की कैसी स्थिति थी?

....

....

(घ) चंदवरदाई ने मुहम्मद गौरी को पृथ्वीराज की किस प्रतिज्ञा के बारे में बताया?

....

....

(ङ) पृथ्वीराज ने मुहम्मद गौरी को कैसे मारा?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) चित्तौड़ का राजा कौन था?

(*i*) चंदवरदाई ☐ (*ii*) मुहम्मद गौरी ☐ (*iii*) राणा साँगा ☐

(ख) पृथ्वीराज चौहान से किसने अपने जीवन की भीख माँगी थी?

(*i*) सिकंदर ☐ (*ii*) मुहम्मद गौरी ने ☐ (*iii*) चंद्रगुप्त ने ☐

(ग) चंदवरदाई पृथ्वीराज चौहान की कौन–सी इच्छा पूरी करना चाहता था?

(*i*) प्रतिज्ञा पूरी करने की ☐ (*ii*) मरने की ☐ (*iii*) देखने की ☐

(घ) पृथ्वीराज चौहान कौन–सी विद्या जानता था?

(*i*) गदा चलाने की ☐ (*ii*) शब्दभेदी बाण चलाने की ☐

(*iii*) तलवार चलाने की ☐

(ङ) मुहम्मद गौरी को किसने मारा?

(*i*) पृथ्वीराज चौहान ने ☐ (*ii*) सिपाहियों ने ☐ (*iii*) चंदवरदाई ने ☐

भाषा ज्ञान

1. वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) मुहम्मद गौरी ने पाँच लाख सैनिकों के साथ भारत पर हमला किया। ☐

(ख) चंदवरदाई ने मुहम्मद गौरी से पृथ्वीराज चौहान को छोड़ने की बात की। ☐

(ग) पृथ्वीराज चौहान और चंदवरदाई कारागार में बड़े प्रेम से मिले। ☐

(घ) पृथ्वीराज चौहान का शब्दभेदी बाण चंदवरदाई की गदरन को छेदकर पार निकल गया। ☐

2. उचित मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
चंदवरदाई को काँगड़े	गजनी की ओर चल पड़ा।
पृथ्वीराज सेना का गठन	देशवासियों को सदा प्रेरणा देता रहेगा।
चंदवरदाई भेस बदलकर	में कैद कर लिया गया।
दरबार के बीच में	करके मैदान में जा कूदे।
चंदवरदाई और पृथ्वीराज का बलिदान	सात हांडियों को गोल चक्र में लटका दिया गया।

3. रंगीन शब्दों को शुद्ध करके वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) श्रावण का महिना था।

....

(ख) मुहम्मद गौरी ने उनसे पराणों की भीख माँगी थी।

....

(ग) चंदवरदाई भेश बदलकर गजनी की ओर चल पड़ा।

....

(घ) सात हांडीयों को गोल चक्र में लटका दिया गया।

....

(ङ) देश पर मिटने वालों को सदा प्रेरेणा देता रहेगा।

....

जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उन्हें **क्रिया** कहते हैं; जैसे– आना, जाना, सोना आदि। क्रिया के दो भेद हैं–सकर्मक और अकर्मक।

जिस क्रिया के साथ कर्म जुड़ा हो, उसे **सकर्मक** क्रिया कहते हैं; जैसे– उसने खाना खा लिया। इस वाक्य में **खाना** कर्म है और खा लिया क्रिया। अत: यह सकर्मक क्रिया है।

जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता, वह **अकर्मक** क्रिया होती है; जैसे– वह सो गया। इस वाक्य में 'सो गया' क्रिया है पर कोई कर्म नहीं है। अत: यह अकर्मक क्रिया है।

4. नीचे दिए वाक्यों से क्रिया शब्दों को छाँटकर उनके भेद लिखिए–

(क) उसने मुहम्मद गौरी को अपना परिचय दिया। ....

(ख) मुहम्मद गौरी किलों को जीतता गया। ....

(ग) पृथ्वीराज की रगों में बिजली दौड़ पड़ी। ....

(घ) चंदवरदाई भयभीत न हुआ। ....

(ङ) चंदवरदाई ने पृथ्वीराज को सारी बातें बता दीं। ....

(च) पृथ्वीराज भी लाए गए। ....

(छ) चंदवरदाई ने मुहम्मद गौरी को तैयार कर लिया। ....

(ज) बाण मुहम्मद गौरी की गरदन को छेदकर पार निकल गया। ....

5. बेमेल शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क)	श्रावण	चैत	बैसाख	जाड़ा
(ख)	दिल्ली	भारत	चित्तौड़	काँगड़ा
(ग)	मैदान	बादशाह	सिपाही	मंत्री
(घ)	हाथी	घोड़ा	ऊँट	जेल
(ङ)	बाण	धनुष	डफली	कटार

नन्हे हाथों से

- **चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

कुछ करने को

- पृथ्वीराज चौहान के जीवन की इस घटना को अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से नाटकीय रूप प्रदान कर कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि विद्यालय के बाहर कुछ अनजान लड़के आपके मित्र के साथ मार-पीट कर रहे हों तो–**

(क) डरकर भाग जाएँगे। ☐

(ख) दूर खड़े होकर उसे पिटते हुए देखेंगे। ☐

(ग) अपने मित्र की यथासंभव सहायता करेंगे। ☐

- **यदि आपके विद्यालय में किसी नेता के स्वागत समारोह का कार्यभार आपको सौंपा गया हो और उसमें कुछ छोटे बच्चे भाग लेना चाहते हों तो–**

(क) छोटे बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देते हुए उनका उचित मार्गदर्शन करेंगे। ☐

(ख) उन्हें धमकाकर भगा देंगे। ☐

(ग) उनके साथ टाल-मटोल करते रहेंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

खिलाड़ियों को पहचानों और बताओ कि यह किस खेल से संबंधित हैं?

(क)

(*i*) हॉकी (*ii*) क्रिकेट
(*iii*) फुटबॉल (*iv*) मुक्केबाजी

(ख)

(*i*) मुक्केबाजी (*ii*) क्रिकेट
(*iii*) निशानेबाजी (*iv*) हॉकी

(ग)

(*i*) निशानेबाजी (*ii*) गोल्फ
(*iii*) शतरंज (*iv*) मुक्केबाजी

(घ)

(*i*) निशानेबाजी (*ii*) क्रिकेट
(*iii*) फुटबॉल (*iv*) गोल्फ

(ङ)

(*i*) मुक्केबाजी (*ii*) निशानेबाजी
(*iii*) कुश्ती (*iv*) शतरंज

(च)

(*i*) बैडमिंटन (*ii*) कुश्ती
(*iii*) निशानेबाजी (*iv*) टेनिस

(छ) डी॰वी॰डी॰ का विस्तृत नाम क्या है?

(*i*) डिमांड व्हीडियो डिस्क ☐ (*ii*) डिजिटल व्होलेटिक डिस्क ☐

(*iii*) डिजिटल व्हायेबल डिस्क ☐ (*iv*) डिजिटल व्हर्सटाइल डिस्क ☐

(ज) इनमें से कौन-सा फल 'विटामिन सी' का सबसे अच्छा स्रोत है?

(*i*) आंवला ☐ (*ii*) संतरा ☐

(*iii*) मौसमी ☐ (*iv*) माल्टा ☐

(झ) धुम्रपान करने वालों में किस बीमारी का अंदेशा रहता है?

(*i*) लकवा ☐ (*ii*) कैंसर ☐

(*iii*) पीलिया ☐ (*iv*) रक्त विकार ☐

(ञ) संविधान की कौन-सी अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है?

(*i*) नौवीं ☐ (*ii*) पाँचवीं ☐

(*iii*) आठवीं ☐ (*iv*) सातवीं ☐

(ट) असम का प्रसिद्ध लोकनृत्य कौन-सा है?

(*i*) डांडिया ☐ (*ii*) घूमर ☐

(*iii*) भांगड़ा ☐ (*iv*) बीहू ☐

(ठ) राष्ट्रीय खेल दिवस कब मनाया जाता है?

(*i*) 29 अगस्त ☐ (*ii*) 15 अगस्त ☐

(*iii*) 10 दिसंबर ☐ (*iv*) 14 जनवरी ☐

(ड) इनमें से खतरनाक वायरस कौन-सा है?

(*i*) हिंगेला ☐ (*ii*) इबोला ☐

(*iii*) झिंगोला ☐ (*iv*) तंबोला ☐

(केवल पढ़ने हेतु)

20 हिंदी हमारी शान

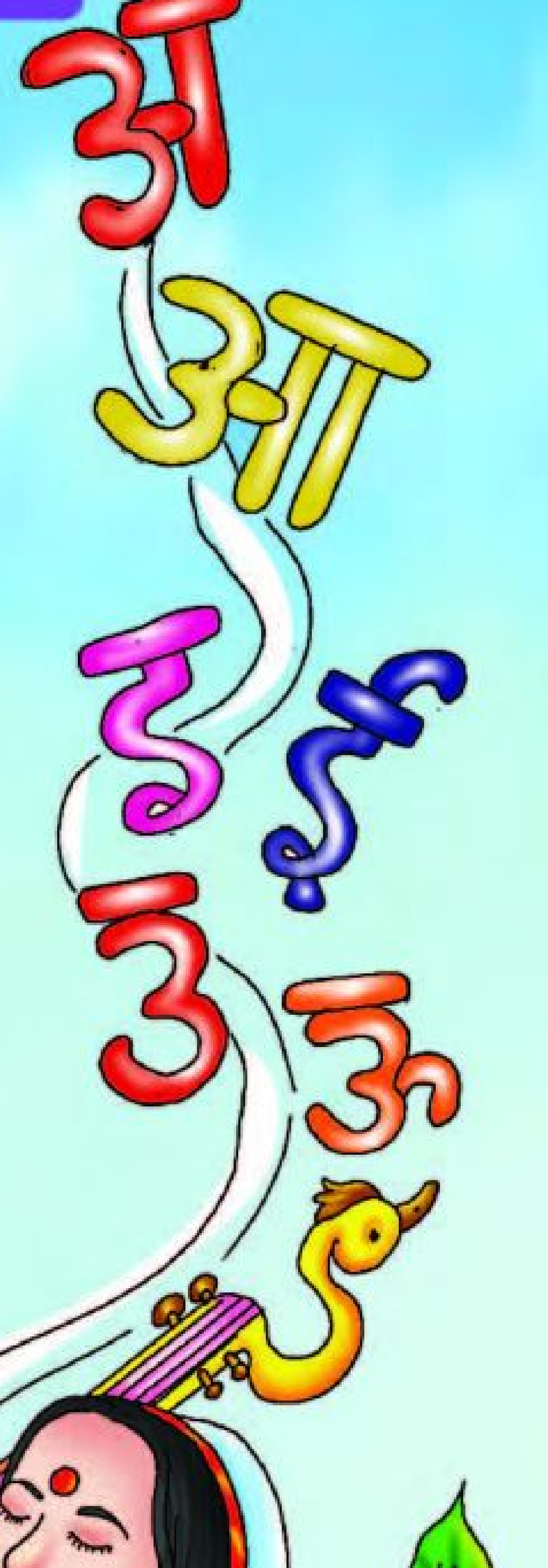

हिंदी एक वरदान, हिंदी एक वरदान
इसके हर अक्षर में अमृत,
शब्द-शब्द में रस की खान।
भारत के माथे की बिंदी,
हिंदी मेरा जीवन-प्राण।
हिंदी है जन-जन की भाषा,
शब्दों का अक्षय भंडार।
हिंदी गंगा जल-सी निर्मल,
हिंदी ईश्वर का वरदान।
पंत, निराला जैसे बेटे,
और महादेवी-सी बेटी।
तुलसी, सूर, कबीर, मीरा,
सब हिंदी के रत्न महान।
मेरी और तुम्हारी ही क्या,
राम, कृष्ण की भाषा हिंदी।
अनुपम है हिंदी का गौरव,
अनुपम है हिंदी की शान।

प्रश्न-पत्र–1

अवधि–3 घंटे **पूर्णांक-60**

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (10)

मैदान में कुछ गड़रिए अपनी भेड़-बकरियाँ चराने आते थे। उनमें एक लड़का था जो अपनी बकरियों के साथ आया करता था। गरमियों के दिन थे। बकरियों के साथ इधर-से-उधर घूमते-घूमते वह लड़का थककर चूर-चूर हो गया। कुछ देर आराम करने के लिए वह बरगद के वृक्ष के नीचे आ बैठा। बरगद के नीचे छाया थी। हवा भी शीतल थी। हवा के हलके-हलके झोंके लड़के को थपथपाने लगे। थोड़ी ही देर में वह सो गया।

(क) गड़रिए अपनी भेड़-बकरियाँ चराने के लिए कहाँ जाते थे?

(*i*) जंगल में ☐ (*ii*) मैदान में ☐ (*iii*) घाटी में ☐

(ख) लड़का किस पेड़ के नीचे बैठ गया?

(*i*) आम के ☐ (*ii*) नीम के ☐ (*iii*) बरगद के ☐

(ग) लड़के को किसने थपथपाया?

(*i*) हवा के झोंकों ने ☐ (*ii*) माँ ने ☐ (*iii*) दूसरे गड़रिए ने ☐

(घ) कोई दो कारक शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

(ङ) कोई दो विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

2. अपने छोटे भाई को बुरी संगति से बचने की सीख देते हुए एक पत्र लिखिए। (5)

3. 'नदियों के महत्त्व' पर एक अनुच्छेद लिखिए। (5)

व्याकरण से (20)

4. पर्यायवाची शब्द लिखिए– (2)

पंछी – .... तरु – ....

5. **विलोम शब्द लिखिए–** (2)

सम्मान – .... उपस्थिति – ....

6. **कोई दो शब्द युग्म लिखिए–** (2)

.... – .... – ....

7. **ईय और इक प्रत्यय से बने दो-दो शब्द लिखिए–** (2)

ईय .... इक ....

8. **नीचे दिए वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्द लिखिए–** (2)

(क) राजा सिंहासन से .... उतर गए।

(ख) तेनालीराम राजसिंहासन के .... छिप गए।

9. **मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–** (2)

(क) आँखों से ओझल होना ....

....

(ख) जान-में-जान आना ....

....

10. **नीचे दिए वाक्यों से उद्देश्य और विधेय छाँटिए–** (2)

(क) वह दिल्ली चला गया। ....

(ख) माँ ने स्वादिष्ट खाना बनाया। ....

11. **नीचे दिए वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए–** (2)

(क) लोगों ने विद्रोह किया। उन्हें स्वतंत्रता मिली। ....

(ख) अंग्रेज भारत आए। अंग्रेज़ों ने व्यापार किया। ....

12. **नीचे दिए वाक्यों से प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए–** (2)

(क) राजा का नाम चौपट राजा है। ....

(ख) सैनिक राजा को फाँसी पर लटका देते हैं। ....

13. **उचित विराम चिह्न लगाइए–** (2)

(क) आओ मेरे प्राण बचाओ हाय मैंने गुरु जी का कहना क्यों नहीं माना

(ख) नहीं बच्चा हम बूढ़े हो गए हैं हमको फाँसी चढ़ने दो

पाठ से (20)

14. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (12)

(क) बेबीरोज के पैर पर प्लास्टर क्यों चढ़ा हुआ था?

(ख) घाटी में मांस के टुकड़े क्यों फेंके जा रहे थे?

(ग) सुनीता विलियम्स का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(घ) नेहरू जी ने स्वयं तथा अपनी बेटी को भाग्यशाली क्यों माना?

(ङ) सैनिक गोवर्धन दास को पकड़कर क्यों ले जा रहे थे?

15. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– (5)

(क) रात को नदी के किनारे कौन शोर मचाते हैं?

(*i*) सियार ☐ (*ii*) बच्चे ☐ (*iii*) पक्षी ☐

(ख) पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह कौन-सा है?

(*i*) मंगल ☐ (*ii*) बुध ☐ (*iii*) चंद्रमा ☐

(ग) स्वतंत्रता आंदोलन किसके नेतृत्व में चलाया जा रहा था?

(*i*) जवाहरलाल नेहरू ☐ (*ii*) महात्मा गांधी ☐ (*iii*) संजय गांधी ☐

(घ) अंधेर नगरी के राजा का क्या नाम था?

(*i*) गोवर्धन दास ☐ (*ii*) चौपड़ सिंह ☐ (*iii*) चौपट राजा ☐

(ङ) कल्लू ने बकरी मरने पर किसका दोष बताया?

(*i*) कारीगर का ☐ (*ii*) बनिए का ☐ (*iii*) गोवर्धन दास का ☐

16. वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए– (3)

(क) इंदिरा गांधी 'जॉन ऑफ आर्क' की तरह बनना चाहती थीं। ☐

(ख) बेबीरोज का चचेरा भाई छत से गिरकर बेहोश हो गया था। ☐

(ग) स्वतंत्रता आंदोलन 'बापू जी' के नेतृत्व में चलाया जा रहा था। ☐

प्रश्न-पत्र—2

अवधि—3 घंटे **पूर्णांक-60**

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (10)

चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। पृथ्वी चंद्रमा से लगभग 81 गुना बड़ी है। चंद्रमा रात में चमकता है और चाँदनी फैलाता है। वास्तव में यह प्रकाश उसका अपना नहीं है। यह सूर्य की रोशनी से चमकता है। पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का छठा भाग ही चंद्रमा में है। चंद्रमा की ज़मीन ज्वालामुखियों के फलस्वरूप बनी है। जिसके कारण इसमें बहुत-सी दरारें और गड्ढे हैं।

(क) चंद्रमा किसका उपग्रह है?

(*i*) सूर्य का ☐ (*ii*) मंगल ग्रह का ☐ (*iii*) पृथ्वी का ☐

(ख) चंद्रमा किसकी रोशनी से चमकता है?

(*i*) पृथ्वी की ☐ (*ii*) सूर्य की ☐ (*iii*) स्वयं की ☐

(ग) चंद्रमा की ज़मीन किसके फलस्वरूप बनी है?

(*i*) ज्वालामुखी के ☐ (*ii*) तूफ़ान के ☐ (*iii*) भूकंप के ☐

(घ) चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति कितनी है?

....

(ङ) चंद्रमा की ज़मीन पर दरारें और गड्ढे क्यों बने हैं?

....

2. 'मेरा भारत महान' अथवा 'मेरा प्रिय त्योहार' पर एक निबंध लिखिए। (8)

3. कोई एक दोहा लिखिए। (2)

व्याकरण से

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए— (2)

महान — .... विशाल — ....

5. **समानार्थी शब्द लिखिए–** (2)

दूध .... फूल ....

6. **सर्वनाम शब्दों का सही रूप भरकर वाक्य पूरे कीजिए–** (2)

(क) .... पुस्तक खो गई। (मैं)

(ख) .... नेहा के लिए गुड़िया खरीदी। (वह)

7. **विस्मयादिबोधक शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–** (2)

(क) .... कितना सुंदर बगीचा है।

(ख) .... भाग लो यहाँ से, नहीं तो बहुत मार पड़ेगी।

8. **समुच्चयबोधक शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–** (2)

(क) खूब पढ़ो .... कक्षा में प्रथम आ सको।

(ख) लोग उन्हें भोजन देते थे .... वे सुबह–शाम आरती किया करते थे।

9. **नीचे दिए कारक शब्दों पर ◯ लगाइए–** (2)

(क) गरमियों में पानी न जाने कहाँ चला जाता है?

(ख) प्रतिवर्ष देश के कुछ हिस्से बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं।

10. **अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–** (5)

(क) जिसके समान कोई दूसरा न हो – ....

(ख) दूर की सोचने वाला – ....

(ग) सर्प के आकार का – ....

(घ) देश–विदेशों में घूमने–फिरने वाला – ....

11. **मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–** (3)

(क) बाल भी बाँका न होना - ....

....

(ख) रंग जमाना - ....

....

(ग) गदगद होना - ....

....

पाठ से (20)

12. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (15)

(क) छाते अपने मालिकों से क्यों नाराज़ थे?

(ख) पानी की कमी को दूर करने के लिए हमें क्या-क्या उपाय करने चाहिए?

(ग) कदंब के पेड़ को देखकर बच्चे के मन में क्या इच्छा होती है?

(घ) ग्लाइडर का निर्माण किसने और क्यों किया?

(ङ) हामिद ने चिमटा ही क्यों खरीदा?

13. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– (5)

(क) छाते की नींद अपने-आप क्यों टूट गई?

(*i*) बुखार के कारण ☐ (*ii*) खाँसी के कारण ☐ (*iii*) जुकाम के कारण ☐

(ख) मुंबई में रात को पानी भरने का क्या कारण है?

(*i*) पानी का वक्त-बेवक्त आना ☐

(*ii*) पानी की चोरी ☐

(*iii*) दिनभर कार्यों में व्यस्त होना ☐

(ग) 'कृष्ण' को कौन सा पेड़ प्रिय था?

(*i*) आम का ☐ (*ii*) केले का ☐ (*iii*) कदंब का ☐

(घ) हामिद ने चिमटा कितने पैसों में खरीदा?

(*i*) दो पैसों से ☐ (*ii*) तीन पैसों से ☐ (*iii*) चार पैसों से ☐

(ङ) पृथ्वीराज चौहान कौन-सी विद्या जानता था?

(*i*) गदा चलाने की ☐

(*ii*) शब्द-भेदी बाण चलाने की ☐

(*iii*) तलवार चलाने की ☐

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला

साक्षी हिंदी पाठमाला हिंदी पाठ्यपुस्तक की यह शृंखला कक्षा 1 से 8 के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक शृंखला में बच्चों को हिंदी भाषा में दक्ष बनाने हेतु उनकी अभिरुचि एवं वर्ग का ध्यान रखते हुए रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश किया गया है।

प्रमुख तथ्य

- एनसीईआरटी, सीबीएसई एवं राज्यों के बोर्डों के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित।
- भाषिक योग्यता कौशल–बोलना, पढ़ना, सुनना, लिखना आदि का समावेश।
- हिंदी की सभी विधाओं–कविता, कहानी, लेख, निबंध, यात्रा वृत्तांत, हास्य कथा, पौराणिक कथा, आधुनिक व पर्यावरण संबंधी कहानी, एकांकी, जीवनी, संस्मरण आदि पर आधारित रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश।
- चित्रों पर आधारित वाक्य रचना, अनुच्छेद, कविता, कहानी, मुहावरे, लोकोक्ति, लेख व निबंध लेखन।
- मानक व परंपरागत वर्तनी का ज्ञान।
- शब्दकोश का ज्ञान।

शृंखला में पुस्तकें

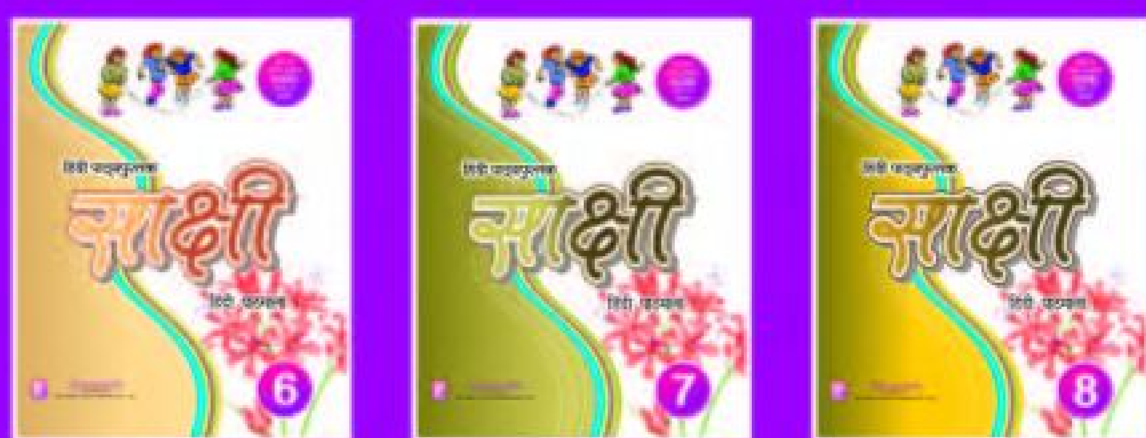

LAXMI PUBLICATIONS (P) LTD
(An ISO 9001:2008 Company)

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

ISBN 978-93-80644-98-1

मूल्य: ₹ 195.00

ASH5-4957-195-SAKSHI HINDI PATHMALA 5